संस्थापक स्व. डॉ. तेजनारायण शर्मा
राजस्थान, पंजाब, हरियाणा का लोकप्रिय दैनिक

तेज

हनुमानगढ़ जंक्शन
सोमवार 17 जून 2024
ज्येष्ठ शुक्ल एकादशी सम्वत् 2081
वर्ष 54 | अंक 163 | ₹ 4.00 | पृष्ठ 12
फोन : 269443, मो. 94140-95543, 99585-95529
Email: dainiktej@gmail.com
आरएनआई रजि. नं. 23549/71, पोस्टल रजि. नं.गंगानगर/29/2024-2026

शेयर बाजार

सेंसेक्स	76,992.77	+181.88
निफ्टी	23,465.60	+66.70
डॉलर	83.55	

हनुमानगढ़ का तापमान

न्यूनतम 34° अधिकतम 45°

बीजेपी में बेचैनी, पार्टी के सामने बेशुमार चुनौतियां

लोकसभा चुनाव में पार्टी को अपेक्षित सफलता नहीं मिलने के बाद पार्टी की बैठक वरिष्ठ नेताओं ने हालात 'खराब' होने पर किया मंथन, उप चुनाव की तैयारी पर चर्चा

जयपुर. लोकसभा चुनाव में 11 सीटों पर हुई बीजेपी की हार के पीछे पार्टी की आपसी फूट और गुटबाजी बड़ा कारण रही है। अब तक स्थानीय नेताओं से आए फीडबैक में सामने आया है कि ग्राउंड पर सब कुछ ठीक नहीं था। वरिष्ठ नेताओं के सामने हारे हुए उम्मीदवारों और फील्ड पर काम कर रहे नेताओं ने एक-एक करके हार के कारण गिनाए। कई उम्मीदवारों ने प्रदेश प्रभारी, प्रदेशाध्यक्ष और वरिष्ठ नेताओं के सामने अपना दर्द जाहिर करते हुए कहा-बहुत सी जगहों पर अपनों ने हरवाया है। पार्टी को ऐसे नेताओं के बारे में चुनाव के वक्त ही बता दिया था, लेकिन इसके बाद भी सुधार नहीं हुआ। नेताओं ने अंदरखाने साथ रहने का नाटक किया, लेकिन उनके समर्थकों ने पार्टी को हरवाने में दिन-रात एक कर दिया। जयपुर बीजेपी मुख्यालय में पार्टी के नेताओं ने 2 दिन (शनिवार-रविवार) में 14 घंटे बैठक करके 11 सीटों पर हार की समीक्षा की। रविवार को बैठक खत्म होने के बाद प्रदेश चुनाव प्रभारी विनय सहस्त्रबुद्धे ने कहा-बैठक में पार्टी की रीति और पद्धति के अनुसार मंथन किया गया। हार की जिम्मेदारी कौन लेगा, इस सवाल पर सहस्त्रबुद्धे ने कुछ भी नहीं कहा। उन्होंने केवल इतना कहा कि पार्टी के सामने आने वाले समय में कई चुनौतियां हैं। उपचुनाव में किस तरह से पुख्ता तैयारी की जाए, इसे लेकर भी बैठक में चर्चा की गई है। बीजेपी मुख्यालय में बैठक के पहले दिन सीएम भजनलाल शर्मा, चुनाव प्रभारी विनय सहस्त्रबुद्धे, प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, सह प्रभारी विजया राहटकर ने सीटवार हारे हुए लोकसभा उम्मीदवारों, विधायकों और स्थानीय नेताओं के साथ कारणों पर फीडबैक लिया।

श्रीगंगानगर व चूरू सीट पर हार से पार्टी सदमे में

पहले दिन टोंक-सवाई माधोपुर, दौसा, झुंझुनूं, नागौर, सीकर, चूरू और बाड़मेर सीट पर हार के कारणों का स्थानीय नेताओं से फीडबैक लिया गया। रविवार को बांसवाड़ा, करौली-धौलपुर, भरतपुर और श्रीगंगानगर सीट पर हार की समीक्षा की गई। सीएम भी मीटिंग में कुछ देर के लिए पहुंचे थे। बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष देवेंद्र पारीक, हनुमानगढ़ से अमित सहू, पीलीबंगा से धर्मेंद्र मोची, संगरिया से गुरदीप शाहपीनी सहित अन्य नेता मौजूद थे। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, श्रीगंगानगर और चूरू में करारी हार से पार्टी सदमे में है। मंथन का निचोड़ यह निकला कि 'अपनों' ने ही पार्टी की नैया को डुबोने के लिए खूब मेहनत की।

जनता का मिजाज भांपने में रहे विफल

हार के कारणों की समीक्षा में सभी सीटों पर तीन से चार बातें कॉमन रहीं। ज्यादातर नेताओं ने यह माना है कि हवा का रुख भांपकर रणनीति बदलने में फेल साबित हुए। कई सीटों पर तो शुरू में लग ही नहीं रहा था कि इस तरह का अंडर करंट है। पार्टी जनता के मिजाज को भांपने में विफल रही लेकिन, जब प्रचार गति पकड़ने लगा तो इसका एहसास हुआ। तब तक देर हो चुकी थी। नेताओं और उम्मीदवारों ने कहा-कांग्रेस ने जिस तरह एससी-... शेष पेज 9 पर

भाजपा विधायक को आया हार्ट अटैक

बीकानेर के हल्दीराम हार्ट केयर सेंटर में उपचाराधीन हैं खाजूवाला विधायक

जयपुर. खाजूवाला विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक डॉ. विश्वनाथ मेघवाल को रविवार सुबह हार्ट अटैक आ गया। अचानक तबियत बिगड़ने पर बीकानेर के पीएनबी अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उन्हें हल्दीराम हार्ट केयर सेंटर में भर्ती कर लिया है। डॉक्टरों के मुताबिक डॉ. मेघवाल को माइनर अटैक आया है। ऑपरेशन करके एक स्टंट लगाया गया है। अब उनकी हालत खतरे से बाहर है। डॉक्टरों का कहना है कि घबराने की बात नहीं है। उनके स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। विधायक डॉ. मेघवाल की पत्नी विमला का कहना है कि सुबह अचानक सीने में दर्द शुरू हुआ और घबराहट हुई। पसीना भी आने लगा। विधायक डॉ. विश्वनाथ मेघवाल और उनकी पत्नी डॉ. विमला मेघवाल दोनों डॉक्टर हैं। ऐसे में उन्हें स्वास्थ्य गड़बड़ लगा तो घरवालों को बताया और तुरंत अस्पताल चलने के लिए कहा। अस्पताल पहुंचने पर कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. पिंटू नाहटा एंजियोग्राफी की जिसमें 90 फीसदी आर्टरी ब्लॉक पाई गई। इसके बाद तुरंत स्टंट डालने का फैसला लिया गया। ऑपरेशन के बाद आराम की सलाह दी गई है। फिलहाल किसी को मिलने की इजाजत नहीं दी जा रही है। एक दो दिन बाद उन्हें जयपुर रैफर भी किया जा सकता है।

भारतीय रेलवे का नाम 'लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' में दर्ज

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने एक सार्वजनिक-सेवा कार्यक्रम में अनेक स्थानों पर सर्वाधिक लोगों के एकत्रित होने पर अपना नाम 'प्रतिष्ठित लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' में सफलतापूर्वक दर्ज करा दिया है। रेल मंत्रालय ने 26 फरवरी 2024 को एक कार्यक्रम आयोजित किया था जिसमें 2,140 स्थानों पर 40,19,516 लोगों ने भाग लिया था। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा रेलवे पुलों के ऊपर/नीचे सड़क के उद्घाटन और रेलवे स्टेशनों की आधारशिला रखने के लिए आयोजित किया गया था। भारतीय रेलवे के उत्कृष्ट व्यापक प्रयास एवं गतिशीलता को सराहा गया है और इसे 'प्रतिष्ठित लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' में दर्ज किया गया है।

समस्त जिलावासियों को
ईद मुबारक

अवकाश सूचना

17 जून को ईद उल अजहा के उपलक्ष में तेज कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतः आगामी अंक 19 जून को प्रकाशित होगा। पाठक एवं एजेंट बंधु नोट करें।

\- सम्पादक

किराये हेतु खाली
हनुमानगढ़ जंक्शन के मुख्य चौराहे राजीव चौक पर किराए के लिए भवन उपलब्ध है।
साईजः 50×60 फुट
जिसमें
10 कमरे, 2 हॉल एवं 10×25 की एक दुकान
इच्छुक सम्पर्क करें:
9414095085

आरोपी के घर में प्रवेश करने पर वीडियोग्राफी करेगी पुलिस

एक जुलाई से बदलेंगे तीन कानून, संसाधन जुटाने पर किसी का ध्यान नहीं

जयपुर. पूरे देश में 1 जुलाई से तीन नए कानून लागू हो जाएंगे। इन कानूनों के तहत पुलिस को आरोपी के घर में घुसने, तलाशी लेने और हर बरामदगी की वीडियोग्राफी कर मौके पर ही मीमो बनाना होगा और वीडियो एप में अपलोड करने होंगे। लेकिन एनसीआरबी ने अब तक राजस्थान पुलिस को यह एप ही साझा नहीं किया है। इसके चलते पुलिसकर्मियों का न तो यह पता है कि एप कैसा होगा, कैसे काम करेगा और तकनीक क्या होगी। एप का ट्रायल नहीं होने से यह भी पता नहीं... शेष पेज 9 पर

किस कानून में कितनी धाराओं में बदलाव

1. बीएनएसएस में 533 धाराएं रहेंगी। सीआरपीसी की 160 धाराओं को बदल दिया गया है। 9 नई धाराएं जोड़ी और 9 को हटा दिया है।
2. बीएनएस में 356 धाराएं होंगी। आईपीसी की 175 धाराओं में बदलाव किया गया है। 8 नई धाराएं जोड़ी हैं और 22 को हटा दिया है।
3. भारतीय साक्ष्य विधेयक में 170 धाराएं होंगी। एविडेंस एक्ट में 167 थी। 23 धाराओं में बदलाव किया है।

120 दिन बाद अभियोजन स्वीकृति स्वतः

1. धारा-218; सरकार की ओर से अभियोजन स्वीकृति पत्र के 120 दिन में कार्यवाही नहीं होती है तो स्वतः स्वीकृति मान ली जाएगी।
2. धारा 194; मर्ग मामलों की जांच 24 घंटे में मजिस्ट्रेट को भेजनी होगी।
3. धारा 193; पोक्सो अधिनियम 2012 में 60 दिन में जांच पूरी करनी होगी। आरोप पत्र ऑनलाइन प्रस्तुत कर सकेंगे।
4. धारा 173; संज्ञेय मामलों में एफआईआर किसी भी थाने में दर्ज करवाई जा सकती है। एफआईआर इलेक्ट्रॉनिक सूचना द्वारा भी दी जा सकती है, लेकिन सूचनाकर्ता को 3 दिन में हस्ताक्षरित करना जरूरी।
5. तीन वर्ष से अधिक और 7 वर्ष से कम सजा के मामलों में सीधे गिरफ्तारी नहीं। इसकी 14 दिन में जांच की जा सकती है, ताकि पता चले कि संज्ञेय अपराध घटित हुआ है या नहीं।

लू के थपेड़ों में झुलसा हनुमानगढ़

मौसम का मिजाजः बारिश का दौर हल्का पड़ने से तेज हो गई गर्मी

जयपुर. राजस्थान में बारिश का दौर हल्का पड़ने और पश्चिमी हवा का प्रभाव होने से गर्मी तेज हो गई है। पिलानी, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू समेत कुछ जिलों में दिन का अधिकतम तापमान 44 से 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। श्रीगंगानगर, पिलानी, चूरू में हीटवेव चलनी शुरू हो गई है। आज (रविवार) भी 6 जिलों में हीटवेव चलने की आशंका है। मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर के अनुसार, राजस्थान के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से पर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना है। इस सिस्टम के प्रभाव से उदयपुर, कोटा और अजमेर संभाग के 9 जिलों में दोपहर बाद आंधी चल सकती है। बादल छा सकते हैं। इन सबके बावजूद यहां बारिश होने की संभावना बहुत कम है। श्रीगंगानगर, चूरू, भरतपुर और करौली में भी तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के नजदीक दर्ज हुआ। श्रीगंगानगर, चूरू हनुमानगढ़ के एरिया में कल का दिन हीटवेव... शेष पेज 9 पर

सोशल मीडिया पर 'लड़कों का हक मत मारो' पोस्ट ट्रेंड

राजस्थान में थर्ड ग्रेड टीचर्स भर्ती में महिलाओं को 50 फीसद आरक्षण का एलान, मुख्यमंत्री के फैसले के खिलाफ युवकों ने रील्स पोस्ट कर तंज कसा

जयपुर. मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बड़ा ऐलान करते हुए थर्ड ग्रेड टीचर्स भर्ती में महिलाओं को बड़ा तोहफा दिया है। उन्होंने भर्ती परीक्षा में महिलाओं को 50 परसेंट तक आरक्षण देने का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री के इस फैसले के बाद सोशल मीडिया पर यूजर्स सरकार के फैसले पर काफी ट्रोल कर रहे हैं। इस दौरान रविवार सुबह युवकों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मुख्यमंत्री के फैसले के खिलाफ जमकर एक्स अकाउंट पर ट्रेंड चलाया। इसमें सोशल मीडिया यूजर्स युवकों ने 'लड़कों का हक मत मारो' से काफी पोस्टों को ट्रेंड कर सरकार पर तंज कसा। इसमें युवक तरह के मीम्स, रील्स और कमेंट्स करते हुए नजर आए। शिक्षक भर्ती परीक्षा में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देने की घोषणा के बाद युवकों में नाराजगी देखने को मिल रही हैं। इस दौरान सोशल मीडिया पर यूजर्स प्रदीप मैखुरी ने लिखा कि 'राजस्थान सरकार लड़कों-का-हक-मत-मारो नहीं, तो लड़कों को अपने तिकड़म लगाने में देर नहीं लगेगी।' इसके साथ उन्होंने एक वीडियो भी पोस्ट किया। जिसमें बस में सफर कर रहे एक युवक को महिला ने आरक्षित महिला सीट बता कर उठा दिया। इस पर युवक ने तरकीब लगाते हुए दिखाया कि वह विकलांग है। इसके बाद उसे महिला ने उस सीट पर ही बैठे रहने के लिए कह दिया, लेकिन जब बस स्टॉप पर उतरने की बारी आई, तो उसे युवक ने महिला को चढ़ाते हुए बताया कि वह बिल्कुल ठीक है और नीचे उतर गया। जिसे देखकर महिला... शेष पेज 9 पर

तीर्थ स्थलों पर बढ़ाई जाएगी सुरक्षा व्यवस्था

जम्मू-कश्मीर पहुंचे गृह मंत्री अमित शाह, अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा पर रहा फोकस

नई दिल्ली. गृहमंत्री अमित शाह ने दिल्ली में रविवार को जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मीटिंग की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आतंकवाद को कुचलें और आतंकियों की मदद करने वालों पर भी सख्ती बरतें। शाह ने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर में सभी तीर्थ स्थलों और पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था और बढ़ाई जाए। 21 जून को योग दिवस के कार्यक्रम के लिए प्रधानमंत्री मोदी 20 जून को श्रीनगर जा रहे हैं। 29 जून से अमरनाथ यात्रा भी शुरू हो रही है। इसे देखते हुए शाह ने अधिकारियों से यात्रा रूट और नेशनल हाईवे पर अतिरिक्त बलों की तैनाती करने को कहा है। शाह ने एजेंसियों को निर्देश दिया कि वे कश्मीर घाटी में एरिया डोमिनेशन प्लान और जीरो टेरर प्लान के जरिए हासिल की गई सफलताओं को जम्मू संभाग में भी दोहराएं। मीटिंग के दौरान गृहमंत्री शाह का पूरा फोकस अमरनाथ यात्रा... शेष पेज 9 पर

30 करोड़ रुपए कीमत के मादक व नशीले पदार्थ करवाए नष्ट

एनडीपीएस एक्ट के प्रकरणों के तहत जब्त माल का निस्तारण

तेज | रिपोर्टर हनुमानगढ़

जिला पुलिस की ओर से एनडीपीएस एक्ट के प्रकरणों के तहत जब्त तकरीबन 30 करोड़ रुपए कीमत के मादक व नशीले पदार्थ रविवार को नष्ट करवाए गए। जिले के विभिन्न पुलिस थानों की ओर से एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न कार्रवाई के दौरान जब्त माल के निस्तारण की प्रक्रिया पुलिस मुख्यालय राजस्थान जयपुर के निर्देशानुसार जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान की मौजूदगी में की गई। जब्तशुदा वजह सबूतों के नियमानुसार निस्तारण के लिए जिला औषधि व्ययन समिति के सदस्यों की उपस्थिति में धारा 52ए(2) एनडीपीएस एक्ट के तहत इन्वेन्ट्रीशुदा मादक पदार्थों के माल का निस्तारण श्री महालक्ष्मी केम कार्बोनेट प्राइवेट लिमिटेड डी-13 फेज-1 इण्डस्ट्रीयल एरिया रिको हनुमानगढ़ में किया गया। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्यारेलाल मीणा व पुलिस अपराध सहायक सुभाष कच्छावा सदस्य के रूप में मौजूद रहे। पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने बताया कि हनुमानगढ़ जिले में एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज प्रकरण जिनमें धारा 52(2) एनडीपीएस एक्ट के अन्तर्गत भौतिक सत्यापन की कार्रवाई हो चुकी है एवं एफएसएल रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है, उन प्रकरणों (अफीम को छोड़कर) का निस्तारण सभी... शेष पेज 9 पर

पंचायत स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

वक्ताओं ने कहा - सभी वर्गो का सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक उत्थान होना आवश्यक

तेज. रिपोर्टर | पीलीबंगा

डॉ.अंबेडकर नवयुवक संघ भागसर का पंचायत स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह रविवार को हुआ।मुख्य अतिथि जिला प्रमुख कविता मेघवाल, सरपंच रामकुमार, जिला परिषद डायरेक्टर अमनदीप कंग, संघ अध्यक्ष भारत भूषण ने बाबा साहेब के छायाचित्र के समक्ष पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की। जिला प्रमुख कविता मेघवाल ने कहा कि संविधान हमारी ताकत है, संविधान हमारा स्वाभिमान है। देश को संविधान रूपी महान ग्रंथ देने वाले संविधान निर्माता, सामाजिक समता और सामाजिक न्याय के पुरोधा, भारत रत्न बाबासाहेब डॉ भीमराव आंबेडकर के जीवन आदर्शो को आज के जीवन में आत्मसात करने की जरूरत है। व्याख्याता ओमप्रकाश कालवा ने कहा कि समाज की बुराईयों को त्याग करने की आज के समय में नितांत आवश्यकता है, इसलिए एकजुट होकर समाज के उत्थान के लिए कार्य करना हम सब का दायित्व है। नवयुवक संघ ब्लॉक कमेटी अध्यक्ष रामेश्वर चालिया ने डा.अंबेडकर को सामाजिक नवजागरण का अग्रदूत बताते हुए उनके जीवनी पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि उनका जीवन सदियों से सामाजिक,आर्थिक एवं शैक्षणिक उत्थान के लिए समर्पित था। वे समाज में व्याप्त रूढ़िवादी एवं विषमता को समाप्त करने के लिए जीवन-पर्यंत संघर्ष करते रहे। डायरेक्टर अमनदीप कंग ने बताया कि बाबा साहब एक सुलझे हुए राजनीतिज्ञ थे, उन्होंने अपने पीछे संविधान के रूप में एक अमूल्य विरासत छोड़ दी है। इससे पहले छोटी छोटी बालिकाओं ने स्वागत गायन एवम अन्य कल्चरल एक्टिविटी कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। अतिथियों ने आठवीं, 10वीं, 12वीं सहित बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के अलावा खेलकूद के क्षेत्र में परचम लहराने वाले खिलाड़ियों एवं राजकीय सेवा में चयनित और विशेष योग्यता धारी प्रतिभाओं को संस्था द्वारा सम्मानित किया। इस मौके पर पूर्व डायरेक्टर देवीलाल नोखवाल, उपसरपंच हंसराज कसवा, रामेश्वर चालिया, नेहरू युवा मंडल अध्यक्ष भीमसैन पटीर, एड.मनीष आहूजा, रामकरण प्रजापति, हरनेक सिंह, महावीर नोखवाल, ताराचंद मारवाल, भूप सिंह सोलंकी, महावीर बेलान, सुशील बौद्ध सहित संस्था अध्यक्ष भारत भूषण, कोषाध्यक्ष रोशन लाल परिहार, महासचिव रामलाल, सचिव बनवारीलाल, उपाध्यक्ष भीमसेन, संस्था सदस्य सीताराम, अशोक कुमार, मोहन लाल, राधेश्याम, नरेश कुमार, मुकेश कुमार, प्रेम कुमार, भादरराम, राजकुमार, रामदयाल, धनराज, अरुण कुमार, लीलाराम, रामेश्वर लाल, कमलेश कुमार आदि मौजूद थे। मंच संचालन सीताराम एवम भीमसैन ने किया।

समर कैंप में सीखे ड्राइंग, पेंटिंग, आर्ट एंड क्राफ्ट डांस, पोएट्री मेकिंग, स्विमिंग, स्केटिंग के गुर

तेज. रिपोर्टर | पीलीबंगा

श्रीअरोड़वंश सभा एवं महिला मंडल के दस दिवसीय किड्स समर कैंप में रविवार को बच्चों ने पूरे उत्साह व उमंग के साथ ड्राइंग, पेंटिंग व आर्ट एंड क्राफ्ट, डांस, पॉटरी मेकिंग, स्विमिंग, स्केटिंग आदि के गुर सीखे। कार्यक्रम की शुरुआत बच्चों द्वारा डांस के साथ किया गया। विशेषज्ञ शिक्षिकाओं की ओर से इस कैंप में अलग अलग प्रकार की गतिविधियां कराई गई।बच्चो को अपनी भारतीय संस्कृति और सभ्यता का परिचय दिया गया। वहीं छोटे बच्चों ने भांगड़ा नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मान मोह लिया। आयोजक महिला मंडल की अध्यक्षा अनिता अरोड़ा ने कहा कि कैंप का मुख्य उद्देश्य बच्चों की रचनात्मकता को बढ़ाना है और खेल-खेल में हम बच्चों को बहुत कुछ सिखा सकते हैं। शिविर का समापन 20 जून गुरुवार को होगा। महिला मंडल अध्यक्ष अनीता अरोड़ा, बरखा अरोड़ा, पूजा मिड्ढा, शीतल बाघला, नेहा सचदेवा आदि की देखरेख में कैंप की गतिविधियां आयोजित हुई। बच्चों को मिठाई व बिस्कुट और चॉकलेट बांटी गई। बच्चों के लिए मजेदार कंपटीशन भी कराए गए। इसके अलावा लेखन कला में दक्षता पर भी बच्चों को ट्रेंड किया गया।

चार सत्र की बकाया डीपीसी प्रक्रिया शीघ्र शुरू करवाने की मांग

तेज. रिपोर्टर | पीलीबंगा

चार सत्र की बकाया डीपीसी प्रक्रिया शीघ्र शुरू करवाने की मांग की है। शिक्षा विभाग की ढुलमुल नीति के चलते शिक्षा विभाग को व्याख्याताओं की कमी से जूझना पड़ रहा है, इस पर कार्मिकों ने रोष भी जताया है। रा.शि. संघ शेखावत के जिलाध्यक्ष मनोहर लाल बंसल ने बताया कि नए सत्र में भी विद्यालयों व विद्यार्थियों को व्याख्याताओं की कमी का खामियाजा उठाना पडेगा, अभी तक वरिष्ठ अध्यापक से व्याख्याता की गत चार सत्र की डीपीसी बकाया है, जिससे परीक्षा परिणाम तो प्रभावित हो ही रहा है साथ ही विद्यालयों के नामांकन पर भी बुरा प्रभाव पड़ रहा है। प्रदेश में पिछले तीन वर्ष में क्रमोन्नत विद्यालयों में तो अभी तक व्याख्याता के पद ही सृजित नहीं किये गए है, ऐसे में डीपीसी होने पर भी उन विद्यालयों में व्याख्याताओं के पद भर जाना संभव नहीं होगा। दूसरी ओर यदि डीपीसी की प्रक्रिया शीघ्र शुरू कर भी दी जाती है तो भी चार सत्र की डीपीसी बकाया होने के कारण डीपीसी में काफी समय लगने की संभावना है, इसलिए संगठन ने मांग कि सभी चार सत्र की डीपीसी प्रक्रिया की कार्रवाई शीघ्र शुरू की जावे। बंसल ने बताया कि संगठन को उम्मीद है कि सरकार शीघ्र नव क्रमोन्नत विद्यालयों में व्याख्ताओं के पद सृजित कर शिक्षकों के सभी वर्ग की डीपीसी प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण करेगी।

भगवान शनि के जन्म महोत्सव पर हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने चढ़ाया तेल

तेज. रिपोर्टर | हनुमानगढ़

शनि जन्म महोत्सव पूरे देश भर में बड़ी धूमधाम से 6 जून को मनाया गया इसी के तहत श्री शनि सेवा संस्थान की और से हनुमानगढ़ जंक्शन के मुख्य बाजार में स्थित सिद्ध शक्तिपीठ शनी धाम अर्थात शनि मंदिर में भगवान शनि के जन्मोत्सव के अवसर पर विशाल भंडारा लगाया गया, शाम को महामंगला आरती हुई एंव रात्रि को विशाल जागरण हुआ जागरण में मीनाक्षी शर्मा, देव चुघ, राजेश मजोका, कैलाश कुमार, सुरेंद्र भारद्वाज, राजेंद्र जोशी द्वारा बाबा का गुणगान किया गया कार्यक्रम में मुन्ना म्यूजिकल ग्रुप का भी सहयोग रहा वह गोपी ग्रुप द्वारा विभिन्न तरह की झांकियां की अद्भुत प्रस्तुतियां दी गई। इस गुरु द्रोणाचार्य द्वारा शनि चालीसा का पाठ कर भगवान शनि की महिमा पर प्रकाश डाला कार्यक्रम में अध्यक्ष किशनलाल, उपाध्यक्ष पंकज भार्गव, सचिव धीरज भार्गव, कोषाध्यक्ष गुरु द्रोणाचार्य, संस्थापक ताराचंद भार्गव सहित शनि भक्त उपस्थित रहे। संस्थान के अध्यक्ष किशन कुमार ने बताया की गुरुवार को भगवान शनि के जन्मोत्सव के अवसर पर दिन भर मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ रही भगवान शनि पर तेल चढ़कर सुख समृद्धि की कामना की गई जागरण समाप्ति के पश्चात मंदिर के मुख्य पुजारी दुर्गेश भार्गव द्वारा शनि भक्तों को प्रसाद के रूप में माणिक्य मोती, मूंगा, पन्ना, पुखराज,हीरा, नीलम आदि रतन बांटे गए।

मिशन ग्रीन संस्था ने मानसून में पौधारोपण के लिए गड्ढा खुदाई का कार्य किया प्रारंभ

तेज. रिपोर्टर | पीलीबंगा

पर्यावरण संवर्धन की दिशा में कार्य कर रही कस्बे की मिशन ग्रीन संस्था ने मानसून को देखते हुए पौधारोपण के लिए गड्ढा खुदाई का कार्य प्रारंभ कर दिया है। कमल कामरा ने बताया कि कस्बे को हरा भरा बनाने एवम सौंदर्यकरण करते हुए इस बार सार्वजनिक स्थलों एवं मुख्य मार्ग के डिवाइडर और हनुमानगढ़ सूरतगढ़ फोर लाइन सहित राजकीय स्थलों पर सैकड़ो पौधे लगाकर उनकी पैन तक हरेक पौधे की सार संभाल का लक्ष्य निर्धारित किया है। पूर्व तैयारी करते हुए रविवार सुबह संस्था कार्यकर्ताओं ने गड्ढे खोदने की प्रक्रिया शुरू कर दी, इसके अलावा मंडी के विभिन्न पार्को को गोद लेकर उनमें भी फलदार, फूलदार एवं छायादार किस्म के विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाने की कार्य योजना बनाई है। संस्था के वैध ओमवीर सिंह राघव, शकील खान, दीपक नागपाल, प्रिंस गर्ग, अनमोल गर्ग, वेद प्रकाश भूतना, अफरोज खान, प्रिंस गर्ग, कमल कामरा, जयदेव मुढं, जेपी लूगरिया, नितेश गर्ग आदि मौजूद थे।

पीएचसी नौरंगदेसर में नसबंदी शिविर का आयोजन, 9 महिलाओं की हुई नसबंदी

तेज रिपोर्टर. पीलीबंगा। पीएचसी नौरंगदेसर में रविवार को नसबंदी कैंप लगाया। बीसीएमओ सर्जन डॉ. मनोज अरोड़ा ने एलएस पद्धति से 9 महिलाओं की नसबंदी करते हुए परिवार नियोजन का महत्व बताया एवम ऑपरेशन उपरांत रखी जाने वाली सावधानियां एवं मौसम में हो रहे परिवर्तन से बचाव रखने का आग्रह किया। डॉ. गिन्नी गर्ग ने ऑपरेशन करने वाली महिलाओं के स्वास्थ्य की नियमित जांच की। कैंप में मनजीत शर्मा, अक्षय कुमार, सरोज रानी एवम नरेश कुमार आदि ने सेवाएं दी। स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने ऑपरेशन उपरांत रखी जाने वाली सावधानियां एवं अपना नसबंदी प्रमाण पत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में बताया।

भागसर की गुसांई सेवा समिति ने लगाई ठंडे मीठे पानी की छबील

तेज रिपोर्टर. पीलीबंगा। ग्राम भागसर की गुसांई सेवा समिति ने ग्रामीणों के सहयोग से रविवार को ठंडे मीठे पानी की छबील लगाई। संपर्क मार्ग भागसर से डींगवाला, प्रेमपुरा संघर, फोरलेन मार्ग एवम राष्ट्रीय राजमार्ग श्रीगंगानगर की ओर जाने वाले यात्रियों को ठंडा मीठा शरबत व नींबू जलजीरा पिलाया गया। दिन भर सेवादारों ने सेवा कार्य किया।श्री गुसांई बाबा मंदिर प्रांगण पर भी ग्रामीणों को छबील का ठंडा पानी पिलाकर क्षेत्र में खुशहाली व अमन और भाईचारे की मंगल कामना की गई। ग्राम के दानदाता एवं दानी सज्जनों ने छबील में चीनी नींबू व आर्थिक सहयोग दिया।भीषण गर्मी में ठंडा जल पीने वालों की लंबी कतार लगी रही।

भक्त भानीराम बेनीवाल के निधन पर ग्रामीणों ने शोक जताया

तेज रिपोर्टर. पीलीबंगा। दौलतांवाली गांव के भगत भानीराम बेनीवाल का रविवार को निधन होने पर ग्रामीणों ने शोक जताया। सतीश डूडी ने बताया कि 65 वर्षीय भक्त भानीराम बेनीवाल रविवार को सांसारिक जीवन यात्रा पूर्ण कर देवलोक गमन कर गए।बता दें की भानीराम बेनीवाल जाहर पीर गोगा जी महाराज के परम भक्त थे। उनका अंतिम संस्कार ग्राम की गोगामेडी ढाणी में किया गया। जीवन पर्यंत उन्होंने प्रभु सेवा में जीवन व्यतीत किया। सैकड़ो ग्रामीणों एवं श्रद्धालुओं की मौजूदगी में उनका गोगा जी महाराज के भजनों का गुणगान कर अंतिम संस्कार किया गया। वे 2एनएसडब्ल्यू (दोलतावाली) के निवासी थे।

नगरवासियों के लिए मेले सहित सर्कस की सौगात

तेज. रिपोर्टर | हनुमानगढ़

टाउन जंक्शन रोड के सामने मेगा ट्रेड फेयर चल रहा है। मेला आयोजक गोविंद सिंह ने बताया कि एक ही छत के नीचे शहरवासी लेटेस्ट प्रोडक्ट के साथ खरीददारी और मनोरंजन का लुत्फ उठा रहे है। मेला आयोजक गोविंद सिंह ने बताया कि मेले में महिलाएं घरेलू सामान तथा सौंदर्य प्रसाधन की सामग्री खरीद रही हैं। रेडीमेड कपड़ों तथा आर्टिफिशियल सामान की दुकानों पर भी भीड़ है। खिलौने रेडीमेड गारमेंट, फिरोजाबाद की चूड़ियां ,ज्वैलरी, सहारनपुर का फर्नीचर, हैंडीक्राफ्ट के समान, क्रॉकरी के समान, मुंबई के लेडिज व जेंट्स पर्स आदि एक ही छत के नीचे उपलब्ध हैं।आयुर्वेद दवाइयां, सौंदर्य प्रसाधन सामग्री, घरेलू सामान, फर्नीचर, पुस्तकें भी उपलब्ध हैं। बच्चे चाट पकौड़ी, नसीराबाद का कचोरा, आइसक्रीम,भेलपुरी, खाने के साथ ही मेले में लगे झूले,चकरी सहित अन्य मनोरंजन के साधनों का लुत्फ उठा रहे हैं। साथ ही सकर्स का भी आयोजन 10 जून से शहरवासियों के लिए किया गया है। सकर्स करीब एक माह तक चलेगी। सकर्स में आकर्षण का केंद्र मौत का कुंआ है।

रक्तकोष फाउंडेशन जिला शाखा का रक्तदान के क्षेत्र में हुआ राज्य स्तर पर सम्मान

तेज. रिपोर्टर | पीलीबंगा

रक्तकोष फाउंडेशन जिला शाखा का रविवार को राज्य स्तर पर सम्मान हुआ। जयपुर के दुर्गापुरा में आयोजित इस राज्य के रक्तदान अधिवेशन एवं सम्मान समारोह मैं जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट प्रकाश राजपुरोहित रक्ष फाउंडेशन के संस्थापक एवं संरक्षक डॉ जितेंद्र कुमार सोनी सहित मौजूद अतिथियों ने पीलीबंगा, हनुमानगढ़ सहित समस्त जिले में किसी भी जरूरतमंद व्यक्ति को चंद ही मिनट में मौके पर पहुंच कर निःशुल्क रक्त उपलब्ध करवाने वाली फाउंडेशन की जिला टीम को स्मृति चिन्ह एवम प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर फाउंडेशन जिलाध्यक्ष अजय गिरधर (पीलीबंगा), उपाध्यक्ष प्रमोद राजपुरोहित, अनिल मूंढ, पवन कालिरामन आदि मौजूद रहे। टीम ने यह सम्मान सभी रक्त वीरो को समर्पित कर भविष्य में भी इसी प्रकार सेवा कार्य करने का भरोसा दिलाया। बता दे कि रक्त कोष फाउंडेशन में हनुमानगढ़ जिले की यह शाखा राज्य में तीसरे स्थान पर रही है।

रेलमंत्री ने लगाई मुहर, सांगानेर-अजमेर-पाली स्टेशन में दिखेगी संस्कृति, विरासत और विकास की झलक

जयपुर। री-डवलपमेंट के बाद सांगानेर, अजमेर और पाली स्टेशन में विकास के साथ-साथ संस्कृति और विरासत की झलक देखने को मिलेगी। साथ ही यह तीनों स्टेशन पर्यटक, आर्थिक और व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा देने में भी बेहद मददगार साबित होंगे। खास बात है कि जल्द ही इन स्टेशन पर री-डपलपमेंट कार्य भी शुरू हो जाएगा। कारण कि रविवार को रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने समीक्षा बैठक में तीनों स्टेशन के री-डवलपमेंट प्लान को मंजूरी दे दी है। वीडियो कांफ्रेंस के जरिए बैठक में रेलमंत्री जुड़े थे। उन्होंने सांगानेर स्टेशन पर चर्चा करते हुए कहा कि इस स्टेशन को भी गांधीनगर, जयपुर जंक्शन की भांति विश्वस्तरीय बनाया जाए। री डवलपमेंट के बाद यह पर्यटक, आर्थिक और व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ाने में भी उपयोगी साबित होगा। रेलमंत्री ने अजमेर स्टेशन को लेकर कहा कि स्टेशन के वर्तमान मूल स्वरुप के अनुसार ही डिजाइन कार्य किया जाएं। स्टेशन के बरामदे को और वृहद बनाने की जरुरत। उन्होंने कहा कि अजमेर राजस्थान का प्रमुख पर्यटन और धार्मिक स्थल है। ऐसे में वहां रेल सुविधाओं को व्यापक स्तर पर विकसित किया जाना चाहिए। वहीं, रेलमंत्री वैष्णव ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि, पाली मारवाड़ स्टेशन के री-डवलपमेंट में व्यापारिक दृष्टिकोष पर फोकस रहे। क्योंकि पाली व्यापारिक गतिविधियों में अहम स्थान रखता है। इस समीक्षा बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंस में उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अमिताभ के अलावा रेलवे, निर्माण विभाग के अधिकारी, संबंधित मंडल रेल प्रबंधक समेत कई अधिकारी शामिल हुए थे।

600 करोड़ रुपए में बदलेगी सूरत: रेलवे अधिकारियों के अनुसार तीनों स्टेशनों को अत्याधुनिक बनाया जा रहा है। इसका खाका तैयार किया जा चुका है। जिस पर रेलमंत्री ने भी मुहर लगा दी है। रेलवे बोर्ड से कार्यों की स्वीकृति मिलते ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। बताया जा रहा है कि तीनों स्टेशन पर करीब 60 करोड़ रुपए से ज्यादा राशि खर्च होगी। इन्हें सिटी सेंटर की तर्ज पर विकसित किया जाएगा।

संत निरंकारी सत्संग भवन में संत समागम का आयोजन

तेज. रिपोर्टर | पीलीबंगा

सत्संग से जीवन और व्यवहार में भक्ति की गंगा, कर्म की यमुना और ज्ञान की सरस्वती का प्रवाह संभव होता है। इनके संगम के प्रभाव में हमारे विचार पक्ष का प्रयोग जब जीवन मे होता है तब हमे सुकून दुखों की पूर्णता का आभास होता है। ये विचार संत निरंकारी सत्संग भवन में संत महापुरुष धर्मपाल टक्कर ने व्यक्त किए। ब्लॉक मीडिया सह प्रभारी प्रशांत आहूजा ने बताया कि सद्गुरु माता सुदीक्षा महाराज की कृपा से आयोजित इस सत्संग में संत निरंकारी मंडल के जोनल इंचार्ज धर्मपाल टक्कर ने कहा कि सब लोग हमसे श्रेष्ठ हैं, यही सत्संग का फल है, विचार, भावना तथा कर्म तीनों का संगम ही व्यक्ति को विराट समुद्र बनाता है। तब समाज कल्याण की भावना के बादल आकर समुद्र के जल को मीठा कर उसका वितरण समाज में करते हैं। मौजूदा समय में इसी सूक्ष्म सूत्र को समझने के लिए सत्संग की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि चित्त में स्मृति का गुण बुद्धि विषयक, प्रियता का गुण मन विषयक और अपने वैशिष्ट्य के प्रति श्रेष्ठता का भाव ही अहंकार है। चित्त में भगवत्स्मृति शेष रहे, शेष सब विस्मृत हो जाए, यह स्थिति कृपा विषयक है। योग से चित्त को निरुद्ध तो किया जा सकता है, पर साधना और प्रयास से उसे संभाले रहना होगा। तब प्रयास में कर्तृत्व वृत्ति से बच पाना कठिन है, पर वही सिद्धि जब कृपा से प्राप्त होती है, तब साधक सिद्धि के सत्व, रज और तम फल को तिनके के समान तोड़कर छोड़ देता है। टक्कर ने फरमाया कि मैं कुछ करने वाला नहीं हूं, जो मिला है वह प्रभु कृपा से प्राप्त है, इसलिए प्रभु की इच्छा को ही सर्वोपरि माना जीवन का आधार है। भक्त के जीवन में यश, कीर्ति और मान सम्मान की लालसा नहीं होती, सत्संग मन की खुराक है। सत्संग के बिना मन में कमजोरी आ जाती है, इसलिए आत्म शक्ति के लिये सत्संग जरूरी है। सांसारिक रूपी माया में इंसान डूबा रहता है, फिर भी सत्संग करने से इंसान के मन पर माया हावी नहीं होती। वही संत के मन में प्यार होता है और संत हमेशा प्यार ही बांटता रहता है और जीव के ब्रह्मज्ञान लेने के बाद माया का पर्दा उठ जाता है।संत समागम में सरोज (मुक्तसर), साधुराम ब्लॉक मुखी डॉ. इंद्रजीत आहूजा, सीमा गिरधर आदि ने भी विचार व्यक्त कि। मंच संचालन वेद प्रकाश गिरधर ने किया। सत्संग में अहमदपुरा,40 एनडीआर, डींगवाला, अमरपुरा राठान, कमाना आदि क्षेत्र की साध संगत ने भी भाग लिया। मुखी ब्रांच डा.इंद्रजीत आहूजा ने संत समागम में पहुंचे सभी सन्तों का आभार व्यक्त किया।

पुलिस टीमों ने आमजन को नशे के खिलाफ जागरूक किया

तेज. ऐलनाबाद | रमेश भार्गव

पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण के दिशा निर्देशानुसार जिला भर में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष पखवाड़े के तहत जिला पुलिस की विभित्र टीमों ने ऐलनाबाद, सिरसा, बड़ागुड़ा तथा रोड़ो क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर आम जन तथा युवाओं को नशे के खिलाफ जागरूक किया। चतरगढ़ पट्टी क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे डीएसपी सुभाष चंद्र ने आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि नशा समाज के लिए गंभीर चुनौती है और इस चुनौती से निपटने के लिए समाज के सभी लोगों को आगे आकर सामूहिक प्रयास करना होगा ताकि समाज को पूरी तरह से नशा मुक्त किया जा सके। उन्होंने इस अवसर पर उपस्थित युवाओं से कहा कि वे नशे से दूर रहकर शिक्षा तथा खेलकूद की गतिविधियों में अपनी बेहतर प्रतिभा का प्रदर्शन कर अपने मां बाप तथा इलाके का नाम रोशन करें। बड़ागुड़ा थाना क्षेत्र के गांव फतेहपुरिया नियामत खां में आयोजित कार्यक्रम में बड़ागुड़ा थाना प्रभारी इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने उपस्थित आम जन से आह्वान किया कि नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बढ़ चढ़कर पुलिस प्रशासन का सहयोग करें ताकि नशे जैसी बुराई को जड़ मूल से समाप्त किया जा सके। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण के नेतृत्व में जिला पुलिस द्वारा नशा का कारोबार करने वालों के खिलाफ शिकंजा कसा जा रहा है वहीं आमजन को नशा जैसी सामाजिक बुराई के खिलाफ जागरूक भी किया जा रहा है। एंटी नारकोटिक्स सेल प्रभारी सब इंस्पेक्टर अजय कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सिरसा की जेजे कॉलोनी सहित कई क्षेत्रों में जाकर लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक किया तथा नशा बेचने वालों के बारे में निसंकोच होकर सूचना देने का आह्वान किया। इस अवसर पर एंटी नारकोटिक्स सेल प्रभारी सब इंस्पेक्टर अजय कुमार ने उपस्थित लोगों से कहा कि जिला पुलिस नशा तस्करों के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है, परंतु इस अभियान में समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपनी अहम जिम्मेदारी निभाए ताकि समाज को पूरी तरह से नशा मुक्त किया जा सके। ऐलनाबाद शहर के पंचमुखी चौक तथा नोहर रोड पर पहुंचे थाना प्रभारी सब इंस्पेक्टर संदीप कुमार ने उपस्थित लोगों से कहा कि जिला पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में पूर्ण सहयोग करें ताकि इस अभियान को सफलता के शिखर तक ले जाया जा सके। इसी मुहिम के तहत शहर थाना सिरसा तथा सिविल लाइन थाना की पुलिस टीमों ने जे जे कॉलोनी बस स्टैंड तथा कीर्ति नगर क्षेत्र में कार्यक्रमों का आयोजन कर आमजन तथा युवाओं को नशे के खिलाफ जागरूक किया तथा नशा बेचने वालों के बारे में सूचित करने को कहा।

गंगानगर कला मंच की काव्य गोष्ठी में कवियों ने पिता की महिमा का किया वर्णन

» फादर्स डे को समर्पित काव्य गोष्ठी सफलतापूर्वक सम्पन्न

तेज | रिपोर्टर श्रीगंगानगर

गंगानगर कला मंच की मासिक काव्य गोष्ठी रविवार सुबह अरोड़वंश पब्लिक स्कूल में आयोजित की गई। फादर्स डे को समर्पित इस काव्य गोष्ठी के मुख्य अतिथि समाजसेवी विजयकुमार गोयल तथा विशिष्ट अतिथि इंजी. बलजीत सिंह राणा व माँ पब्लिकेशन निदेशक राजकुमार जैन थे तथा अध्यक्षता मंच अध्यक्ष मनीराम सेतिया ने की। सर्वप्रथम अतिथियों ने माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित किए। काव्य गोष्ठी की शुरुआत करते हुए ज्योति बसु ने 'पिता आप संघर्ष हो...' कविता प्रस्तुत की। राजकुमार सिंगल ने 'मैं जा रहा था जिस डगर पर...' गीत प्रस्तुत किया। जोगा भागसरिया ने कविता 'दर्द का हर दिन इजाफा हो रहा है...', रमन अटवाल ने कविता 'पढने् वालों से तो बराबरी नहीं होती..', डॉ. कृष्ण कुमार 'आशु' ने कविता 'आंधी हो तूफान हो...' व डॉ. संदेश त्यागी ने गजल 'हो इधर रास्ता या उधर रास्ता...' सुनाकर खूब तालियां बटोरी। इसी कड़ी में सुरेश कनवाडिया ने गजल 'अन्धेरे मिटाओ सवेरे-सवेरे...', मनोज सैन ने गजल 'बहुत मुश्किल है पिता सा होना...', सतपाल जोईया ने 'ये जहां किस के बस रहता है...' प्रस्तुत कर पिता की महिमा का वर्णन किया। कुसुम शर्मा ने 'राम आयेंगे...' भजन द्वारा सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। सुरजन सिंह 'रंगीला' ने पिता पर पंजाबी गीत पेश किया। अरूण उर्वेश ने पिता की महिमा पर आधारित कविता 'नादान लडक़ा...', महासचिव ऋतु सिंह ने गजल 'क्यों सवालों की दुनिया में खोते रहे...', ओमा राम ने कविता 'जिनके लाड-प्यार से पला-बढ़ा...', वीरेन्द्र खुराना ने कविता 'तेरी रहमत के सब किस्से सुने सुनाये हैं...', महेश गहलोत ने पिता का गुणगान करते हुए राजस्थान कविता सुनाकर अदभुत समां बांधा। मदन अरोड़ा ने मंच संचालन करते हुए 'बीत रहे हैं क्षण और पल...' कविता प्रस्तुत की। इंजी. बलजीत सिंह राणा तथा राजकुमार जैन ने फादर्स डे के महत्व पर प्रकाश डाला। विजय कुमार गोयल ने सभी साहित्यकारों की रचनाओं की मुक्तकंठ से सराहना की तथा माता-पिता व गुरु का सदैव सम्मान करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में रामचंद्र गडई व हरइकबाल सिंह ने कविता पाठ किया। मनीराम सेतिया ने 'पिता के बिना सुना घर बार है...' गीत पेश किया तथा सफल आयोजन के लिए गंगानगर कला मंच के समस्त पदाधिकारियों, सदस्यों, साहित्यकारों व साहित्य प्रेमियों का आभार व्यक्त किया।

संघर्ष को तेज करने का आह्वान

» एफसीआई लेबर एण्ड पल्लेदार मजदूर यूनियन सीटू का सम्मेलन सम्पन्न

तेज | रिपोर्टर हनुमानगढ़

एफसीआई लेबर एण्ड पल्लेदार मजदूर यूनियन सीटू का 19वां सम्मेलन रविवार को टाउन के जनशक्ति भवन में सम्पन्न हुआ। सीटू जिलाध्यक्ष आत्मासिंह ने झण्डारोहण कर सम्मेलन की शुरुआत की। सम्मेलन को संबोधित करते हुए सीटू के वरिष्ठ नेता रामेश्वर वर्मा ने कहा कि सीटू ने देश में मजदूरों की एकता बनाते हुए, देश में मजदूरों के शोषण के खिलाफ आंदोलन को मजबूत करते हुए, मजदूरों के हकों को दिलवाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि केन्द्र व राज्य की भाजपा सरकार श्रम कानूनों में मजदूर विरोधी संशोधन कर मजदूरों पर बड़ा हमला कर रही है। लगातार बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी के चलते आम जनता त्रस्त है। आज जरूरत है कि देशभर के मजदूर एकता बनाते हुए अपने संघर्षों को और तेज करें। बैठक में सर्वसम्मति से 11 सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया। इसमें आत्मासिंह को अध्यक्ष, श्रीचंद को सचिव, मेजर सिंह व साथीराम को उपाध्यक्ष, छिन्द्रसिंह को कोषाध्यक्ष, मलकीत सिंह, लाल मोहन, शमशेर अली, शविन्द्र सिंह, अजीत साहु, किशनराम को कमेटी सदस्य चुना गया। सम्मेलन का संचालन बहादुर सिंह चौहान ने किया। इस मौके पर बसंत सिंह, गुरप्रेम सिंह, शोपतराम आदि मौजूद रहे।

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

तेज रिपोर्टर. हनुमानगढ़। गुरुद्वारा शहीद बाबा सुखा सिंह मेहताब सिंह में रविवार को निशुल्क हड्डी रोग जांच व लाल पथ लैब टाउन के सहयोग से निशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में रमेश मुटनेजा ने बताया कि मेट्रो मास हॉस्पिटल जयपुर के अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉक्टर हिमांशु खीचड़ द्वारा लगभग 95 मरीजों की निशुल्क जांच कर परामर्श दिया गया व लाल पथ लैब के गौरव जग्गा व पवन कूकना द्वारा हड्डियों में कैल्शियम की जाँच बीएमडी भी निशुल्क की गई। शिविर को सफल बनाने में स्वामी विवेकानंद बीएससी नर्सिंग कॉलेज शेरगढ़ के विद्यार्थियों का भी योगदान रहा। इस मौके पर बाबा जग्गा सिंह ने बताया कि गुरुद्वारा साहिब में समय-समय पर इस तरह के निशुल्क चिकित्सा एवं जांच शिविरों का आयोजन किया जाता है। इस मौके पर संदीप मिश्रा, कमल शर्मा, भोला सिंह, अमन, सुखबीर सिंह, बलराम, कमल सैनी, सांवरमल, विनिता, अनीता, मनीता आदि ने भी शिविर में सहयोग किया। इस मौके पर गर्मी को देखते हुए मीठे जल की छबील भी लगाई गई।

प्रह्लाद झोरड़ा को मिला राजस्थानी बाल साहित्य अवार्ड

बीकानेर। साहित्य अकादेमी नई दिल्ली ने विभिन्न भाषाओं में साहित्य के अवार्ड घोषित कर दिये हैं। जल्द ही दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में ये अवार्ड दिए जाएंगे। हर साल ये अवार्ड साहित्य अकादेमी की ओर से दिए जाते हैं। बीकानेर की राजस्थानी युवा कवयित्री, चित्रकार सोनाली सुथार को साहित्य अकादमी, नई दिल्ली का इस वर्ष का युवा साहित्य पुरस्कार घोषित हुआ है। वहीं नागौर के प्रहलाद सिंह 'झोरड़ा' को अकादमी का बाल साहित्य पुरस्कार मिला है। साहित्य अकादमी, नई दिल्ली ने आज पुरस्कार घोषित किये हैं। सोनाली सुथार को उनकी काव्य कृति 'सुध सोधूं जग आँगणे' पर ये पुरस्कार मिला है। सोनाली सुथार सुविख्यात वास्तुविद आर के सुथार की सुपुत्री है। सोनाली चित्रकार भी हैं। प्रहलाद सिंह को ये पुरस्कार उनकी बाल काव्य कृति 'म्हारी ढाणी' पर दिया गया है। प्रहलाद राजस्थानी के विख्यात कवि कानदान कल्पित के परिवार से है। बीकानेर के साहित्यकारों ने सोनाली सुथार व प्रहलाद झोरड़ा को पुरस्कार मिलने पर को बधाई दी है। राजस्थानी कवि प्रहलाद सिंह झोरड़ा मूल रूप से नागौर के रहने वाले हैं। उनके काव्य संग्रह ÷म्हारी ढाणी÷ में उन्होंने ग्रामीण परिवेश का चित्रण किया है। वहीं पशु-पक्षी की पीड़ा को भी बताने का प्रयास किया है। राजस्थानी भाषा साहित्य को आगे बढ़ाने की दृष्टि से प्रहलाद की कविताओं को महत्वपूर्ण माना गया है।

करणी सिंह राठौड़ सर्वोत्तम सेवा चिन्ह से सम्मानित

नोहर। गोगामेड़ी थाने के हेड कांस्टेबल करणीसिंह राठौड़ को सर्वोत्तम सेवा चिन्ह से सम्मानित किया गया है। बीकानेर में पुलिस स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में पुलिस महानिरीक्षक ओमप्रकाश पासवान ने हेड कांस्टेबल करणीसिंह राठौड़ को उक्त सम्मान दिया। पुलिस थाना गोगामेड़ी में पदस्थापित हेड कांस्टेबल एवं थाना एचएम करणी सिंह राठौड़ को रिजर्व पुलिस लाईन बीकानेर में रेंज स्तरीय पुलिस स्थापना दिवस समारोह बीकानेर में उनके द्वारा कर्तव्य,निष्ठा एवं पच्चीस वर्ष की सराहनीय सेवा के लिये पुलिस महानिरीक्षक ओमप्रकाश पासवान ने सर्वोत्तम सेवा चिन्ह सम्मान पत्र भेंट करते हुए उनके कार्यों की सराहना की। रेंज स्तरीय समारोह में पुलिस महानिरीक्षक ने पुलिसकर्मियों की कर्तव्यनिष्ठा एवं सराहनीय उत्तम सेवा के लिए पीठ थपथपाकर उनकी हौसला अफजाई की। करणी सिंह राठौड़ को रेंज स्तर पर सर्वोत्तम सेवा चिन्ह से सम्मानित होने पर गोगामेड़ी थानाधिकारी अजय कुमार सहित समस्त स्टाफ ने खुशी जताते हुए उन्हें बधाई दी।

मनुष्य को अहंकार से दूर रहना चाहिए

नोहर। ईश्वर की भक्ति करने से पहले ईश्वर को जानना जरूरी है। सेवा सिमरण सत्संग का उपदेश देता है। सेवा सिमरण सत्संग से भक्ति का आधार बनता है। सकारात्मक सोच व विवेक मिलता है। मन भक्ति में लगने लगता है। ये विचार रविवार को यहां साहवा रोड़ स्थित निरंकारी सत्संग भवन में हुए प्रवचन कार्यक्रम के दौरान महात्मा श्रवण निरंकारी ने कहे। उन्होंने कहा कि मनुष्य को अंहकार से दूर रहना चाहिये। अंहकार के कारण ही रावण, दुर्योधन व कंस विनाश को प्राप्त हुये। पंजाब से आये महात्मा बलदेव सिंह ने ब्रहमज्ञान को ऊंची अवस्था बताया। उन्होंने कहा कि अमृतकाल में किया हुआ सिमरन जाप सुख देता है।

किया सम्मानित, निकाली संकल्प यात्रा

» बोर्ड परीक्षाओं में उच्च अंक हासिल करने वाले विद्यार्थियों का किया सम्मान

तेज | रिपोर्टर हनुमानगढ़

जंक्शन के सेक्टर नम्बर 12 स्थित सरस्वती बाल निकेतन सीनियर सेकेंडरी स्कूल का बोर्ड परीक्षा का परिणाम शत प्रतिशत रहने के उपलक्ष्य में रविवार को सर्वाधिक अंक हासिल करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इसके बाद शहर में संकल्प यात्रा सफलता की उड़ान-2024 निकाली गई। सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि नगर परिषद सभापति सुमित रणवां एवं विशिष्ट अतिथि पार्षद मंजू रणवां, शिक्षाविद ममता कौशिक, एडवोकेट विनोद डूडी थे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र समक्ष दीप प्रज्वलित कर की। संस्था निदेशक भारत भूषण कौशिक ने बताया कि कार्यक्रम में 95 प्रतिशत अंक हासिल करने वाली छात्रा प्रतिमा व पल्लवी सहित उच्च अंक प्राप्त करने वाले अन्य होनहार विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रतिमा ने गणित विषय में 100 में से 100 एवं पल्लवी ने हिंदी विषय में 100 में से 100 अंक प्राप्त किए। इसी तरह पिंकी ने 92 प्रतिशत, योगिता स्वामी ने 91 प्रतिशत, रितु ने 88 प्रतिशत, ज्योतिका ने 87 प्रतिशत, रिद्धिमा डूडी ने 87 प्रतिशत (इंग्लिश मीडियम), ज्योति शर्मा ने 86 प्रतिशत, श्रेया ने 84 प्रतिशत, करण ने 82 प्रतिशत, विशु ने 79 प्रतिशत, गौरव ने 75 प्रतिशत अंक हासिल कर विद्यालय एवं माता-पिता का नाम रोशन किया। मुख्य अतिथि सुमित रणवां ने सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कठिन मेहनत के साथ अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर अंजलि कौशिक, राजवीर, कोमल रानी, नीलम शर्मा, मनदीप कौर, सन्नी सोनी, दीपक, कपिल, अनिल कंडा आदि मौजूद रहे।

यूथ वीरांगनाओं ने शुरू किया ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण

» जरूरतमंद परिवारों की महिलाओं को रोजगार से जोड़ने का मकसद

तेज | रिपोर्टर हनुमानगढ़

यूथ वीरांगनाओं की ओर से जरूरतमंद परिवारों की महिलाओं को रोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से टाउन के प्रेमनगर में ब्यूटी प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। अनुभवी प्रशिक्षक अनु रानी की ओर से महिलाओं को ब्यूटी पार्लर का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के पहले दिन प्रशिक्षका अनु रानी ने महिलाओं को ब्यूटी से संबंधित बुनियादी ज्ञान दिया। यूथ वीरांगना मीनाक्षी ने बताया कि प्रशिक्षण में महिलाओं को ब्यूटी पार्लर से संबंधित हर महत्वपूर्ण जानकारी व फेशियल से लेकर नेल आर्ट तक का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आज के महंगाई के दौर में परिवार चलाना बहुत ही मुश्किल है। इसलिए जरूरतमंद परिवारों की महिलाओं व युवतियों को अपने पैरों पर खड़ा कर सशक्त बनाने के उद्देश्य से नि:शुल्क ब्यूटी प्रशिक्षण शुरू किया गया है। इस मौके पर रजनी, इशाना, रीमा, शिमला सहित कई अन्य यूथ वीरांगनाएं मौजूद थीं।

शादी के 20 दिन बाद लाखों के जेवर लेकर फरार हुई लुटेरी दुल्हन और उसका साथी गिरफ्तार

चूरू। जिले की रतनगढ़ पुलिस ने शादी के 20 दिन बाद फरार हुई लुटेरी दुल्हन और उसके एक साथी को गिरफ्तार किया है। लुटेरी दुल्हन शादी के 20 दिन बाद ही लाखों की चपत लगाकर फरार हो गई थी। लुटेरी दुल्हन इससे पहले भी इस तरह की तीन घटनाएं अंजाम दे चुकी है। इसके अलावा दो लूट की घटनाएं भी घटित कर चुकी है। लुटेरी दुल्हन की यह छठी शादी है। रतनगढ़ थानाधिकारी दिलीप सिंह ने बताया- रतनगढ़ तहसील के गांव ठठावता निवासी भादर सिंह ने मामला दर्ज कराया था। रिपोर्ट में बताया- 8 अप्रैल को बीकानेर के लूणकरणसर निवासी वीरपाल उर्फ अंजू (32) के साथ उसकी शादी हुई थी। यह शादी राजगढ़ के गांव रावतसर कुंजला निवासी महेंद्रसिंह जाट ने करवाई थी। महेंद्रसिंह के कहने पर वह और उसका बहनोई श्यामसिंह लूणकरणसर के गांव राजपुरिया निवासी प्रेम सिंह के घर पर गए थे। जहां पर प्रेम सिंह ने कहा- उसके साले की बेटी है, जो शादी योग्य है। उसका पालन पोषण उसके द्वारा ही किया जा रहा है। जब लड़की को देखा, तो उसके साथ एक और लड़की थी, जिसका परिचय इन लोगों द्वारा मनु भाटी के रूप में करवाया और बताया कि यह वीरपाल उर्फ अंजू की दोस्त है। इस दौरान सब कुछ फाइनल हो गया। शादी के लिए इन लोगों ने ढाई लाख रुपए नकद लिए। इसके बाद कोर्ट में शादी संपन्न हुई। शादी के बाद दुल्हन की सास ने उसे विभिन्न प्रकार के सोने व चांदी के आभूषण दिए और गांव ठठावत ले आए। शादी के 20 दिन बाद मनु भाटी और अन्य लोग आए और रात्रि में वीरपाल को भगाकर ले गए। जाते समय वीरपाल अपने साथ लाखों रुपए के आभूषण और नकदी रुपए भी लेकर चली गई। अगले दिन भादरसिंह ने सुबह उठकर देखा, तो वीरपाल नहीं मिली। जिसके बाद रतनगढ़ पुलिस में मामला दर्ज करवाया गया। जिस पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लूटेरी दुल्हन वीरपाल उर्फ अंजू को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं उसके साथी प्रेमसिंह को भी गिरफ्तार कर लिया। थानाधिकारी दिलीप सिंह ने बताया कि वीरपाल उर्फ अंजू व प्रेमसिंह को पहले थाने में पूछताछ के लिए बुलाया गया था। पूछताछ के बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है। लुटेरी दुल्हन की यह छठी शादी है।

ताला तोड़कर दुकान से सामान चोरी

श्रीगंगानगर। नई धानमंडी एरिया में एक दुकान का ताला तोड़कर किराने का सामान चोरी हो गया। मालिक को सुबह दुकान पहुंचने पर वारदात का पता लगा। इस पर कोतवाली थाने में मामला दर्ज करवाया गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। इस संबंध में शनिवार रात कोतवाली थाने में मामला दर्ज किया गया। इसमें नई धानमंडी के अभिमन्यु पुत्र महावीर प्रसाद ने बताया कि वह शुक्रवार रात दुकान बंद करके घर गया था। शनिवार अलसुबह करीब 3 बजे के आसपास अज्ञात चोरों ने दुकान के ताले तोड़ दिए। चोरों ने दुकान से 12 लीटर देसी घी, 10 किलो सर्फ और बैग चावल चुरा लिए।

मुस्कुराते हुए करें हर परिस्थिति का सामना

» फादर्स डे के उपलक्ष्य में संगीत गोष्ठी का आयोजन

तेज | रिपोर्टर हनुमानगढ़

जंक्शन के हंसवाहिनी संगीत कला मंदिर में रविवार को फादर्स डे के उपलक्ष्य में संगीत गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रयान कॉलेज फॉर हायर एजुकेशन के प्राचार्य डॉ. संतोष राजपुरोहित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना से किया गया। संगीत गोष्ठी में वंदना एंड ग्रुप ने पापा कहते हैं, आरवी एंड ग्रुप ने चंदा ने पूछा तारों से, हितैषी एंड ग्रुप ने पापा जल्दी आ जाना, गुंजन एंड ग्रुप ने हरी हरी वसुंधरा, सांख्यिकी एंड यशवी ग्रुप ने जीत जाएंगे हम, नक्ष एंड ग्रुप ने देश रंगीला रंगीला, देवांशी एंड ग्रुप ने मेरे भारत की बेटी, मिशिता एंड ग्रुप ने जय जयकारा, निशा एंड ग्रुप ने सुरमेदानी आदि गीत प्रस्तुत किए। ऐश्वर्या एंड ग्रुप ने मेरे प्यारे प्यारे पापा कविता प्रस्तुत की। कार्यक्रम के दौरान बच्चों की तीन राउंड में अंताक्षरी प्रतियोगिता भी करवाई गई। मुख्य अतिथि डॉ. संतोष राजपुरोहित ने कहा कि हमें हर परिस्थिति का सामना मुस्कुराते हुए करना चाहिए। संगीत का निरंतर अभ्यास करना चाहिए जिससे दिली सुकून मिलता है। आरके शर्मा ने तुझे सूरज कहूं या चंदा गीत गाने के साथ मंच संचालन भी किया। तबले पर संगत नवकार, विपिन, गिटार पर काव्या सिंह, केहोन पर मानसी, लक्ष्य फुलिया, ड्रम पर लक्ष्य अरोड़ा, कोंगो पर जतिन व ढोलक पर मुजाइद ने संगत की। इस मौके पर संस्था अध्यक्ष गुलशन अरोड़ा, ममता अरोड़ा आदि मौजूद रहे।

विभिनन समस्याओं को लेकर पालिकाध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

तेज | रिपोर्टर नोहर

पालिकाध्यक्ष मोनिका खटोतिया ने राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र भेजकर विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया है। पत्र में आगामी बजट में इन समस्याओं के समाधान के लिये घोषणा करने की मांग की है। पालिकाध्यक्ष मोनिका खटोतिया ने मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में जयपुर-साहवा सडक़ से बडबिराना सडक़, बडबिराना सड़क से हिसार-भादरा सडक़ तक 6 किलोमीटर रिंग रोड़ बनाने के लिये बजट आवंटित करने की मांग की है। पत्र में बताया गया है कि कस्बे में आये दिन बढ़ते आवागमन के कारण जाम कि स्थिति बनी रहती है। जिससे दुर्घटनाए होने की भी संभावनाए रहती है। अगर जयपुर-साहवा रोड़ से बडबिराना रोड़ होते हुये भादरा-हिसार तक 6 किलोमीटर रिंग रोड़ का निर्माण होता है तो शहर में आवागमन का भार कम होगा। साथ ही आमजन को आवागमन में सुविधा होगी व समय की बचत होगी। पत्र में इस संबंध में आगामी बजट में रिंग रोड़ बनाने के लिये बजट आवंटित करने की पूरजौर मांग कि गई है। इसके अलावा पत्र में कस्बे के प्राचीन जोहड़ के सौन्दर्यकरण, पानी निकासी व सीवरेज के लिये बजट स्वीकृत करने की मांग की है। पत्र में बताया गया है कि कस्बे का प्राचीन जोहड़ वर्तमान में जीर्ण-शीर्ण हालत में है। इसके लिये बजट में घोषणा होने पर यह पर्यटन स्थल बन सकता है। पत्र में पानी निकासी व सीवरेज के लिये भी बजट आवंटित करने की मांग कि गई है।

इसके अलावा पालिकाध्यक्ष ने पत्र में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिये महिलाओं के रोजगार कांउसलिंग सेंटर के लिये बजट आवंटन करने की मांग की है। पत्र में बताया गया है कि सरकार अगर इस संबंध में बजट आवंटित करती है तो नगरपालिका निःशुल्क भूमि उपलब्ध करवायेगी। यह केन्द्र शुरू होने से महिला सशक्तिकरण के लिये वरदान साबित होगा।

थानों का 18 को करेंगे घेराव: माकपा ने दिया समर्थन

» ड्राइवर-खलासी से मारपीट मामले में धरना जारी

तेज रिपोर्टर. श्रीगंगानगर। जिले के सादुलशहर में पतली चैक पोस्ट पर पुलिस के कथित रूप से ड्राइवर-खलासी से रिश्वत मांगने और मारपीट मामले में रविवार को भी माकपा के बैनर तले थाने पर श्रमिकों का धरना जारी रहा। धरना स्थल पर श्रमिक संगठनों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ रोष जताया। वहीं इस मामले में शीघ्र कार्रवाई नहीं होने पर माकपा ने मंगलवार को जिले के सभी थानों पर विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है। संगठन सदस्यों का कहना है कि मजदूर वर्ग के साथ इस तरह से अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। माकपा के जिला सचिव श्योपत मेघवाल ने बताया कि संगठन सादुलशहर में खलासी और ड्राइवर से पुलिस के कथित रूप से रिश्वत की मांग करने और मारपीट के मामले में पीड़ित के साथ है। पुलिस प्रशासन इस मामले का सोमवार तक हल नहीं निकालता है तो मंगलवार को जिले के सभी थानों पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

खलासी का आरोप- पुलिस ने पीटा

हनुमानगढ़ जिले की नवां तहसील के गुलबाज हुसैन पुत्र मोहम्मद नजर ने सादुलशहर पुलिस थाने में शिकायत दी। इसमे आरोप लगाया कि वह ट्रक में खलासी के तौर पर काम करता है। 13 जून को रात करीब साढ़े 9 बजे वह ट्रक ड्राइवर इंसाफ अली के साथ गुजरात के जामनगर से कोयला भरकर जम्मू जा रहा था। इसी दौरान सादुलशहर थाना क्षेत्र के पतली चैक पोस्ट पर एंट्री के दौरान पुलिसकर्मी रामभक्त ने उससे एंट्री की एवज में रिश्वत के 500 रुपए मांगे। जब उसने मना किया और पुलिसकर्मी की बातचीत का वीडियो बनाने लगा तो पुलिसकर्मी तैश में आ गया। पुलिसकर्मी ने उसे ट्रक से उतारकर मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद उसे चौकी ले जाकर पीटा। ट्रक ड्राइवर इंसाफ अली से भी मारपीट की गई। शनिवार को पुलिस के उच्च अधिकारियों ने मजदूरों से वार्ता भी की, लेकिन यह विफल रही। पुलिस अधिकारी चौकी इंचार्ज रामभक्त को हटाने पर सहमत हुए, जबकि प्रदर्शनकारी कई अन्य पुलिसकर्मियों को भी हटाने की मांग कर रहे हैं। ऐसे में वार्ता विफल रही।

रवि तेजा की मिस्टर बच्चन की शूटिंग हुई पूरी! मेकर्स जल्द कर सकते हैं रिलीज डेट का खुलासा

रवि तेजा तेलुगु सिनेमा के मशहूर अभिनेता हैं। वह अपनी एक्शन कॉमेडी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। इस वजह से उनके फैंस ने उन्हें मास महाराजा की उपाधि दी है। रवि तेजा आखिरी बार पर्दे पर इस साल फरवरी में रिलीज हुई फिल्म ईगल में नजर आए थे। फिल्म को कार्तिक गट्टामनेनी ने निर्देशित किया था। ईगल एक एक्शन थ्रिलर फिल्म थी, जो बॉक्स ऑफिस पर एक बड़ी फ्लॉप रही थी। अब अभिनेता की आगामी फिल्म को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आ रही है।

मिस्टर बच्चन में नजर आएंगे रवि तेजा

ईगल के फ्लॉप हो जाने के बाद अभिनेता को अब एक सफल फिल्म की बेहद जरुरत है, इसलिए उन्होंने अपना ध्यान अपनी आगामी फिल्म पर केंद्रित कर दिया है। उनकी आगामी फिल्म का नाम मिस्टर बच्चन है, जिसे हरीश शंकर द्वारा निर्देशित किया जा रहा है। फिल्म का टैगलाइन रखा गया है नाम तो सुना होगा। निर्माताओं ने इस फिल्म की घोषणा पिछले साल दिसंबर में की थी। इस दौरान अभिनेता का फर्स्ट लुक भी जारी किया गया था, जिसमें रवि तेजा चश्मा लगाए स्कूटर चलाते नजर आ रहे हैं और उनका हेयर स्टाइल 70 के दशक की फिल्मों में नजर आने वाले अमिताभ बच्चन के जैसा है। अभिनेता को इस फिल्म से काफी उम्मीदें हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और निर्माता जल्द ही फिल्म की रिलीज डेट का भी एलान कर देंगे। फिल्म में रवि तेजा और भाग्यश्री बोरसे मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। वहीं, फिल्म का निर्माण पीपल मीडिया फैक्ट्री के बैनर तले टीजी विश्व प्रसाद द्वारा किया जा रहा है। अभिनेता के फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

बता दें कि मिस्टर बच्चन हिंदी फिल्म रेड की आधिकारिक रीमेक है। राजकुमार गुप्ता द्वारा निर्देशित फिल्म रेड में सिंघम अगेन अभिनेता अजय देवगन, सौरभ शुक्ला और इलियाना डिक्रूज प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए थे। फिल्म में अभिनेता अजय देवगन का बेहतरीन अभिनय देखने को मिला था, जिसकी वजह से उन्हें काफी सराहना भी मिली थी। फिल्म साल 2018 में रिलीज हुई थी। ऐसे में रवि तेजा के फैंस के लिए उन्हें अजय देवगन वाले किरदार में देखना काफी दिलचस्प अनुभव होगा।

साउथ की फिल्मों में भी अपना जलवा दिखाएंगी जान्हवी, पैन इंडिया स्टार्स के साथ नजर आएंगी

जान्हवी कपूर की डिमांड इन दिनों कुछ ज्यादा ही बढ़ गई है। उनकी आगामी ऐसी पांच फिल्में हैं, जिनसे जान्हवी की किस्मत और भी ज्यादा चमक जाएगी। इन सभी पांच फिल्मों में से जान्हवी के खाते में दो बड़ी साउथ फिल्में भी हैं।

बॉलीवुड ही नहीं, जान्हवी कपूर साउथ डायरेक्टर्स की भी पहली पसंद बनती जा रही हैं। जल्द ही जान्हवी जूनियर एनटीआर, राम चरण के अलावा कई स्टार्स के साथ फिल्मों में धमाल करती नजर आएंगी। निर्देशक शशांक खेतान की फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी की शुटिंग मई में शुरू हो चुकी है। इस फिल्म में जान्हवी के साथ वरुण धवन नजर आएंगे। दोनों की जबरदस्त केमिस्ट्री एक बार फिर से देखने को मिलेगी। इस फिल्म से पहले दोनों ने एक साथ फिल्म बवाल में काम किया था। यह एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म होगी। यह फिल्म 18 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। फिल्म देवरा भाग 1 यानी एनटीआर 30 की बात करें तो जान्हवी कपूर इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभाती नजर आएंगी। इस फिल्म में जान्हवी पैन इंडिया स्टार जूनियर एनटीआर के साथ स्क्रीन साझा करेंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार जान्हवी देवरा से साउथ फिल्मों में डेब्यू करने वाली हैं। उनकी यह फिल्म 10 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक दे सकती है। इस फिल्म में सैफ अली खान भी नजर आ सकते हैं। जान्हवी पैन इंडिया स्टार अभिनेता राम चरण के साथ भी एक फिल्म में नजर आने वाली हैं। जान्हवी फिल्म आरसी 16 में राम चरण के साथ नजर आएंगी। यह एक मेगा बजट फिल्म है। इसकी शूटिंग इसी महीने जून से शुरू हो सकती है।

बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर की आने वाली फिल्म उलझ का टीजर पहले ही आ चुका है। यह फिल्म सस्पेंस और थ्रिलर से भरपूर होगी। इस फिल्म में जान्हवी एक यंग डिप्लोमैट के रोल में दिखाई देंगी। निर्देशक सुधांशु सरिया की फिल्म उलझ का टीजर दर्शकों को बेहद पसंद आया था। जान्हवी ने बीते साल उलझ की शूटिंग शुरू की थी, जिसका अपडेट उन्होंने फैंस के साथ सोशल मीडिया पर साझा किया था। जान्हवी ने उलझ में इंडियन फॉरेस्ट सर्विस ऑफिसर का किरदार निभाया है। फिल्म की कहानी पूरी तरह से देशभक्ति पर आधारित है। यह फिल्म 5 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

निर्देशक एस.एस राजामौली ने आरआरआर से दुनियाभर में खूब भौकाल काटा। अब बारी है उनकी अगली फिल्म की, जो है एसएसएमबी29 यह फिल्म का टेंटेटिव टाइटल है। अब तक इस फिल्म का नाम फाइनल नहीं किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार फिल्म की कास्टिंग चल रही है। हो सकता है कि इस फिल्म में महेश बाबू नजर आएं। इस फिल्म को लेकर अब तक कई जानकारियां सामने आ चुकी हैं। हो सकता है कि इस फिल्म में जान्हवी कपूर भी हों।

बॉक्स ऑफिस पर सिंघम अगेन और भूल भुलैया 3 एक ही दिन देगी दस्तक

कार्तिक आर्यन और तृप्ति डिमरी जैसे कलाकारों से सजी फिल्म भूल भुलैया 3 इस साल दीवाली पर सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है। इस फिल्म को लेकर दर्शकों में अभी से ही काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। वहीं अब इसी दिन रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम अगेन भी रिलीज होने जा रही है। सिनेमा प्रेमियों के लिए जहां एक साथ दो या अधिक दो से अधिक फिल्में अगर एक ही दिन बॉक्स ऑफिस पर रिलीज होती हैं तो फायदे का सौदा होता है वहीं फिल्म मेकर्स के लिए यह अच्छी बात नहीं होती है। कई बार दर्शकों के बंट जाने से बॉक्स ऑफिस पर इसका सीधा प्रभाव देखने को मिलता है। सूत्रों की मानें तो इस साल दीवाली पर दो बड़ी फिल्में एक साथ रिलीज होने जा रही हैं। इसमें अजय देवगन की सिंघम अगेन और भूल भुलैया 3 शामिल हैं। चलिए जानते हैं भूल भुलैया 3 के निर्देशक अनीस बज्मी ने इस क्लैश के बारे में क्या कुछ कहा है।

तीन साल पहले से तय थी भूल भुलैया 3 की तारीख

कार्तिक आर्यन और तृप्ति डिमरी जैसे कलाकारों से सजी फिल्म भूल भुलैया 3 इस साल दीवाली पर सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है। इस फिल्म को लेकर दर्शकों में अभी से ही काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। वहीं अब इसी दिन रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम अगेन भी रिलीज होने जा रही है। भूल भुलैया 3 के निर्देशक अनीस बज्मी इस विषय पर बाते करते हुए कहते हैं, हमने तीन साल पहले ही भूल भुलैया 3 की रिलीज डेट का एलान कर दिया था।

अनीस बज्मी अपनी बात जारी रखते हुए कहते हैं, देखिए कोई भी निर्देशक या लेखक या निर्माता अपनी फिल्म को लेकर कॉन्फिडेंट ही होता है, लेकिन बॉक्स ऑफिस टकराव फिर भी कोई नहीं चाहता है। कोई भी कुछ भी बोल ले, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर अगर एक साथ दो या दो से अधिक फिल्में एक साथ रिलीज हो रही हैं तो नुकसान होना लगभग तय है।

भूल भुलैया 3 की रिलीज डेट में नहीं बदलाव

भूल भुलैया 3 और सिंघम अगेन इस साल दीवाली पर एक साथ रिलीज होने जा रही है। दर्शकों के लिए यह धमाकेदार खबर है वही फिल्म निर्देशक अनीस बज्मी इस बात से खुश नहीं हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या आप भूल भुलैया 3 की रिलीज डेट को आगे पीछे करेंगे। इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, देखिए अभी तक हमने इस विषय में सोचा नहीं है। अजय देवगन मित्र हैं और बॉक्स ऑफिस को कई बार टालना हमारे हाथ में नहीं होता है।

रश्मिका की तरह पुष्पा 2 के कपल सॉन्ग पर ठुमके लगाती नजर आईं हंसिका मोटवानी

हंसिका मोटवानी ने कुछ ही देर पहले अपना एक डांस वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया है इस वीडियो में हंसिका पुष्पा 2 के कपल सॉन्ग पर रश्मिका की तरह डांस करती नजर आ रही हैं। फिल्म पुष्पा 2 का कपल सॉन्ग हर किसी को पसंद आया। हंसिका तमिल और तेलुगु फिल्मों की बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक हैं। हंसिका का यह वीडियो साशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

गिप्पी ग्रेवाल के म्यूजिक वीडियो में नजर आएंगी तेजस्वी प्रकाश

प्रकाश के साथ नए म्यूजिक वीडियो में नजर आएंगे। दरअसल, गिप्पी ने गुरुवार को तेजस्वी प्रकाश के साथ शानदार तस्वीरें शेयर कीं और बताया कि उनका नया म्यूजिक वीडियो रिवॉल्वर जल्द ही रिलीज होने वाला है। गिप्पी ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर कीं। तस्वीरों में वह शर्ट, ब्लेजर और पैंट के साथ येलो कलर के आउटफिट में नजर आ रहे हैं। उन्होंने ब्लैक शूज पहने हैं। वहीं बिग बॉस 15की विनर तेजस्वी प्रकाश ने ऑरेंज कलर की स्लीवलेस बॉडीकॉन ड्रेस पहनी हुई हैं। वहीं बैकग्राउंड में बड़े अक्षरों नें जी जी लिखा हुआ है। इस पोस्ट को शेयर करते हुए गिप्पी ने कैप्शन में लिखा, रिवॉल्वर वीडियो जल्द ही आ रहा है... तेजस्वी को पिछली बार नागिन 6 में बतौर लीड एक्ट्रेस देखा गया था। वह जस्सी गिल के दूर होवा गे, यासर देसाई के रुला देती है और कुलविंदर बिल्ला के कलाकार जैसे सॉन्ग वीडियो में भी दिखाई दी। वहीं गिप्पी ने कैरी ऑन जट्टा 3, हनीमून, मौजा ही मौजा, लखनऊ सेंट्रल और मंजे बिस्तरे जैसी फिल्मों में काम किया है। हाल ही में उनकी शिंदा शिंदा नो पापा रिलीज हुई। इस फिल्म में उनके साथ एक्ट्रेस हिना खान नजर आईं, वहीं उनके बेटे के रोल में शिंदा ग्रेवाल दिखे। फिल्म का निर्देशन अमरप्रीत छाबड़ा ने किया। इस फिल्म की बात करें तो कहानी बाप-बेटे के रिश्ते पर आधारित है। कनाडा में रह रहे गिप्पी अपने शरारती बेटे शिंदा को डिसिप्लिन सिखाने के लिए भारत ले जाने का प्लान बना रहे हैं।

इस मशहूर ब्रिटिश वेब सीरीज की तर्ज पर बन रही है यश की फिल्म टॉक्सिक

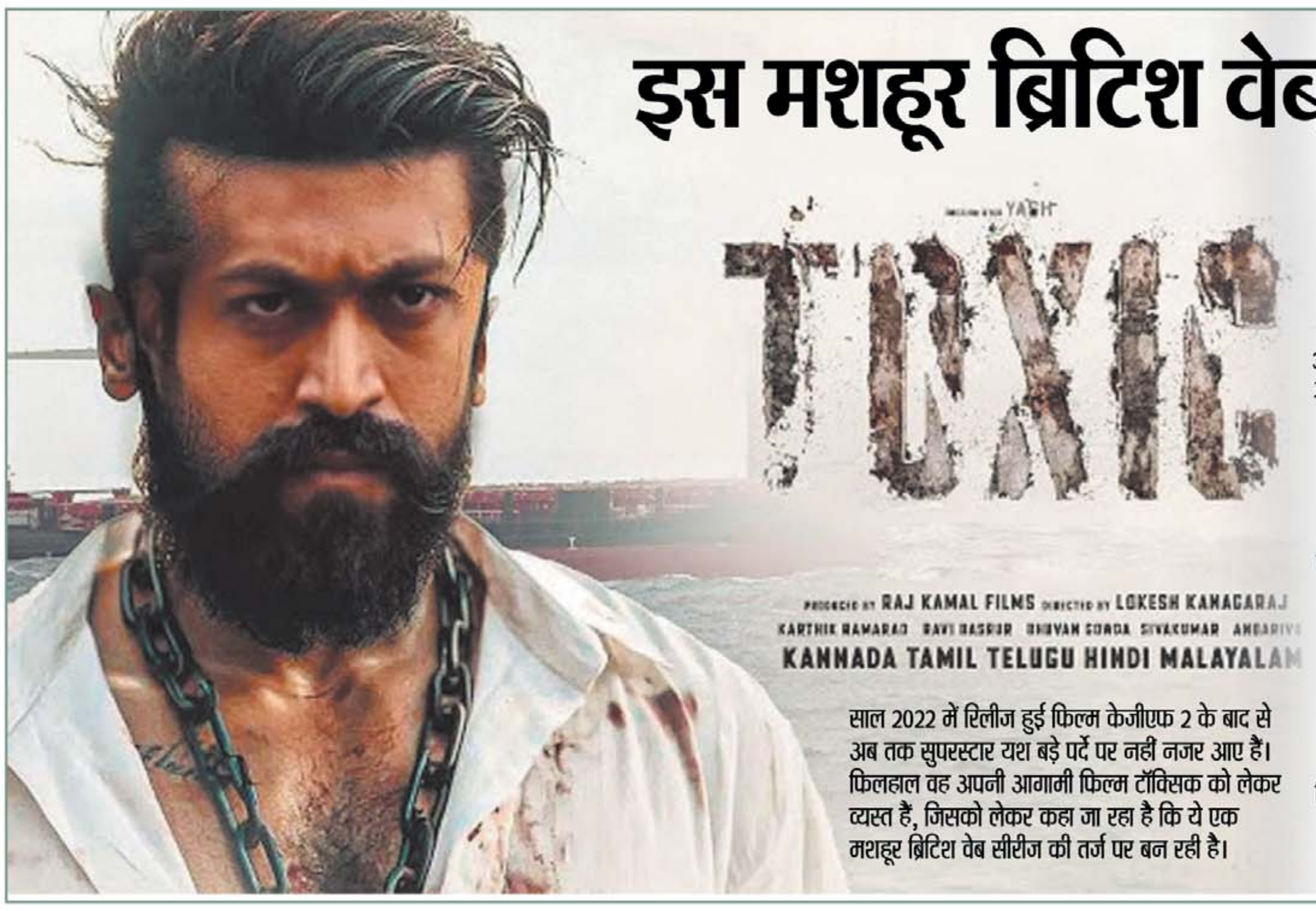

साल 2022 में रिलीज हुई फिल्म केजीएफ 2 के बाद से अब तक सुपरस्टार यश बड़े पर्दे पर नहीं नजर आए हैं। फिलहाल वह अपनी आगामी फिल्म टॉक्सिक को लेकर व्यस्त हैं, जिसको लेकर कहा जा रहा है कि ये एक मशहूर ब्रिटिश वेब सीरीज की तर्ज पर बन रही है।

यश कन्नड़ फिल्मों के मशहूर अभिनेता हैं। वह साल 2022 में रिलीज हुई अपनी आखिरी रिलीज फिल्म केजीएफ 2 से वह देश भर में मशहूर हो चुके हैं। केजीएफ फेंचाइजी की दोनों फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थीं। केजीएफ 2 के बाद से ही अभिनेता बड़े पर्दे पर नजर नहीं आए हैं। ऐसे में उनके फैंस उन्हें वापस से बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेताब हो रहे हैं। हालांकि, अब अभिनेता ने अपनी आगामी फिल्म के लिए तैयारी शुरू कर दी है। वह अपनी आगामी फिल्म टॉक्सिक में नजर आने वाले हैं। यश ने इस फिल्म के लिए महिला निर्देशक गीतू मोहनदास के साथ हाथ मिलाया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म में विशेष तौर पर भाई-बहन की भावना दिखाई जाएगी। इसके लिए निर्माताओं ने बहन की भूमिका के लिए पहले बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर को चुना था, लेकिन करीना आखिरी समय में तारीखों की समस्या का हवाला देते हुए पीछे हट गई। इसके बाद टीम ने मशहूर अभिनेत्री नयनतारा से संपर्क किया और उन्होंने तुरंत फिल्म के लिए हामी भर दी। फिल्म को लेकर लगातार नई जानकारी सामने आ रही है। अब कहा जा रहा है कि ये फिल्म एक लोकप्रिय ब्रिटिश वेब सीरीज के तर्ज पर बनाई जा रही है।

इस मशहूर वेब सीरीज के तर्ज पर बनाई जा रही है टॉक्सिक

इस वक्त कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि फिल्म टॉक्सिक की शूटिंग शुरू की जा चुकी है। फिल्म के मुख्य किरदार यश और नयनतारा ने भारत में फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। फिल्म को लेकर निर्देशक की तरफ से 200 दिनों की शूटिंग की योजना बनाई गई है, जिसका एक बड़ा हिस्सा लंदन में शूट किया जाएगा। रिपोर्ट्स के अनसार, टॉक्सिक लोकप्रिय ब्रिटिश वेब सीरीज पीकी ब्लाइंडर्स की तर्ज पर होने वाली है, जिसमें यश एक स्टाइलिश डॉन के रूप में नजर आएंगे।

कियारा भी आएंगी नजर

बता दें कि फिल्म में यश और नयनतारा के अलावा हिंदी फिल्मों की जानी पहचानी अभिनेत्री कियारा आडवाणी भी नजर आने वाली हैं। वह इस फिल्म में अभिनेता यश की प्रेमिका के रूप में नजर आने वाली हैं। इस गैंगस्टर एक्शन ड्रामा फिल्म की टैगलाइन है, बड़े लोगों के लिए परी कथा। टॉक्सिक की रिलीज डेट 10 अप्रैल 2025 तय की गई है।

झीलों की नगरी उदयपुर से लगभग 80 किलोमीटर झाडौल तहसील में आवारगढ़ की पहाड़ियों पर शिवजी का एक प्राचीन मंदिर स्थित है जो की कमलनाथ महादेव के नाम से प्रसिद्ध है। पुराणों के अनुसार इस मंदिर की स्थापना स्वंय लंकापति रावण ने की थी। यही वह स्थान है जहां रावण ने अपना शीश भगवान शिव को अग्निकुंड में समर्पित कर दिया था जिससे प्रसन्न होकर भगवान शिव नें रावण की नाभि में अमृत कुण्ड स्थापित किया था। इस स्थान की सबसे बड़ी विशेषता यह है की यहां भगवान शिव से पहले रावण की पूजा की जाती है क्योकि मान्यता है की शिव से पहले यदि रावण की पूजा नहीं की जाए तो सारी पूजा व्यर्थ जाती है।

कमलनाथ महादेव

यहां शिव से पहले की जाती है रावण की पूजा

पुराणो में वर्णित कमलनाथ महादेव की कथा-

एक बार लंकापति रावण भगवान शंकर को प्रसन्न करने के लिए कैलाश पर्वत पर पहुंचे और तपस्या करने लगे, उसके कठोर तप से प्रसन्न हो भगवान शिव ने रावण से वरदान मांगने को कहा। रावण ने भगवान शिव से लंका चलने का वरदान मांग डाला। भगवान शिव लिंग के रूप में उसके साथ जाने को तैयार हो गए, उन्होंने रावण को एक शिव लिंग दिया और यह शर्त रखी कि यदि लंका पहुंचने से पहले तुमने शिव लिंग को धरती पर कहीं भी रखा तो मैं वहीं स्थापित हो जाऊंगा। कैलाश पर्वत से लंका का रास्ता काफी लम्बा था, रास्ते में रावण को थकावट महसूस हुई और वह आराम करने के लिए एक स्थान पर रुक गया। और ना चाहते हुए भी शिव लिंग को धरती पर रखना पड़ा।

आराम करने के बाद रावण ने शिव लिंग उठाना चाहा लेकिन वह टस से मस ना हुआ, तब रावण को अपनी गलती का एहसास हुआ और पश्चाताप करने के लिए वह वहीं पर पुन: तपस्या करने लगे। वो दिन में एक बार भगवान शिव का सौ कमल के फूलों के साथ पूजन करते थे। ऐसा करते-करते रावण को साढ़े बारह साल बीत गए। उधर जब ब्रह्मा जी को लगा कि रावण की तपस्या सफल होने वाली है तो उन्होंने उसकी तपस्या विफल करने के उद्देश्य से एक दिन पूजा के वक्त एक कमल का पुष्प चुरा लिया। उधर जब पूजा करते वक्त एक पुष्प कम पड़ा तो रावण ने अपना एक शीश काटकर भगवान शिव को अग्नि कुण्ड में समर्पित कर दिया। भगवान शिव रावण की इस कठोर भक्ति से फिर प्रसन्न हुए और वरदान स्वरुप उसकी नाभि में अमृत कुण्ड की स्थापना कर दी। साथ ही इस स्थान को कमलनाथ महादेव के नाम से घोषित कर दिया।

पहाड़ी पर मंदिर तक जाने के लिए आप नीचे स्थित शनि महाराज के मंदिर तक तो अपना साधन लेके जा सकते है पर आगे का 2

किलोमीटर का सफर पैदल ही पूरा करना पड़ता है। इसी जगह पर भगवान राम ने भी अपने वनवास का कुछ समय बिताया था।

ऐतिहासिक महत्व भी है आवरगढ़ की पहाडि़यों का-

झालौड़ झाला राजाओ की जागीर था। इसी झालौड़ से 15 किलोमीटर की दुरी पर आवरगढ़ की पहाडियों पर एक किला आज भी मौजूद है इसे महाराण प्रताप के दादा के दादा महाराणा ने बनवाया था यह अवारगढ़ के किले के प्रसिद्ध है। जब मुग़ल शासक अकबर ने चित्तौड़ पर आक्रमण किया था, तब आवरगढ़ का किला ही चित्तौड़ की सेनाओं के लिए सुरक्षित स्थान था। सन 1576 में महाराणा प्रताप और अकबर की सेनाओं के मध्य हल्दी घाटी का संग्राम हुआ था। हल्दी घाटी के समर में घायल सैनिकों को आवरगढ़ के इसी किले में उपचार के लिए लाया जाता था। इसी हल्दीघाटी के युद्ध में महान झाला वीर मान सिंह ने अपना बलिदान देकर महाराणा प्रताप के प्राण बचाये थे।

झालौड़ में सर्वप्रथम यही होता है होलिका दहन-

हल्दी घाटी के युद्ध के पश्चात झाडौल जागीर में स्थित पहाड़ी पर जहाँ आवरगढ़ का किला स्थित है, वहीं पर सन 1577 में महाराणा प्रताप ने होली जलाई थी। उसी समय से समस्त झालौड़ में सर्वप्रथम इसी जगह होलिका दहन होता है। आज भी प्रतिवर्ष महाराण प्रताप के अनुयायी झालौड़ के लोग होली के अवसर पर पहाड़ी पर एकत्र होते है जहाँ कमलनाथ महादेव मंदिर के पुजारी होलिका दहन करते है।

इसके बाद ही समस्त झालौड़ क्षेत्र में होलिका दहन किया जाता है। झाडौल के लोगों की होली देश के अन्य लोगों को प्रेरणा देती है, कि कैसे हम अपने त्यौहारों को मानते हुए अपने देश के गौरवशाली अतीत को याद रख सकते हैं।

आखिर क्यों शिव और शक्ति से जुड़े हैं सभी शक्तिपीठ मंदिर ?

भारत में आदिशक्ति के कुल 51 शक्तिपीठ हैं। सभी शक्तिपीठ मंदिर शिव और शक्ति से जुड़े हुऐ हैं। कहा जाता है कि माता सती ने जब अपने शरीर को अग्नि में भस्म कर दिया था भगवान शिव उनके मृतक शरीर को कंधे पर उठा कर अलग-अलग स्थानों पर गए जहां जहां माता सती के अंग गिरे वहां शक्तिपीठ मंदिर की स्थापना हुई जिनमें से एक है माता चिंतपूर्णी शक्तिपीठ। कहा जाता है कि यहां पर माता सती के चरण गिरे इसलिए इस जगह को माता चिंतपूर्णी या छिन्नमस्तिका के नाम से जाना जाता है। यह मंदिर सोला सिग्ही श्रेणी की पहाड़ी पर है।

चिंतपूर्णी चालीसा में लिखा है की माता चिंतपूर्णी चार शिवलिंग में घिरी हुई हैं जिसकी बहुत कम लोगों को जानकारी है। इन में से एक मंदिर शिववाड़ी जो गग्रेट के पास है बहुत प्रसिद्ध है दूसरा मंदिर कालेश्वर धाम जोकि अम्ब में पड़ता है। सतलुज दरिया बनने के समय यह दो मंदिर अलोप हो गए थे। जोकि बहुत खोज करने के उपरांत मिले।

तीसरा मंदिर जिसकी लोगों को जानकारी नहीं है। वो मंदिर है नारायण देव मंदिर ज्वाला जी रोड पर डेरा चौंक से हरिपुर रोड पर बीस किलोमीटर की दूरी पर कासब मंदिर के नाम से प्रसिद्ध है। जोकि असल में नारायण देव ही है। चौथा मंदिर मचकूंद महादेव मंदिर ज्वाला जी रोड पर डल्यिरा चौंक से बाएं होकर आगे एक कीलोमीटर दूरी पर पुली आती है पुली से बाएं हाथ होकर पांच कीलोमीटर की दूरी पर मचकूंद महादेव मंदिर आएगा। मान्यता है कि जो भक्त इन चारों मंदिरों के दर्शन करने के उपरांत माता चिंतपूर्णी के दर्शन करेगा उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होंगी।

हिमाचल प्रदेश की वादियों में स्थित ये मंदिर बेहद ही खूबसूरत हैं। हसीन वादियों के बीच समुद्र स्तर से ऊपर 940 मीटर (लगभग 3000 फीट) की ऊंचाई पर चिंतपूर्णी मंदिर स्थित है। मंदिर ऊना जिले के हिल स्टेशन भरवाई से मात्र 3 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां पहुंचने के लिए पंजाब के होशियारपुर शहर से बसें मिल जाती हैं। पंजाब के होशियारपुर रेलवे स्टेशन से 36 मील की दूरी पर है। वैसे यहां पठानकोट जोगिंदर नगर रेल मार्ग से पहुंचा जा सकता है। निकटम रेलवे स्टेशन ज्वालामुखी रोड है जो यहां से 21 किलोमीटर की दूरी पर है।

मंदिर में क्यों बजाई जाती है घंटी ?

मंदिर के प्रवेश द्वार पर पुरातन काल से ही घंटी अथवा घड़ियाल लगाने की परंपरा है। मान्यता है की जिन स्थानों पर घंटी बजने की आवाज यथाक्रम आती रहती है, वहां का परिवेश हमेशा साफ-सुथरा, धार्मिक और पावन बना रहता है। इससे नकारात्मक शक्तियों पर प्रतिबंध लग जाता है और सकारात्मकता के द्वार खुल जाते हैं। सुख समृद्धि के रास्ते प्रशस्त होते हैं।

स्कंद पुराण के मतानुसार मंदिर में प्रवेश करते ही घंटी बजाने से सौ जन्मों के पाप खत्म हो जाते हैं। जब सृष्टि का आरंभ हुआ तब जो नाद था, घंटी या घडिय़ाल की ध्वनि से वही नाद निकलता है। इसी नाद को ओंकार के पदाघात से भी जाग्रत हुआ माना जाता है। सर्वप्रथम धार्मिक स्थानों में घंटी लगाने का आरंभ जैन और हिन्दू मंदिरों से हुआ तत्पश्चात बौद्ध धर्म और फिर ईसाई धर्म ने इस परंपरा को अपनाया।

मंदिरों में घंटी लगाए जाने के पीछे धार्मिक ही नहीं वैज्ञानिक आधार भी हैं। घंटी बजाने पर वातावरण में कंपन उत्पन्न होती है। जोकि काफी दूर तक जाती है। इस कंपन से उत्पन्न होने वाली ध्वनि संपूर्ण क्षेत्र में आने वाले जीवाणु, विषाणु और सूक्ष्म जीवों को नष्ट कर देती है जिससे आसपास का वायुमंडल सात्विक हो जाता है।

जिन धार्मिक स्थानों में प्रतिदिन घंटी बजती है उन्हें जाग्रत देव मंदिर कहा जाता है। देवताओं को जागृत करने का माध्यम है घंटाध्वनि। प्रवेश द्वार के घंटे दर्शनार्थीयों को सूचना देते हैं कि पूजा-आरती का समय हो गया है।

मंदिर के प्रवेश द्वार पर घंटी बजाने से भगवान का आशीर्वाद और लक्ष्मी की प्राप्ती होती है। अत: घर में देवालय बनाएं तो घंटी अवश्य लगवाएं मंदिरों में, घरों में, पूजा पाठ, प्रवचन में घंटानाद होते रहना चाहिए ताकि चारों ओर शुभता का संचार होता रहे।

पूजा-पाठ

किए बिना भी किया जा सकता है दुखों का नाश

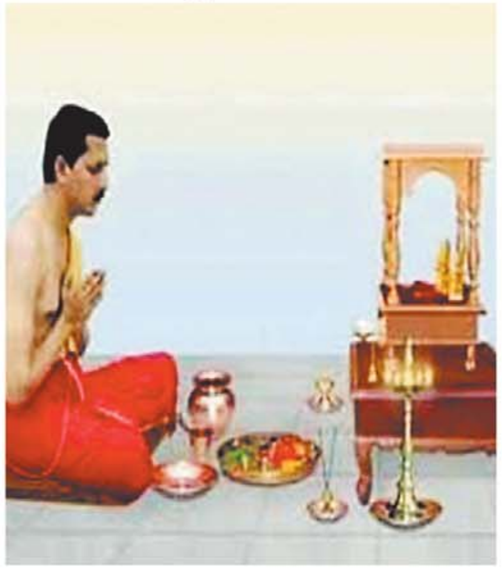

देव पूजा की अनेक सर्वोत्तम, सर्वसुलभ एवं सरल विधियां शास्त्रों में उपलब्ध हैं। इनमें से जो भी सहज प्रतीत हो उसे चुनें। जिनके पास समय कम है अथवा कर्मकांडों मे मन नहीं रमता तो उपासना की, ध्यान की, पूजा की इस सबसे सरल विधि का अनुपालन करें।

पूजा घर को परिवार के सभी सदस्यों की शरण स्थली बनाएं, एक जगह जहां शांति और सूकून हो जहां वे भगवान से जुड़ सकें एवं अपनी प्रार्थना और व्यावहारिक जरूरतों को समर्पित कर सकें। एक आम व्यक्ति द्वारा की गई पूजा आत्मार्थ पूजा कहलाती है एवं उसे एक व्यक्तिगत पूजा अनुष्ठान माना जाता है जबकि जनमानस हेतु पुजारी द्वारा मंदिर में की गई पूजा परार्थ पूजा कहलाती है।

आज के भागदौड़ भरे जीवन में यदि आपके पास पाठ-पूजा का अधिक समय नहीं है लेकिन अपनी धार्मिक परंपराओं के प्रति आपकी विशेष श्रद्धा है तो निम्न मंत्र का उच्चारण करते हुए देवी देवताओं की प्रतिमाओं का दर्शन करें। इस मंत्र का जाप आपकी सभी प्रकार के दुखों से रक्षा करेगा।

सर्वे भवन्तु सुखिन: सर्वे संतु निरामया:।
सर्वे भद्राणि पश्यंतु मा कश्चिद् दु:ख भाग्भवेत।।

अर्थात- समस्त जन सुखी हों, स्वस्थ हों, शुभ व मंगल को देखें और कोई भी दु:ख का सामना न करें।

ध्यान रखें कि आपसे किसी का अहित न हो और आप सभी अधार्मिक कृत्यों से खुद को दूर रखें।

रचनात्मक राजनीति समय की जरुरत

सुरेश हिंदुस्तानी

इस बार के चुनावों में जनता ने क्षेत्रीय दलों को भी बहुत अच्छा महत्व दिया है। क्षेत्रीय दलों के अस्तित्व में आने के बाद देश में गठबंधन की राजनीति का युग फिर से आ गया है। राष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य में भाजपा और कांग्रेस की उपस्थिति देश के अधिकतर राज्यों में है। बाकी सभी दल राष्ट्रीय फलक पर प्रभाव दिखाने वाले नहीं हैं। इसके अलावा विपक्ष में अभी से बिखराव प्रारम्भ हो गया है।

भारत एक लोकतांत्रिक है। इसका तात्पर्य यही है कि देश की जनता ही भारत की असली सरकार है। लोकसभा चुनावों के बाद अब देश में सरकार और विपक्ष की भूमिका भी तय हो गई है। जनता ने जहां नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए राजग को बहुमत दिया है, वहीं कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्ष को एक बार फिर से सत्ता से दूर कर दिया है। अब चुनाव हो चुके हैं, इसलिए लोकतांत्रिक देश होने के नाते आवश्यक है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष को जनता की भावनाओं को ध्यान में रखकर ही काम करना चाहिए। क्योंकि चुनाव प्रचार के दौरान जिस प्रकार के बयान दिए गए, उससे यही लगता है कि इसकी प्रतिध्वनि आगे भी सुनाई देगी। आज के राजनीतिक हालातों का अध्ययन किया जाए तो यह कहना सर्वथा उचित ही होगा कि दलीय आधार की राजनीति करना केवल चुनाव तक ही सीमित रहना चाहिए। उसका असर अगर संसद की कार्यवाही में दिखाई देगा तो यह देश के साथ अन्याय ही होगा। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को ही चाहिए कि वह अब देश हित की राजनीति करने वाले ही कदम उठाए। जहां तक राजनीतिक विश्लेषण की बात है तो यही कहा जाएगा कि भारत की जनता ने भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन को सत्ता सौंपी है और कांग्रेस नेतृत्व वाले गठबंधन को विपक्ष में बैठने का जनादेश दिया है। दोनों पक्ष की अलग भूमिका होती है।

संसद के माध्यम से देश का संचालन किया जाता है। यह राजनीतिक जोर आजमाईश का मैदान नहीं है, इसलिए संसद की गरिमा का भी सभी राजनीतिक दल ध्यान रखें, ऐसी भूमिका सभी मिलकर तय करें। सरकार और विपक्ष दोनों को चाहिए कि वह रचनात्मक राजनीति करके देश हित पर ध्यान दें, क्योंकि लोकतंत्र में लड़ाई सिर्फ चुनाव तक ही सीमित रहना चाहिए। भारत की राजनीति का उद्देश्य भी यही है कि इसके माध्यम से जनसेवा की जाए। अगर दलीय आधार पर संसद में राजनीति की जाए तो फिर देश बनाने की आशा किससे की जाए। उल्लेखनीय है कि जनता की पसंद और नापसन्द जानने के लिए ही देश में लोकतंत्र है। चुनाव के बाद निर्वाचित हुए प्रतिनिधि वास्तव में जनता के ही प्रतिनिधि हैं, इसलिए अब सभी को जनता के लिए ही जिम्मेदार होना चाहिए। चुनाव तक ही भाजपा और कांग्रेस की राजनीति रहती है, अब विपक्ष को भी चाहिए कि वह अच्छे कार्यों में सरकार का साथ दे, क्योंकि अब सरकार राजनीतिक दल की नहीं, बल्कि भारत की सरकार है। भारत की सरकार का आशय हम सबकी सरकार ही है।

कहने को देश में लोकतंत्र है, लेकिन ऐसा लगता है कि राजनीतिक दलों के जो नेता जनप्रतिनिधि बनकर दिल्ली या प्रदेश की राजधानियों में बैठते हैं, उनको केवल अपने दल के अनुसार ही काम करना होता है। जिसमें लोक की भावनाओं का समावेश बिलकुल भी नहीं रहता। हमेशा यही देखा जाता है कि लोकतंत्र को कमजोर करने वाले हमारे राजनेता केवल विरोध करने के लिए ही विरोध करने की शैली को अपनाने के लिए ही बाध्य होते हैं। पिछली बार हम सबने देखा कि संसद की कार्यवाही को कई बार बाधित किया गया। लोकतंत्र की व्यवस्था के अनुसार विपक्ष का होना भी अत्यंत जरूरी है, लेकिन जो विपक्ष रचनात्मक भूमिका का पालन नहीं करता ऐसे विपक्ष से तो विपक्ष का न होना ही सही है। सत्ता पक्ष की निरंकुशता पर लगाम स्थापित करने के लिए ही विपक्ष का काम होता है, लेकिन भारत में प्रायः देखा जाता है कि सत्ता पक्ष के हर कार्य के लिए विपक्ष अपना विरोधी रुख अपनाता है। सरकार के हर कार्य का विरोध करना भी ठीक नहीं है।

यह बात सही है कि इस बार लोकसभा में मजबूत विपक्ष है। इसलिए विपक्ष अपने आपको मजबूत ही दिखाएगा, यह स्वाभाविक ही है। पिछले समय जब विपक्ष बिखरा हुआ था, तब भी विपक्ष ने अपनी ताकत दिखाने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। लेकिन इस बार राजनीतिक स्थितियाँ बदली हुई हैं। सरकार की ताकत भी कम हुई है, गठबंधन के सहयोगी दल भी अपनी उपस्थिति का अहसास हमेशा कराते रहेंगे। ऐसे में सरकार जनता के किए गए कितने वादों पर अमल कर पाएगी, यह देखने वाली बात होगी। वहीं विपक्षी दलों की परेशानी यह है कि उसने जनता से जो वादे किए हैं, उसका क्या होगा, क्योंकि विपक्ष ने यह प्रचारित करके अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने जैसा ही काम किया है कि उसने भाजपा की जीत के रथ को रोक दिया है, जबकि यथार्थ में ऐसा नहीं है। जनता के बीच विपक्ष ने अपनी जीत का ही सन्देश दिया है, इससे जनता एक बार फिर से भ्रमित होती दिखाई दे रही है और इसीलिए ही कांग्रेस के कार्यालयों पर जनता की भीड़ उमड़ रही है। यह जनता कांग्रेस से अपने वादे पूरे करने की मांग कर रही है। क्योंकि उनके सामने यही सन्देश दिया है कि कांग्रेस सहित विपक्ष की बड़ी जीत हुई है। वर्तमान स्थिति का राजनीतिक विश्लेषण किया जाए तो यही कहना उचित होगा कि भाजपा आज भी जनता की पहली पसंद है। भाजपा को जितनी सीट मिली हैं, उसके आधे भी विपक्ष के किसी दल को नहीं मिली। प्रचार में पूरी ताकत झोंकने के बाद भी कांग्रेस सौ के आंकड़े को नहीं छू सकी, यह गहन चिंता का विषय है, लेकिन कांग्रेस इस सत्य को स्वीकार करने की मानसिकता नहीं बना पाई। राजनीति में सीटों की संख्या का महत्व होता है और सीटों के मामले में भाजपा बहुत आगे है। यह अलग बात है कि देश के सबसे बड़े राज्य उत्तरप्रदेश में भाजपा को अपेक्षित सफलता नहीं मिल पाई, लेकिन इस बार भाजपा ने दक्षिण के कुछ राज्यों में अपनी उपस्थिति का अहसास कराया है। यह भाजपा के लिए आनंद की ही बात है। जिस दक्षिण के लिए भाजपा अछूत मानी जाती थी, वहां भाजपा स्वीकार होने लगी है।

एक खास बात यह भी है कि इस बार के चुनावों में जनता ने क्षेत्रीय दलों को भी बहुत अच्छा महत्व दिया है। क्षेत्रीय दलों के अस्तित्व में आने के बाद देश में गठबंधन की राजनीति का युग फिर से आ गया है। राष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य में भाजपा और कांग्रेस की उपस्थिति देश के अधिकतर राज्यों में है। बाकी सभी दल राष्ट्रीय फलक पर प्रभाव दिखाने वाले नहीं हैं। इसके अलावा विपक्ष में अभी से बिखराव प्रारम्भ हो गया है। आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस से पूरी तरह से किनारा कर लिया है। ऐसे में विपक्षी गठबंधन पर फिर से सवाल उठने लगे हैं। खैर.. यह राजनीति है, राजनीति में कब क्या हो जाए कहा नहीं जा सकता। लेकिन जहां देश हित की बात आती है तो वहां राजनीति नहीं होना चाहिए। राजनीति रचनात्मक होगी तो ही देश चलेगा, विरोध की राजनीति तो अवरोध पैदा करने वाली होती है।

संपादकीय

दुरुस्त हो योजना

अग्निपथ योजना सशस्त्र बलों की तीन सेवाओं में सैनिकों की भर्ती के लिए भारत सरकार द्वारा शुरू की गई योजना है, जिसकी घोषणा जून 2022 में की गई। योजना के तहत भर्ती जवानों को अग्निवीर कहा जाता है। सरकार ने अब इस योजना की समीक्षा का कार्य दस अलग-अलग मंत्रालयों के सचिवों को सौंपा है। वे इस भर्ती को अधिक आकषर्क बनाने के सुझाव भी देंगे। इसकी कमियों को दूर भी किया जा सकता है। यह भर्ती चार साल के लिए होती है, जिसमें नियमित वेतन के अतिरिक्त चार साल पूरे होने के बाद अग्निवीरों को लगभग बारह लाख रुपए मिलते हैं। निश्चित संख्या में तकरीबन पच्चीस फीसद अग्निवीरों को स्थायी सेवा का अवसर भी मिलता है। माना जा रहा है कि अग्निवीर योजना के अंतर्गत वेतन भत्तों में बढ़ोतरी व अन्य लाभ का प्रस्ताव दिया जा सकता है। चूंकि यह योजना सरकार के प्रथम सौ दिन के एजेंडे में शामिल है इसलिए अधिकारी अपनी विस्तृत प्रस्तुति जल्दी ही प्रधानमंत्री कार्यालय को देंगे। आम चुनाव के दौरान इस योजना को विपक्ष द्वारा लगातार निशाने पर रखा गया था। वे अग्निवीर योजना को युवाओं के भविष्य के प्रति खिलवाड़ की तरह पेश कर रहे थे। साथ ही सत्ता में आने पर इसे समाप्त करने की भी बात की जा रही थी। यह मोदी सरकार की रोजगार योजना का अभिन्न हिस्सा है। हालांकि विशेषज्ञों व पूर्व सैनिकों की दलील है कि मात्र छह माह के प्रशिक्षण से सैनिक नहीं तैयार होता। दूसरे, पूर्व-अग्निवीरों को अर्ध-सैनिक बलों या पुलिस बलों जैसी सेवाओं में शामिल न किए जाने को लेकर सरकार की बहुत आलोचना हो रही है। इतना ही नहीं बल्कि इसे मायावी रोजगार कहा जा रहा है। इन्हें देश के सशस्त्र बलों में सेवा के लिए अयोग्य भी घोषित किए जाने को लेकर विवाद है। सेवा की इस अल्प अवधि यानी चार साल बाद ये युवा पुनः बेरोजगारों की श्रेणी में आ जाएंगे। ऐसे में इन्हें अप्रशिक्षित कामगारों के तौर पर काम के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। बाइस साल उम्र में जब ये युवा सेवा से बाहर होंगे तो नए सिरे से इन्हें काम की तलाश में भटकना पड़ सकता है। लाजमी है, सरकार ने इसी तरह की समस्याओं को सुलझाने के लिए समीक्षा व सुझाव की कोशिश की है।

चिंतन-मनन

बल और बुद्धि में संतुलन जरुरी

एक बार बल और बुद्धि में विवाद हो गया। बल ने कहा,मैं बड़ा हूं। मेरे बिना कुछ भी नहीं होता। बुद्धि ने कहा,तुम किसी काम के नहीं हो। मैं बड़ी हूं। मेरे बिना तुम्हारी उपयोगिता ही क्या है? दोनों इस विषय पर उलझ गए। विवाद का निपटारा करने के लिए वे विवेक के पास पहुंचे। दोनों ने अपनी-अपनी श्रेष्ठता बताते हुए न्याय करने की प्रार्थना की। विवेक ने कहा,मेरे साथ चलो। मैं न्याय करूंगा। उसने अपने हाथ में एक हथौड़ा और लोहे की एक कील ली। वह कील मुड़ी हुई थी। विवेक उन दोनों को साथ लेकर चल पड़ा।

वे तीनों एक वृद्ध व्यक्ति के पास पहुंचे। विवेक बोला,आप समझदार हैं, बुद्धिमान और अनुभवी हैं। हमारा एक छोटा-सा काम कर दें। यह लोहे की कील टेढ़ी हो गई। आप इसे सीधी कर दें। वृद्ध ने कहा-हां कर दूंगा। विवेक ने वृद्ध के हाथ में हथौड़ा थमा दिया। वृद्ध व्यक्ति ने हथौड़ा चलाना चाहा किंतु वह उसे चला नहीं सका। उसके हाथ इस कार्य को करने में असमर्थ थे। उसने हथौड़ा लौटाते हुए कहा,भाई, यह कार्य संभव नहीं है। विवेक ने बुद्धि से कहा,देखो, बुद्धिमान होते हुए भी यह वृद्ध इस छोटे से कार्य को नहीं कर सका।

बुद्धि, बल और विवेक तीनों आगे बढ़े। विवेक ने देखा एक हट्टा-कट्टा जवान खेत में काम कर रहा है। वह शक्तिशाली था किंतु बुद्धिमान नहीं था। तीनों उस जवान के पास पहुंचे। विवेक ने कहा,भैया, तुम बहुत शक्तिशाली हो। क्या तुम हमारा एक काम कर दोगे? यह लोहे की कील टेढ़ी हो गई है। इसे सीधा करना है। तुम इस हथौड़े से इसे सीधा बना दो। जवान ने हथौड़ा हाथ में लिया। कील को रेतीले टीले पर रखा। उस पर हथौड़े से एक जोरदार प्रहार किया। उस तेज प्रहार से खूब रेत उड़ी और सबकी आंखों में भर गई। कील भूमि के अंदर तक चली गई। विवेक ने बल से कहा,जब बल होता है, बुद्धि नहीं होती, तब यही स्थिति बनती है। बल और बुद्धि दोनों का अहंकार आहत हो उठा।

विवेक ने कहा-बलवान वही है, जिसमें बल और बुद्धि दोनों हो। जब तक मनुष्य में अपने बल और बुद्धि का घमंड रहेगा, उस पर भगवान की कृपा नहीं होगी। उसके बल की समाप्ति के बाद ही, भगवान का बल प्रारंभ होता है। भगवान को भूलकर मनुष्य कितना ही बुद्धि का विकास कर ले और कितना ही बलशाली बन जाए, उसे अपने लक्ष्य में सफलता नहीं मिल सकती। प्रेम से पुकारने पर भगवान खुद ही दौड़े चले आते हैं। सुदामा जब बाल सखा से मिलने पहुंचे तो उनके मन में कई शंकाएं थीं। भगवान श्रीकृष्ण को पता चला कि सुदामा उनसे मिलने आए हैं तो वे सुदामा को लाने के लिए नंगे पाव दौड़ पड़े।

नीट की परीक्षा, हजारों करोड़ रुपए की अवैध कमाई का जरिया

सनत जैन

लाखों छात्रों का भविष्य दांव पर.... नीट 2024 की परीक्षा में लगभग 24 लाख परीक्षार्थी शामिल हुए। चिकित्सा शिक्षा को लेकर पिछले कई वर्षों से युवाओं में क्रेज बना हुआ है। दसवीं पास करने के बाद युवा अपने करियर बनाने को लेकर नीट और जेईई मेंन्स जैसे प्रोफेशनल कोर्स की परीक्षा देने की तैयारी शुरू कर देते हैं। इसके लिए 16 वर्ष से लेकर 20 वर्ष तक के बच्चे कोचिंग ज्वाइन करते हैं। बच्चों के माता-पिता कोचिंग संस्थानों को लाखों रुपया प्रतिवर्ष फीस के रूप में देते हैं। जो बच्चे उपरोक्त कोर्स की तैयारी करते हैं, वो दिन-रात पढ़ाई करते हैं। उनका लक्ष्य बड़ा होता है। वह इस प्रतिस्पर्धा के युग में सीमित सीटों पर अपना स्थान बनाकर प्रवेश ले पाएं, इसके लिए जी-जान लगाकर मेहनत करते हैं। अपना परिवार छोड़कर अन्य शहरों में जाकर कोचिंग लेते हैं। पिछले तीन दशक से डिग्री से रोजगार और करियर का जो नया कांसेप्ट सामने आया है, उसके बाद लाखों की संख्या में बच्चे परीक्षा की वर्षों तक तैयारी करते हैं। मांग और आपूर्ति के सिद्धांत में बहुत ज्यादा अंतर होने के कारण, लाखों करोड़ों रुपए की कमाई का जरिया, इस तरह की प्रवेश परीक्षा बन गई है।

नीट वर्ष 2024 में 23 लाख 33297 परीक्षार्थी शामिल हुए। 58263 परीक्षार्थियों ने 620 से लेकर 720 अंक प्राप्त किये। 520 से 620 अंक लाने वाले परीक्षार्थियों की संख्या 1,02,640 है। पिछले 5 वर्षों में 620 से 720 अंक वाले परीक्षार्थियों की संख्या मात्र 13 से 15000 के बीच रही है। इस बार यह संख्या बढ़कर 58263 हो गई है। देशभर में सरकारी मेडिकल कॉलेजों में लगभग 55000 सीट हैं। इसमें एम्स की सीटें भी शामिल हैं। एम्स एवं केंद्र सरकार द्वारा संचालित मेडिकल कॉलेजों में सबसे ज्यादा नंबर पाने वालों को प्राथमिकता से नेशनल काउंसलिंग में प्रवेश मिल जाता है। यहां पढ़ने वाले छात्रों की फीस बहुत कम होती है। उसके बाद राज्यों के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में राज्यों के प्रतियोगियों को प्रवेश मिलता है। इस साल नीट के जो परिणाम आए हैं, उसमें नामांकन से लेकर प्रवेश परीक्षा में कई विसंगतियां सामने आई हैं। रजिस्ट्रेशन विंडो 16 मार्च को बंद कर दी गई थी। इसके बाद रजिस्ट्रेशन विंडो को अप्रैल माह में 1 दिन के लिए खोल दिया गया। इस 1 दिन में करीब 24240 बच्चों ने अपना पंजीयन कराया। इसकी जानकारी छात्रों को नहीं थी। इसका फायदा कुछ कोचिंग सेंटरों के द्वारा उठाया गया। यह कार्य प्रक्रिया पहली बार नेशनल टेस्ट एजेंसी द्वारा अपनाई गई। इस वर्ष एजेंसी द्वारा जो छात्र लेट प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए थे। उन्हें ग्रेस मार्क्स देने का नया नियम बनाया गया। छात्रों को मनपसंद सेंटर चुनने का प्रावधान किया गया। हरियाणा के परीक्षार्थियों ने बिहार के सेंटर चुने। इसी तरह अन्य राज्यों के हजारों परीक्षार्थियों ने दूसरे राज्यों के हजारों किलोमीटर दूर परीक्षा सेंटर में जाकर परीक्षा दी। नीट की परीक्षा में पहली बार 67 छात्रों को 100 फीसदी 720 अंक प्राप्त हुए। वहीं 58263 परीक्षार्थी 620 अंक से लेकर 720 अंक लेकर सफल हुए। सरकारी मेडिकल कॉलेज में इनका एडमिशन नीट के परीक्षा परिणाम के कारण होना तय हो गया। 2023 में 620 से लेकर 720 अंक पाने वालों की संख्या मात्र 13291 थी। परीक्षा परिणाम निर्धारित तिथि के पहले घोषित होने के बाद, बिहार में पेपर लीक करने का मामला तूल पकड़ गया। बिहार में जांच एजेंसी ने 13 आरोपी गिरफ्तार किए, जिन्होंने स्वीकार किया कि पेपर लीक हुआ था। उन्हें पेपर के संबंध में जानकारी देने एक अलग स्थान पर ले जाकर प्रश्नों के उत्तर को याद कराया गया। इसके बाद गुजरात के गोधरा में भी इसी तरह का एक मामला सामने आया। धीरे-धीरे प्याज की परतों की तरह एक-एक परत खुलती गई। बिहार में जो आरोपी गिरफ्तार हुए, उन्होंने 30 से 40 लाख रुपए देने का पुलिस को बयान दिया। जिससे यह प्रमाणित हुआ कि परीक्षा के पहले पेपर लीक हुआ है। कोचिंग चलाने वाले सेंटर एवं नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के बीच कोई ना कोई संबंध जरूर है। जिसके कारण कोचिंग सेंटर के परीक्षार्थियों ने 30 से 40 लाख रुपया देकर, प्रवेश परीक्षा परिणाम में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। नीट की परीक्षा के जो परिणाम सामने आए हैं, उसके अनुसार देश में करीब 100000 सीटों पर एमबीबीएस के लिए प्रवेश होना है। उसमें से 55000 सरकारी मेडिकल कॉलेजों की सीट हैं। लगभग 45000 सीटों पर निजी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस के लिए प्रवेश होना है। इस परीक्षा परिणाम से सबसे ज्यादा नुकसान एसटी, एससी और मेधावी परीक्षार्थियों को हो रहा है। निजी मेडिकल कॉलेज में भी उन्हें प्रवेश मिलना संभव नहीं होगा। जिस तरह से परीक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है। पूरे देश के सभी राज्यों में कोचिंग सेंटर्स का मकडजाल फैल गया है। इसमें परीक्षार्थियों के माता-पिताओं को दिवा-स्वप्न दिखाकर कोचिंग के नाम पर लाखों रुपए पहले वसूल किए जाते हैं। उसके बाद एडमिशन कराने के नाम पर प्रति छात्र लाखों रुपए की वसूली इन कोचिंग सेंटरों के माध्यम से की जा रही है। हजारों करोड़ रुपए का लेन-देन, हर साल मेडिकल में प्रवेश दिलाने के नाम पर घोटाले और घपले हो रहे हैं। इसमें नेशनल टेस्ट एजेंसी और कोचिंग सेंटर की मिलीभगत के आरोप लगते आ रहे हैं। राजनीतिक संरक्षण के कारण शिक्षा माफिया का यह धंधा बड़ी तेजी के साथ फल-फूल रहा है। हर साल लाखों छात्र-छात्रा इस दौड़ में शामिल होते हैं। कोचिंग में लाखों रुपए प्रति छात्र खर्च करते हैं। नेशनल टेस्ट एजेंसी भी परीक्षा फीस के नाम पर अरबों रुपए छात्रों से वसूल करती है। लाखों रुपए की मोटी फीस देने के बाद ही एमबीबीएस के लिए प्रवेश मिल पाता है। इस साल नेशनल टेस्ट एजेंसी ने अपनी सारी सीमाएं तोड़ दी हैं। जिसके कारण यह देश का शिक्षा माफिया का सबसे बड़ा घोटाला बन गया है। इसी तरह के घोटाले मध्य प्रदेश में व्यापम के माध्यम से हुए थे, जिसकी सीबीआई जांच हुई, लेकिन गाज छात्रों और उनके परिवारजनों पर गिरी। एक दशक बीत जाने के बाद भी व्यापम घोटाले के मुख्य आरोपियों को सजा नहीं मिल पाई। जांच के नाम पर सभी मगरमच्छ राजनेताओं और अधिकारियों को बचा लिया गया। कुछ इसी तरह की स्थिति नीट 2024 के परीक्षा परिणाम के बाद देखने को मिल रही है। नीट परीक्षा परिणाम के बाद अब इसमें भी लीपापोती के प्रयास शुरू हो गए हैं। इस घपले घोटाले में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय, नेशनल टेस्ट एजेंसी और कोचिंग संचालकों की कथित मिली भगत है। करीब 24 लाख परीक्षार्थियों के करोडों परिवारजन परीक्षा रद्द करने की मांग कर रहे हैं। जिन लोगों द्वारा पेपर लीक कराया गया है, उन्हें कड़ी सजा देने की मांग की जा रही है। देश भर में आंदोलन हो रहे हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने नेशनल टेस्ट एजेंसी के प्रमुख को ही अध्यक्ष बनाकर, जांच कराने की बात कही है। सरकार स्वीकार नहीं कर रही है कि कोई गड़बड़ी हुई है। इससे स्पष्ट है, लीपा-पोती करने के प्रयास शुरू हो गए हैं। परीक्षा में बैठे हुए छात्र-छात्राओं में भयंकर रोष है। देखना यह है कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले में क्या रुख अख्तियार करता है। 8 जुलाई को इस मामले की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई है। 6 जुलाई से काउंसलिंग शुरू हो जाएगी। जिसके कारण छात्रों में गुस्सा बढ़ रहा है। विपक्षी राजनीतिक दलों ने भी इस परीक्षा परिणाम को निरस्त करने की मांग की है। पुनः परीक्षा कराया जाना ही इसका एकमात्र विकल्प है। इस परीक्षा को निरस्त कर जो अगली प्रवेश परीक्षा हो, वह पूरी पारदर्शिता और सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में हो। तभी नेशनल टेस्ट एजेंसी और सरकार के ऊपर भरोसा कायम हो सकता है। देशभर में हजारों याचिकाएं हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में लगाई गई हैं। न्यायपालिका के ऊपर सभी की आशा की निगाहें टिकी हुई हैं। नीट एग्जाम के वर्तमान परीक्षा परिणाम को तुरंत निरस्त नहीं किया गया, तो इसके बड़े विनाशकारी परिणाम देखने को मिल सकते हैं।

वैश्विक शांति में भारत की भूमिका

संजीव ठाकुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश में तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बनने के बाद पांचवीं बार जी-7 सेवन की महत्त्वपूर्ण बैठक में शामिल हुए हैं। निश्चित तौर पर यह बैठक वैश्विक परिदृश्य के लिए महत्त्वपूर्ण होगी। प्रधानमंत्री मोदी जी ने अभी तक ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, खंस के राष्ट्रपति इमानुएल मेंक्रो एवं इटली की राष्ट्र प्रमुख मेलोनी तथा यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेन्सकी से अलग-अलग मुद्दों पर द्विपक्षी बैठक संपन्न की है। इसके अलावा अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन से भी मुलाकात संभावित है। जी-7 के सदस्य देशों ने चीन पर आर्थिक प्रतिबंध लगाने की बैठक में पुरजोर कोशिश की गई है। इसके अलावा पुतिन पर यूक्रेन के साथ युद्ध विराम करने के लिए भरसक प्रयास किया गया। पर भारत और अन्य जी-7 के सदस्य देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर गंभीर मुद्दों पर नए पहलुओं पर विचार कर रहे हैं।

भारत हमेशा से शांति सद्भावना और सौहार्द का सर्वकालिक समर्थक रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध में भारत की तरफ से लगातार प्रयास किए जाते रहे हैं कि युद्ध विराम हो जाए और इसके लिए भारत में अथक प्रयास भी हुए हैं। यह अलग बात है कि विस्तारवादी दृष्टिकोण को लेकर पुतिन और जेलेंस्की अजीब सी राजनीतिक और कूटनीतिक परिस्थितियों में एक-दूसरे के सामने खड़े तथा अड़े हैं। अब इस्राइल-हमास युद्ध में भारत की नीति स्पष्ट रूप से आतंकवादी गतिविधियों और उग्रवाद के विरोध में रही है।

भारत ने आतंकवादी संगठन हमास, हिज्बुल्लाह और फिलिस्तीन इस्लामी जिहाद का खुलकर विरोध किया है। दूसरी तरफ इस्राइल की बमबारी से घायल हुए फिलिस्तिनी नागरिकों के लिए सैकड़ो टन खाद्य सामग्री दवाएं और आवश्यक वस्तुएं तत्काल मुहैया कराई है। भारत के संबंध रूस के साथ-साथ जी-7 के सदस्य देश अमेरिका, ब्रिटेन, खंस, इटली जापान, कनाडा और नाटो देशों से भी मधुर हैं। इन परिस्थितियों में अरब देश भारत के प्रति युद्ध विराम की संभावनाओं की तलाश में भारतीय पहल का इंतजार कर रहा है। अब भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ की सभा में जॉर्डन के शांति प्रस्ताव में वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया, 120 देशों के मतों से प्रस्ताव पारित हो गया, 45 देशों ने वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया। चूंकि जॉर्डन हमास को उग्रवादी संगठन नहीं मानता जबकि भारत हमास को कट्टर उग्रवादी मानने की नीति पर चल रहा है। अब भारत के लिए आगे बढ़कर पूरे विश्व का नेतृत्व करने का समय आ गया है। अब तक भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा आहूत शांति प्रयासों तथा शांति निर्वहन संक्रियाओं का समर्थन कर रचनात्मक सहयोग हरसंभव किया है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ के आह्वान पर कोरिया, वियतनाम, लागोस, मिस्त्र, सीरिया, लाइबेरिया, युगोस्लाविया, नामीबिया, सोमालिया, सूडान सहित अनिगनत देशों में अपनी सेनाएं वहां पर शांति बहाली के लिए अलग-अलग समय में उपलब्ध करवाई थी। भारत द्वारा विश्व शांति की स्थापना की दिशा में संयुक्त राष्ट्र संघ शांति अभियानों में अनथक एवं बहुत बड़ा सहयोग किया है। उन्होंने कई देशों के मध्य पर्यवेक्षक की भूमिका भी सफलतापूर्वक निभाई है। इसके अलावा संयुक्त राष्ट्र संघ ने भारत को शांति निरीक्षण आयोगों, समितियों तथा अंतरिम विभास बहाली कार्यक्रमों में बतौर सदस्य नामित भी किया है। इस भूमिका को भी भारत ने बहुत सफलतापूर्वक निर्वहन किया है, वैसे भी भारत की विदेश नीति सदैव वैश्विक विवादों के शांतिपूर्ण समाधान का प्रबल पक्षधर रही है। इसीलिए भारत सरकार ने न सिर्फ संयुक्त राष्ट्र संघ के शांति बहाल अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया बल्कि विश्व के अनेक तनावग्रस्त संकटग्रस्त एवं युद्ध देशों के मध्य अपनी कूटनीतिक राजनैतिक भूमिका भी कर्मठता से निभाई है। संयुक्त राष्ट्र संघ बहुत महत्त्वपूर्ण होकर जटिल भी होते हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में संयुक्त राष्ट्र संघ की हर भूमिका को बड़े ही शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में निपटाने का कार्य बखूबी निभाया है। और भारत राष्ट्र जिस तरीके से आत्मनिर्भर होकर विदेश की सरकारों से अपने संबंध स्थापित किए हैं, उससे यह दिन दूर नहीं जब भारत को संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद में स्थाई सदस्य बनाकर, वैश्विक शांति के लिए शांतिदूत का दर्जा दिया जाएगा।

खतरनाक जेल : जहां सूरज की रोशनी भी नसीब नहीं होती, लोहे के बिस्तर पर सोते हैं कैदी

लंदन -दुनिया में जैसे-जैसे जुर्म बढ़ता जा रहा है, वैसे-वैसे बेहतर और सुरक्षित जेलों की जरूरत पड़ना लाजमी है। ऐसे में कई देशों ने अपने यहां ऐसे स्पेशल जेल बनाए हैं, जिसमें चिड़िया भी परिंदा भी पर नहीं मार सकता। सेंट्रल अमेरिका में मौजूद देश, एल सैलवाडोर भी ऐसा ही एक देश है, जहां एक खास तरह का जेल बनाया गया है। इस जेल में बेहद खूंखार कैदी होते हैं। यूं तो इस जेल में 40 हजार कैदी रह सकते हैं, मगर उनके रहने की जो स्थिति है, वो बेहद बुरी है और

अंदर की तस्वीरें आपको हैरान कर देंगी। इस जेल में 24 घंटे आर्टिफिशियल लाइट जलती है। जो कैदी एक बार इसके अंदर आ जाता है, वो सूरज की रोशनी नहीं देख पाता। कैदियों को चावल, अंडे, पास्ता, आदि जैसी चीजें परोसी जाती हैं, पर उन्हें ये सब हाथ से ही खाना पड़ता है क्योंकि चाकू-छुरी से वो हमला कर सकते हैं। 100 स्क्वायर मीटर के सेल में 2 टॉयलेट और 2 सिंक है जिसे कैदियों को शेयर करना पड़ता है। उन्हें सिर्फ लोहे की पतली चादर से बने बिस्तर पर सोना पड़ता है। उन्हें पूरे दिन में 30 मिनट खाली वक्त मिलता है, जिसमें वो एक्सरसाइज कर सकते हैं। हालांकि, उस दौरान उन्हें डंबल या अन्य जिम के अपकरण नहीं मिलते हैं। ह्यूमन राइट्स ग्रुप्स इसे मानवाधिकार का ब्लैक होल कहते हैं, जो मानवाधिकार के सारे नियमों-अधिकारों को निगल जाता है। इस जेल में देश के खूंखार अपराधी, ड्रग्स तस्कर, हत्यारे आदि मौजूद हैं। उन्हें काबू में करने के लिए सिपाहियों को कई तरह के हथियार दिए गए हैं। कैदियों के शरीर पर उनके गैंग के निशान टैटू के रूप में बने रहते हैं। रिपोर्ट के अनुसार एल सैलवाडोर के टेकोल्यूका शहर में टेररिज्म कंफाइनमेंट सेंटर बनाया गया है। इसका निर्माण जनवरी 2023 में पूरा हुआ था और इस जेल में 40 हजार कैदी रह सकते हैं। देश में जुर्म का स्तर काफी ज्यादा था, इस वजह से वहां के राष्ट्रपति नाएब बुकेले ने प्रण लिया था कि वो अपराध को कम करेंगे। नार्को गैंग पर शिकंजा कस्ते हुए उनके राज में ताबड़तोड़ छापेमारी और गिरफ्तारियां हुईं। जिसके बाद बीते 20 महीनों में 70 हजार से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया। अधिकतर कैदियों को इस जेल में डाला गया। ये एक अभेद्य किला है, जिसके अंदर किसी बहारी के लिए घुस पाना, या कैदियों के लिए बाहर निकल पाना असंभव है।

गाजा में 8 इजराइली सैनिक मारे गए, बख्तरबंद टैंक में विस्फोट

तेल अवीव। दक्षिणी गाजा के राफा इलाके में शनिवार को हुए विस्फोट में 8 इजराइली सैनिक मारे गए। इजराइल डिफेंस फोर्स के मुताबिक, ये सभी सैनिक नेमर नाम के बख्तरबंद कॉम्बैट इंजीनियरिंग व्हीकल के अंदर थे। जनवरी में गाजा में एक ब्लास्ट में 21 इजराइली सैनिक मारे गए थे, उसके बाद यह पहला ऐसा हादसा है जिसमें इतनी बड़ी संख्या में सैनिक मारे गए हैं। आईडीएफ ने बताया कि हादसा स्थानीय समय के मुताबिक सुबह करीब 5:15 बजे हुआ। राफा के तल अल-सुल्तान इलाके के उत्तरपश्चिमी हिस्से में हमास के आतंकी ठिकानों को तबाह करने निकली इजराइली सेना की एक टुकड़ी करीब 50 आतंकियों को मारकर लौट रही थी। तभी काफिले का एक वाहन ब्लास्ट की चपेट में आ गया। आईडीएफ के प्रवक्ता डेनियल हगारी ने बताया कि अब तक हमें जो जानकारी मिली है उसके मुताबिक यह ब्लास्ट इलाके में प्लांट किए गए विस्फोटकों में हुआ या सेना के काफिले की तरफ एंटी-टैंक मिसाइल फायर की गई थी। ब्लास्ट इतना भीषण था कि मरने वाले सैनिकों में से सिर्फ एक की पहचान हो सकी है।

48 साल के शख्स के 165 बच्चे

न्यूयार्क। अमेरिका के ब्रुकलिन में रहने वाले 48 साल के एरी नेगल के पूरी दुनिया में 165 बच्चे हैं। नेगल पेशे के मैथ्स के प्रोफेसर हैं, जो स्पर्म डोनेट करने का काम करते हैं। वे अब तक अमेरिका, यूरोप, एशिया और अफ्रीका समेत दुनिया के हर कोने में महिलाओं को स्पर्म डोनेट कर चुके हैं। इस वजह से उन्हें स्पर्मिनेटर का टैग भी दिया गया है। फादर्स डे से 4 दिन पहले 12 जून को नेगल की 165वीं संतान का जन्म हुआ। उन्होंने कहा है कि जब मैं 50 साल का हो जाउंगा तब स्पर्म डोनेट करना बंद कर दूंगा। ऐसा इसलिए क्योंकि उन्हें डर है कि 50 की उम्र में स्पर्म डोनेट करने से ऑटिज्म जैसी गंभीर मानसिक बीमारी का खतरा हो सकता है।

जापान में फैला मांस खाने वाला घातक बैक्टीरिया, महज 2 दिन में ले सकता है लोगों की जान

नई दिल्ली। जापान में एक दुर्लभ मांस खाने वाले बैक्टीरिया से होने वाली बीमारी फैल रही है, जो 48 घंटों के भीतर लोगों की जान ले सकती है। यह बीमारी जापान में कोविड-काल के प्रतिबंधों में ढील देने के बाद फैल रही है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फेक्शियस डिजीज के अनुसार, स्ट्रेप्टोकोकल टॉक्सिक शॉक सिंड्रोम (एसटीएसएस) एक आक्रामक बीमारी है जो संक्रमण के 48 घंटों के भीतर घातक हो सकती है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंफेक्शियस डिजीज के अनुसार, इस साल 2 जून तक जापान में एसटीएसएस के 977 मामले सामने आए हैं, जो पिछले साल दर्ज किए गए रिकॉर्ड 941 मामलों से ज्यादा है। यह संस्थान 1विनोद उपाध्याय / 16 जून, 2024 से इस बीमारी के मामलों पर नजर रख रहा है।

बीमारी के लक्षण- ग्रुप ए स्ट्रेप्टोकोकस (जीएएस) आमतौर पर बच्चों के गले में सूजन और गले में खराश पैदा करता है, जिसे स्ट्रेप थ्रोट के रूप में जाना जाता है। ब्लूमबर्ग के अनुसार, कुछ प्रकार के बैक्टीरिया के कारण लक्षण तेजी से विकसित हो सकते हैं, जिसमें अंगों में दर्द और सूजन, बुखार, लो ब्रेड प्रेशर शामिल हैं, जिसके बाद नेक्रोसिस, सांस लेने में समस्या, ऑर्गन फेल्योर और मौत तक हो सकती है। टोक्यो महिला चिकित्सा विश्वविद्यालय में संक्रामक रोगों के प्रोफेसर केन किकुची ने बताया कि अधिकांश मौतें 48 घंटों के भीतर हो रही है। जैसे ही मरीज को सुबह पैर में सूजन दिखती है, दोपहर तक यह घुटने तक फैल सकती है और 48 घंटों के भीतर उनकी मौत हो सकती है।

30 फीसदी तक पहुंच सकती है मृत्यु दर- 50 से अधिक उम्र के लोगों में इस बीमारी का खतरा अधिक होता है। किकुची ने बताया कि संक्रमण की मौजूदा दर पर, जापान में इस साल मामलों की संख्या 2,500 तक पहुंच सकती है और मृत्यु दर 30 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। किकुची ने लोगों से हाथ की स्वच्छता बनाए रखने और किसी भी खुले घाव का इलाज करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा है कि मरीजों की आंतों में ग्रुप ए स्ट्रेप्टोकोकस हो सकता है, जो मल के जरिए हाथों को दूषित कर सकता है। ब्लूमबर्ग के अनुसार, जापान के अलावा, कई अन्य देशों में भी हाल ही में स्ट्रेप्टोकोकल टॉक्सिक शॉक सिंड्रोम के प्रकोप के मामले सामने आए हैं। 2022 के अंत में, कम से कम पांच यूरोपीय देशों ने विश्व स्वास्थ्य संगठन को इनवेसिव ग्रुप ए स्ट्रेप्टोकोकस बीमारी के मामलों में हो रही बढ़ोतरी की सूचना दी थी।

आतंकी हमले में सोमालिया के 8 जवान शहीद, 11 घायल

मोगादिशु। सोमालिया के खाड़ी क्षेत्र में सड़क किनारे हुए विस्फोट में एक वरिष्ठ कमांडर समेत सोमाली राष्ट्रीय सेना के 8 सैनिकों की मौत हो गई और 11 घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस हमले की जिम्मेदारी अल-शबाब ने ली है। सोमालिया सरकार ने अल-कायदा से जुड़े इस आतंकवादी संगठन के खिलाफ हमले तेज कर दिए हैं। एसएनए के रक्षा बल के प्रमुख इब्राहिम शेख मुहिदीन ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि सेना कमांडर मोहम्मद ढेरे ने सेक्टर 60 में सोमालिया सेना की आठवीं बटालियन का नेतृत्व कर रहे थे। इस दौरान सैन्य वाहन एक विस्फोटक उपकरण की चपेट में आ गया, जिससे कमांडर समेत 8 जवानों की मौत हो गई। इस विस्फोट में 11 जवान घायल हुए हैं। मुहिदीन ने कहा कि यह घटना जिरागारोब गांव के पास हुई। यह गांव बेरडेल शहर के बाहरी इलाके में अल-शबाब चरमपंथी समूह का गढ़ है।

बाली, इंडोनेशिया में बाली कला महोत्सव 2024 के दौरान परेड करते कलाकार। इस वर्ष का बाली कला महोत्सव 15 जून से 13 जुलाई तक आयोजित किया गया है।

सुनीता विलियम्स की पृथ्वी पर वापसी 22 जून तक टली, नासा ने दूसरी बार टाली स्टारलाइनर की लैंडिंग

वॉशिंगटन। भारतीय मूल की एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर की इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से पृथ्वी पर वापसी 22 जून तक टल गई है। ये दूसरा मौका है जब इन दोनों एस्ट्रोनॉट्स की वापसी को टाला गया है। पहली घोषणा 9 जून को की गई थी, जिसमें बताया गया था कि विल्मोर और विलियम्स की वापसी को 18 जून तक आगे बढ़ाया गया है। बोइंग का स्टारलाइनर मिशन बुधवार 5 जून को रात 8:22 बजे लॉन्च हुआ था। फ्लोरिडा के केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन से यूएलए के एटलस वी रॉकेट से लॉन्च किया गया था। स्पेसक्राफ्ट अगले दिन यानी, 6 जून को रात 11:03 बजे आईएसएस पहुंचा था।

इसे रात 9:45 बजे पहुंचना था, लेकिन रिएक्शन कंट्रोल थ्रस्टर में परेशानी आ गई थी। विल्मोर और विलियम्स स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट और उसके सब सिस्टम की टेस्टिंग के लिए करीब एक हफ्ते तक स्पेस स्टेशन में रहने वाले थे, लेकिन दो बार देरी के कारण अब मिशन ड्यूरेशन करीब 2 हफ्ते का हो गया है। नासा के अधिकारी 22 जून को एस्ट्रोनॉट्स की वापसी से पहले दक्षिण-पश्चिमी अमेरिका में लैंडिंग लोकेशन्स मौसम की स्थिति का आकलन करेंगे।

मिलकर काम करने को प्रतिबद्ध, पीएम मोदी से मुलाकात के बाद कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो ने क्या कुछ कहा?

बारी (इटली) (एजेंसी)। द्विपक्षीय संबंधों में तनाव के बीच, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो ने शनिवार को कहा कि जी7 शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उनकी मुलाकात के बाद कुछ ''बहुत महत्वपूर्ण मुद्दों'' से निपटने के लिए भारत के साथ मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता है। मोदी ने शुक्रवार को दोनों नेताओं के हाथ मिलाने की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट की, जिसमें कहा गया है, ''जी 7 शिखर सम्मेलन में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो से मुलाकात की।''

दक्षिणी इटली के अपुलिया में जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान हुई यह बैठक खालिस्तान समर्थक चरमपंथ को लेकर तनावपूर्ण राजनयिक संबंधों के बीच पहली बैठक है। इससे पहले, टूडो ने आरोप लगाया था कि कनाडाई अधिकारी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत सरकार की संलिप्तता से संबंधित ''विश्वसनीय आरोपों की सक्रियता से'' जांच कर रहे हैं।

पिछले वर्ष कनाडा द्वारा लगाये गए आरोपों को विदेश मंत्रालय ने ''बेतुका और प्रेरित'' बताते हुए दृढ़तापूर्वक खारिज कर दिया था। टूडो ने शनिवार को तीन दिवसीय जी7 शिखर सम्मेलन के समापन पर संवाददाता सम्मेलन में संवाददाताओं से कहा, ''मैं इस महत्वपूर्ण, संवेदनशील मुद्दे के विवरण में नहीं जाऊंगा, जिस पर हमें आगे काम करने की आवश्यकता है। लेकिन यह आने वाले समय में कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दों से निपटने के लिए एक साथ काम करने की प्रतिबद्धता है।''

शुक्रवार शाम बैठक के तुरंत बाद, कनाडा के प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि नेताओं ने ''द्विपक्षीय संबंधों पर संक्षिप्त चर्चा'' की, जिस दौरान टूडो ने मोदी को उनके पुनः निर्वाचित होने पर बधाई भी दी। कनाडा की प्रेस समाचार एजेंसी ने प्रवक्ता एन-क्लारा वैलानकोर्ट के हवाले से कहा, ''बेशक, इस समय हमारे दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। आप समझ सकते हैं कि हम इस समय कोई और बयान नहीं देंगे।''

भारत का कहना रहा है कि दोनों देशों के बीच मुख्य मुद्दा यह है कि कनाडा अपने भू-भाग से संचालित हो रहे खालिस्तान समर्थक तत्वों को जगह दे रहा है। भारत ने कनाडा को बार-बार अपनी ''गहरी चिंताओं'' से अवगत कराया है और नयी दिल्ली को उम्मीद है कि ओटावा उन तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगा।

अमेरिका चाहता है कि ताइवान पर हमला करे चीन: शी जिनपिंग

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिका पर बड़ा आरोप लगाया है। राष्ट्रपति का दावा है कि अमेरिका ताइवान से युद्ध करने के लिए चीन को उकसा रहा है वो चाहता है कि चीन ताइवान पर हमला कर दे। रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि चीनी राष्ट्रपति का मानना था कि अमेरिका चाहता है कि चीन ताइवान पर हमला कर दे। रिपोर्ट के मुताबिक चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग ने यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन को बताया कि अमेरिका ताइवान पर हमले के लिए चीन को उकसाने की कोशिश कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया कि जिनपिंग ने अपने घरेलू अधिकारियों को भी चेतावनी दी है।

शी ने अप्रैल 2023 में वॉन डेर लेयेन के साथ मीटिंग की थी। रिपोर्ट में कई लोगों के बयान के आधार पर बताया गया कि जिनपिंग ने कहा कि अमेरिका चीन को ताइवान पर हमला करने के लिए बरगलाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन वह ऐसा नहीं करेगा। एक अन्य व्यक्ति ने कहा कि जिनपिंग ने अपने अधिकारियों को भी इस तरह की चेतावनी दी थी। यह खुलासा ताइवान को लेकर शी के विचारों के बारे में बताता है, जो अमेरिका-चीन के बीच सबसे तनावपूर्ण मुद्दा है। रिपोर्ट के मुताबिक शी जिनपिंग ने यह भी कहा कि अमेरिका के साथ संघर्ष से चीन की कई उपलब्धियां नष्ट हो जाएंगी। इससे 2049 तक एक बड़ा कायाकल्प करने का उनका लक्ष्य कमजोर होगा। यह खुलासा तब हुआ है जब ताइवान जलडमरू मध्य में तनाव बढ़ने लगा है। चीन ने मई में ताइवान के नए राष्ट्रपति के पद संभालने के जवाब में द्वीप के चारों ओर सैन्य अभ्यास किया था। ताइवान संबंध अधिनियम के तहत ताइवान को रक्षा प्रदान करना अमेरिका का दायित्व है। कुछ चीनी शिक्षाविदों और रिटायर्ड सैन्य अधिकारियों ने दावा किया कि अमेरिका ताइवान को हथियार देकर चीन को सैन्य टकराव में फंसाने के लिए अन्य उपाय करके बीजिंग को उकसाने में लगा है। जनवरी में एशिया सोसायटी में बोलते हुए वॉशिंगटन में पूर्व चीनी राजदूत कुई तियानकाई ने अमेरिका के परोक्ष संदर्भ में कहा, चीन उस जाल में नहीं फंसेगा जो हमारे लिए बनाया जा रहा है। वॉन डेर लेयेन को कही गई बातें जिनपिंग का पहला ज्ञात मामला माना जा रहा है।

विदेशी सहायता, आईएमएफ पैकेज पर निर्भरता समाप्त करने को प्रतिबद्ध : पीएम शहबाज शरीफ

इस्लामाबाद। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने विदेशी सहायता और अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) राहत पैकेज पर पाकिस्तान की निर्भरता समाप्त करने और आर्थिक गतिविधियों में पड़ोसी देशों से आगे निकलने की प्रतिबद्धता जताई है। उन्होंने नकदी संकट से जूझ रही सरकार के खर्चों को कम करने और अर्थव्यवस्था को फिर खड़ा करने के लिए कई साहसिक सुधारों की रूपरेखा पेश की है। शरीफ ने शनिवार को राष्ट्र को संबोधित करते हुए उम्मीद जताई कि राहत पैकेज के लिए आईएमएफ के साथ अगला समझौता पाकिस्तान के इतिहास में आखिरी होगा। शरीफ अपनी सरकार के 100 दिन पूरे होने पर राष्ट्र को संबोधित कर रहे थे। पाकिस्तान सरकार वर्तमान में आईएमएफ के साथ छह से आठ अरब डॉलर के कर्ज के लिए बातचीत कर रही है। पाकिस्तान धीमी गति से चल रही अर्थव्यवस्था में चूक को रोकने का प्रयास कर रहा है। शरीफ ने जोर देकर कहा कि हर पैसा देश और उसके लोगों की प्रगति पर खर्च किया जाएगा। उन्होंने खर्च कम करने और पांच साल के भीतर युवाओं को शिक्षा और कौशल प्रदान करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

इंसानों के रुप में हमारे ही बीच रह रहे हैं एलियन : हार्वर्ड यूनिवर्सिटी

हार्वर्ड (एजेंसी)। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की एक हालिया स्टडी में दावा किया गया है कि एलियन हमारे बीच रहे हैं, शायद वे ज़मीन के नीचे या चांद पर रहते हों। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के ह्यूमन फ्लोरिशिंग प्रोग्राम ने यह भी कहा है कि यूएफओ अंतरिक्ष यान हो सकते हैं जो पृथ्वी पर रहने वाले अपने किसी एलियन दोस्तों से मिलने आते हैं। अध्ययन में बताया गया है कि 'अज्ञात असामान्य घटना जिन्हें आम तौर पर यूएफओ और परग्रह प्राणी कहा जाता है, वे शायद चांद की निचली सतह में रहते हों या यहां तक कि हमारे बीच घूमते हों। इस शोध में इस विचार को भी परखा गया है कि यूएफओ पृथ्वी पर रहने वाले अपने 'एलियन दोस्तों' से मिलने के लिए आने वाले अंतरिक्ष यान हो सकते हैं। हार्वर्ड वाले यह भी मानते हैं कि कुछ और सबूत और कहानियां हैं जो बताती हैं कि शायद धरती पर ही कई बुद्धिमान जीव रहते हैं, जिन्हें हम नहीं जानते। इन जीवों को छिपे हुए धरतीवासी (क्रिप्टोटेरेस्ट्रियल) का

नाम दिया गया है। ये तो मानो धरती के देवदूत हैं! ये प्राणी टेक्नोलॉजी की बजाय जादू का इस्तेमाल करते हैं और इंसानों से मेलजोल रखते हैं, बिल्कुल परियों या बौनों जैसा। लेकिन, ये कहानी थोड़ी अजीब जरूर लगती है, खासकर उन लोगों को जो सिर्फसाइंस की ही बात मानते हैं। अध्ययन करने वाले मानते हैं कि ज्यादातर वैज्ञानिक उनके इस शोध को शायद ही गंभीरता से लें। फिर भी, वो वैज्ञानिक समुदाय से गुजारिश करते हैं कि वे उनके दावों पर ÷खुले दिमाग और ज्ञान को स्वीकारने की भावना÷ के साथ विचार करें। बताया जा रहा है कि इस शोध पत्र की अभी तक किसी और वैज्ञानिक ने जांच नहीं की है।

दक्षिणी गाजा में 10 लाख विस्थापित फंसे, खाना और पानी तक नहीं हो रहा नसीब

गाजा (एजेंसी)। दक्षिणी गाजा में दस लाख विस्थापित लोग साफ पानी या बुनियादी मानवीय सुविधाओं के बिना फंसे हुए हैं और विनाश का स्तर चौंकाने वाला है। संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) के उप कार्यकारी निदेशक कार्ल स्काउ का कहना है कि इलाज से जुड़े सूत्रों ने अल जजीरा को बताया कि शुक्रवार को गाजा में 25 फिलिस्तीनी मारे गए। गाजा शहर के तुफ्फाह इलाके के पड़ोस में एक हमले में एक शिशु की मौत हो गई, जहां 30 लोग घायल भी हुए।

गाजा में एक और फिलिस्तीनी किशोर की भूख से मौत हो गई है। 14 साल का फिलिस्तीनी लड़का मुस्तफा गाजा में कुपोषण से मरने वाला नया पीड़ित है। किशोर के माता-पिता फ़िलिस्तीनी इलाके पर इजरायल के हमले के कारण उत्तरी गाजा से

विस्थापित हुए थे। गाजा में स्वास्थ्य अधिकारियों ने इजरायली सेना पर खाने-पीने के सामानों को रोकने का आरोप लगाया है, जो युद्धग्रस्त क्षेत्र में बच्चों को भूख से बचा सकते थे। मुस्तफा उन 28 बच्चों में से एक है, जो अब गाजा में इजरायल के हमले के कारण फैली भुखमरी के कारण मर गए हैं। अगर जल्द ही गाजा में खाने-पीने का समान नहीं पहुंचाया गया तो उसकी एक बड़ी आबादी भूख और कुपोषण से मर जाएगी। गाजा में कुपोषण बढ़ने की उम्मीद है, और विश्व खाद्य कार्यक्रम ने नवंबर की शुरुआत में ही चेतावनी दे दी थी कि कुपोषण बढ़ रहा है और गाजा में आपातकालीन सहायता की आवश्यकता है। वहीं हमास की हथियारबंद शाखा कस्साम ब्रिगेड का कहना है कि इजरायली सेना के हवाई हमलों में गाजा पट्टी में समूह द्वारा पकड़े गए दो इजरायली बंदी मारे गए हैं। इटली में शिखर सम्मेलन के समापन पर जी-7 के नेताओं ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र की फिलिस्तीनी शरणार्थी एजेंसी को गाजा में बिना किसी बाधा के काम करने की अनुमति दी जानी चाहिए। गौरतलब है कि 7 अक्टूबर से गाजा पर इजरायल के युद्ध में कम से कम 37,266 लोग मारे गए हैं और 85,102 घायल हुए हैं। हमास के हमलों में इजरायल में मरने वालों की संख्या 1,139 है और दर्जनों लोग अभी भी गाजा में बंदी हैं।

पाकिस्तान में खूब बढ़ रहे हैं गधे, इनसे चाइनीज का है बड़ा कनेक्शन

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में पिछले तीन-चार सालों में देश में गधों की आबादी में लगातार बढ़ोतरी देखी गई है। पाकिस्तान में गधों की संख्या तेजी से बढ़कर 59 लाख तक पहुंच गई है। पाकिस्तान में हुए 2023-24 के इकोनॉमिक सर्वे में यह बात सामने आई है। पाकिस्तान में गंधों की संख्या में 1।74 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। जारी आंकड़ों से पता चलता है कि 'बोझ ढोने वाले जानवरों' की संख्या 2019-2020 में 55 लाख थी। यह संख्या 2020-21 में 56 लाख, 2021-22 में 57 लाख और 2022-23 में 58 लाख थी। पाकिस्तान में गधों की बढ़ती संख्या का एक कारण उसका सदाबहार सहयोगी चीन है। पाकिस्तान के लिए गधे बढ़ना विदेशी मुद्रा कमाने का एक मौका भी है। पाकिस्तान से चीन हर साल बड़ी संख्या में गधे मंगवाता है।रिपोर्ट के अनुसार, देश में स्थानीय मांग बढ़ने और उत्पादन कम होने के कारण चीन दूसरे देशों से गधों और कुत्तों का आयात करना चाह रहा था। औसतन हर साल 5 लाख गधे चीन को बेचे जाते हैं। इन गधों का इस्तेमाल चीन में मीट, शक्तिवर्धक औषधियों से लेकर पहाड़ी इलाकों में सामान ढोने के लिए किया जाता है।

पाकिस्तान सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था में मदद करने के लिए गधों का निर्यात करने के इरादे से अपने पंजाब प्रांत के ओकारा जिले में 3,000 एकड़ से अधिक का एक फार्म भी स्थापित किया था। अपनी तरह के पहले सरकारी स्वामित्व वाले फार्म का उपयोग चीन और अन्य देशों में निर्यात बढ़ाने के लिए अमेरिकी सहित अच्छी नस्ल के गधों को पालने के लिए किया जाता है। चीन पहले अपने गधों का स्टॉक नाइजर और बुर्किना फासो से आयात करता था, जब तक कि दोनों पश्चिमी अफ्रीकी देशों ने उनके निर्यात पर प्रतिबंध नहीं लगा दिया था। गधे कई पाकिस्तानियों की आखिरी उम्मीद हैं, खास करके उन लोगों के लिए जो ग्रामीण इलाकों में रहते हैं। ग्रामीण इलाकों में अर्थव्यवस्था इन जानवरों के साथ गहराई तक जुड़ी हुई है। पाकिस्तान के ग्रामीण इलाकों में गधों का बेहद महत्व है। वे इन इलाकों की अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान देते हैं। इन्हें कृषि से जुड़े कार्यों व यातायात के साधन के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।

स्मृति मंधाना का बड़ा शतक, 143 रन से जीती टीम इंडिया

बेंगलुरु (एजेंसी)। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना के छठे शतक से टीम इंडिया ने बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका टीम के खिलाफ खेला गया पहला वनडे मुकाबला 143 रनों से जीत लिया। भारतीय टीम पहले खेलते हुए एक समय 99 रन पर 5 विकेट गंवा चुकी थी लेकिन मंधाना ने 127 गेंद में 117 रन की पारी खेल टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। उन्होंने अपनी पारी में 12 चौके और एक छक्का लगाया। दीप्ति ने 37 तो पूजा वस्त्राकर ने 31 रन बनाए। जवाब में खेलने उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम 122 रनों पर ऑल आऊट हो गई।

इससे पहले भारतीय शीर्ष क्रम की बल्लेबाज शेफाली वर्मा (सात), कप्तान हरमनप्रीत कौर (10) और जेमिमा रोड्रिग्स (17) ने आसानी से विकेट गंवा दिए लेकिन मंधाना ने एक छोर संभाले रखा। भारत ने ऋचा घोष (तीन) के रूप में अपना 5वां विकेट गंवाया था। बाएं हाथ की बल्लेबाज मंधाना ने 61 गेंद में अपना पचासा पूरा किया। इस दौरान उन्हें दीप्ति का साथ मिला। मंधाना तेज गेंदबाज क्लास को छक्का जड़कर 99 रन के स्कोर पर पहुंची। उन्होंने अगली गेंद पर एक रन दौड़कर 116 गेंद में अपना शतक पूरा किया। शतक पूरा करने के बाद उन्होंने खाका के खिलाफ 2 चौके जड़ रन गति बढ़ाई। अंत में शोभना आशा (नाबाद 8) ने आखिरी ओवर में चौके के साथ टीम को 260 रन के पार पहुंचाया।

कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट टीम को अच्छी शुरूआत नहीं दे पाई और पहले ही ओवर में 4 रन बनाकर रेणुका ठाकुर सिंह का शिकार हो गई। छठे ओवर में एनेके बॉश (5) को पूजा ने शिकार बनाया। 11वें ओवर में दीप्ति शर्मा ने स्ट्राइक करते हुए तजमीन ब्रिट्स (18) की विकेट ली। सुन लुस ने 58 गेंदों पर 33 तो मेरिजाना कैप ने 39 गेंदों पर 24 रन बनाए। अंत में विकेटकीपर सिनालो जाफ्टा ने 27 रन बनाए लेकिन यह टीम के काम नहीं आ सके। इससे टीम को 143 रन से हार मिली। भारत की ओर से आशा शोभना ने 21 रन देकर 4 विकेट लीं। इसी तरह दीप्ति शर्मा को दो तो रेणुका, पूजा और राधा यादव को 1-1 विकेट मिली।

लवलीना ग्रां प्री मुक्केबाजी में ली कियान से हारी, रजत पदक से करना पड़ा संतोष

नई दिल्ली (एजेंसी)। तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन चेक गणराज्य के उस्ती नाद लाबेम में आयोजित ग्रां प्री में महिलाओं के 75 किग्रा में चीन की ली कियान से हार गईं और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुकी लवलीना को शनिवार देर रात मौजूदा एशियाई खेलों की चैंपियन के खिलाफ अपने अंतिम मुकाबले में 2-3 के विभाजित फैसले से हार का सामना करना पड़ा। विश्व चैम्पियनशिप में तीन स्वर्ण के साथ दो बार की ओलंपिक पदक विजेता कियान ने पिछले साल एशियाई खेलों के फाइनल में भी लवलीना को शिकस्त दी थी। लवलीना ने कहा कि उन्हें इस प्रतियोगिता में भाग लेने से पेरिस ओलंपिक में मदद मिलेगी। खेल मंत्री मनसुख मांडविया द्वारा 'एक्स' पर पोस्ट वीडियो में इस 26 साल की मुक्केबाज ने कहा, 'इस प्रतियोगिता में भाग लेना मेरे लिए बहुत अच्छा अनुभव रहा है। जहां तक मेरी तैयारी का सवाल है, ओलंपिक से पहले यह टूर्नामेंट मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण था। इससे मुझे फायदा होगा। मैं भारतीय मुक्केबाजी महासंघ, टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) और भारत सरकार का शुक्रिया करना चाहूंगी।' मांडविया ने इस वीडियो के साथ लवलीना के प्रदर्शन की सराहना करते हुए लिखा, 'ग्रां प्री 2024 में रजत पदक जीतने के लिए लवलीना को बधाई। उन्होंने शानदार कौशल का प्रदर्शन किया। मुक्केबाजी रिंग में उनकी सफलता आने वाले खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा है। भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।' विश्व मुक्केबाजी के तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट में महिलाओं के 75 किग्रा वर्ग में लवलीना और कियान के अलावा रिफ्यूजी मुक्केबाजी टीम की सिंडी नगांबा और इंग्लैंड की चैंटल रीड ने हिस्सा लिया था। इन चार मुक्केबाजों के बीच राउंड रॉबिन प्रारूप में मुकाबला आयोजित किया गया। लवलीना इस दौरान तीन मुकाबलों में से केवल एक जीत हासिल कर पाईं। असम की मुक्केबाज ने नगांबा और कियान से हारने से पहले रीड के खिलाफ जीत दर्ज की थी। वह इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाली भारत की इकलौती खिलाड़ी है।

ट्रेंट बोल्ट के अंतिम मैंच में पापुआ न्यू गिनी को हराने उतरेगी न्यूजीलैंड

टरूबा (एजेंसी)। पिछले 10 वर्षों में पहली बार सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हुई न्यूजीलैंड की टीम पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ मैच में बड़ी जीत दर्ज करके टी20 विश्व कप में अपने अभियान का समापन करने के लिए उतरेगी। न्यूजीलैंड का आईसीसी की प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन रहा है, लेकिन कीवि टीम ने शुरू में खराब प्रदर्शन किया, इससे टीम सुपर-8 में जगह नहीं बना सकी।

न्यूजीलैंड की टीम के लिए यह मैच इसलिए महत्वपूर्ण बन गया है, क्योंकि उसके तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने पुष्टि कर दी है कि यह टी20 विश्व कप में उनका आखिरी मैच होगा। इसके बाद केन विलियमसन की अगुवाई वाली टीम अपने इस तेज गेंदबाज को जीत से विदाई देना चाहेगी। पापुआ न्यू गिनी की टीम ने अभी तक अपने तीनों मैच गंवाए हैं और अगर उसकी टीम न्यूजीलैंड के सामने थोड़ा भी चुनौती पेश करती है, तब यह उसके लिए काफी मायने रखेगा।

टीम इस प्रकार हैं

न्यूजीलैंड = केन विलियमसन (कप्तान), फिन एलन, ट्रेंट बोल्ट, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे (विकेट कीपर), लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, डेरिल मिशेल, जिमी नीशम, ग्लेन फिलिप्स (विकेट कीपर), रचिन रवींद्र, मिशेल सेंटनर, ईश सोढ़ी, टिम साउथी।

पापुआ न्यू गिनी =असदुल्ला वाला (कप्तान), एली नाओ, चाड सोपर, सीजे अमिनी, हिला वेरे, हिरी हिरी, जैक गार्डनर, जॉन कारिको, कबुआ वागी मोरिया, किपलिंग डोरिगा (विकेट कीपर), लेगा सियाका, नॉर्मन वनुआ, सेमा कामिया, सेसे बाउ, टोनी उरा।

सुपर-8 की तस्वीर साफ... रोहित सेना को देना होगा विरोधियों को मात

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप में भारत ग्रुप ए में टॉप रहने के साथ लीग स्टेज का अंत कर चुका है। भारत ने चार में से तीन मैच जीते जबकि कनाडा के खिलाफ आखिरी मैच बारिश के चलते रद्द हो गया। इसके साथ सुपर-8 की तस्वीर भी साफ हो गई है। भारत ग्रुप-1 में होगा और उसके साथ ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान का मैच होना तय है। वहीं ग्रुप-2 में द.अफ्रीका, वेस्टइंडीज और अमेरिका की जगह पक्की हो चुकी है। भारत के ग्रुप में चौथी टीम बांग्लादेश या नीदरलैंड्स में से एक होगी। यानी ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान वे दो टीमें हैं, जिससे रोहित सेना को सतर्क रहने की जरूरत है। इस ग्रुप से दो टीमें ही सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगी। अफगानिस्तान को कहीं से भी कमजोर नहीं आंका जा सकता जो न्यूजीलैंड को हराकर यहां तक पहुंचा है। इसके बाद टीम रोहित को अपने बेस्ट कॉम्बिनेशन के साथ ही उतरना होगा, वरना यहां विपक्षी टीमें खराब शुरुआत से टीम इंडिया को उबरने का मौका शायद ही दें।

सुपर 8 में भारत के मैंच अफगानिस्तान के साथ 20 जून को बारबाडोस में, दूसरा मैच 22 जून को एंटीगुआ में पूल डी की दूसरे नंबर की टीम से जो की बाग्लादेश या नीदरलैंड हो सकती हैं तथा तीसरा मैच 24 जून को ऑस्ट्रेलिया से सेंट लुसिया में खेला जाना हैं। सबसे पहले सुपर-8 में क्वालीफाई करने वाली साउथ अफ्रीकी टीम ग्रुप-2 में सबसे ऊपर है। इसके बाद दोनों मेजबान टीम यानी वेस्टइंडीज और अमेरिका का नंबर आता है। आखिरी पोजिशन पर इंग्लैंड ने क्वालिफाई किया। अगर मौसम बेइमान न होता तब अमेरिका की जगह पाकिस्तान सुपर-8 में पहुंच सकता था। साउथ अफ्रीका ग्रुप डी से क्वालीफाई की। ग्रुप सी से वेस्टइंडीज आगे आई।

सुपर-8 के ग्रुप-1 में भारत के साथ ऑस्ट्रेलिया एकमात्र मजबूत टीम है। अफगानिस्तान और बांग्लादेश या नीदरलैंड्स को हराने में ज्यादा दिक्कत नहीं होनी चाहिए। अगर कोई उलटफेर नहीं हुआ, तब भारत का सेमीफाइनल में पहुंचना लगभग तय है। पहले राउंड के पॉइंट्स या नेट रन रेट का सुपर आठ स्टेज में कोई फायदा नहीं मिलने वाला, यहां सभी टीमें समान स्तर पर शुरुआत करेंगी। हर सुपर आठ ग्रुप की से टॉप दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। पहला सेमीफाइनल 26 जून को त्रिनिदाद में है और दूसरा सेमीफाइनल 27 जून को गुयाना में है। टी-20 विश्व कप का फाइनल 29 जून को बारबाडोस में होना है।

सुपर आठ में बेहतर प्रदर्शन करेंगे विराट : बांगड़

नई दिल्ली (ईएमएस)। पूर्व क्रिकेटर संजय बांगड़ ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली आने वाले सुपर आठ के मैचों में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। विराट अमेरिका में हुए मुकाबलों में असफल रहे हैं। विराट यहां एक बार भी दो अंकों तक नहीं पहुंच पाये हैं। अमेरिका की उछाल भरी पिचों पर उनके खराब प्रदर्शन से प्रशंसकों को निराशा हुई है। बांगड़ ने हां, मैं मानता हूं कि विराट ने न्यूयॉर्क लेग में रन नहीं बनाए हैं पर अन्य बल्लेबाज भी वहां की पिच पर संघर्ष करते दिखे हैं। न्यूयार्क की पिच पर खेलना कठिन था। भारतीय बल्लेबाजों को अमेरिका के खिलाफ पिछले मुकाबले में भी थोड़ा संघर्ष करना पड़ा था हालांकि इस दौरान भारतीय गेंदबाजों ने अपने प्रदर्शन से टीम को जीत दिलायी थी। बांगड़ ने टीम की गेंदबाजी की सराहना करते हुए कहा कि उससे टीम को पाकिस्तान के खिलाफ 119 रन के सामान्य स्कोर का भी बचाव करने में सहायता मिली। उन्होंने कहा कि जाहिर है, हर कोई या सभी गेंदबाज अपनी भूमिका निभाना चाहते हैं। सभी गेंदबाज अपना काम कर रहे हैं। इसी से टीम को लाभ हो रहा है। मैं वास्तव में नहीं जानना चाहता हूं कि यहां नंबर एक कौन है, नंबर दो कौन है। यह भारतीय टीम के लिए अच्छा संकेत है कि सभी गेंदबाज एक साथ आ रहे हैं और प्रदर्शन कर रहे हैं। बांगड़ ने आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार की तारीफ करते हुए कहा कि जिस तरह उसने लक्ष्य का पीछा करते समय अपनी बल्लेबाजी से टीम को संभाला।

सुपरआठ में अब रोमांचक क्रिकेट देखने को मिलेगा : युवराज

न्यूयॉर्क। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने कहा है कि अब सुपर 8 के मुकाबले रोमांचक होंगे और हर टीम के पास सेमीफाइनल के लिए प्रवेश का अवसर रहेगा। इस बार टी20 विश्कप में नई टीमों ने सभी को हैरान करते हुए शानदार क्रिकेट खेला है। यहां तक कि दिग्गज टीमों को भी जीत के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ा है। कुछ उलटफेर भी हुए हैं। इसी को लेकर युवराज ने कहा कि बड़े

टूर्नामेंटों में उलटफेर होते रहते हैं। इसलिए किसी भी टीम को हल्के में नहीं लिया जा सकता है। विश्वकप में इस बार जहां सहमेजबान अमेरिका के अलावा अफगानिस्तान की टीम सुपर आठ में पहुंची है। वहीं न्यूजीलैंड और पाकिस्तान बाहर हो गयी है। सह-मेजबान अमेरिका ने एक मुकाबले में 2009 के चैंपियन पाकिस्तान को हराया जबकि अफगानिस्तान ने न्यूजीलैंड पर जीत हासिल की। युवराज ने कहा, विश्व कप में उलटफेर होते हैं। हमने अब तक कुछ उलटफेर देखे हैं, इसलिए किसी भी टीम को हल्के में नहीं लिया जा सकता। साथ ही कहा कि अमेरिकी पिच पर हुई परेशानी को लेकर युवराज ने कहा, मुझे नहीं लगता कि आपको हालातों के लिए बहुत अधिक अनुभव की आवश्यकता है। यदि आप जल्दी पहुंचते हैं और मौसम के अनुकूल ढल जाते हैं, तो खिलाड़ियों के पास आवश्यक अनुभव होता है। इस बीच पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर डेनियल क्रिश्चियन ने भी कहा कि कई टीमों के लिए यहां धीमी शुरुआत रही है। वर्तमान हालातों को देखते हुए सभी टीमों को अच्छा प्रदर्शन करने के लिए हर संभव प्रयास करने की जरुरत होगी। यह देखना कि कैसे हर कोई एक साथ खेल के साथ तालमेल बिठा रहा है कि गेंद घूमेगी या नहीं और धीमी गेंदें टिकेंगी या नहीं।।

शाहिद अफरीदी का चयनकर्ताओं से सवाल... बाबर को कप्तान क्यों चुना

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 क्रिकेट विश्व कप 2024 से पाकिस्तान क्रिकेट टीम बाहर हो गई है। इसके बाद पूरी टीम आलोचना झेल रही हैं। विश्व कप के पिछले सीजन में इंग्लैंड के साथ फाइनल खेलने वाली पाकिस्तानी टीम इसबार यूएसए से भी हार गई। पाकिस्तान के बाहर होने से कप्तान बाबर आजम को काफी कुछ सुनाना पड़ रहा है, क्योंकि टूर्नामेंट में उनका बल्ला भी नहीं चला था। इस बीच पाक के पूर्व ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी का मानना है कि बाबर की कप्तानी पर सवाल जायज हैं, लेकिन वे पाकिस्तान के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने कहा कि साथी क्रिकेट प्रेमियों को बाबर की कप्तानी की आलोचना करनी चाहिए लेकिन उनके जैसे लगातार खिलाड़ी पाकिस्तान क्रिकेट में दुर्लभ हैं। बाबर का व्यक्तिगत प्रदर्शन अच्छा रहा है। हां, यह सच है कि वह विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सका है। अफरीदी का कहना है कि उन्हें हमेशा उम्मीद थी कि बाबर भारत सुपरस्टार विराट कोहली की तरह एक मैच विजेता बनेगा। जिन्होंने अपने यादगार करियर के दौरान खुद को इसतरह के खिलाड़ी के रूप में विकसित किया है। उन्होंने कहा कि मैं हमेशा बाबर को एक मैच विजेता के रूप में देखना चाहता था जैसे हम विराट कोहली के बारे में बात करते हैं। अफरीदी ने कहा कि बाबर की आलोचना की जा रही है। क्योंकि वहां हारी हुई टीम का कप्तान है। मैं बाबर का प्रशंसक हूं (लेकिन) उन्हें कप्तान के रूप में 3-3.5 साल दिए गए और कोई आकर्षक परिणाम नहीं मिला और न ही कोई सुधार हुआ। चयन समिति से पहला सवाल यह है कि जब उन्होंने (पहले) कोई सुधार नहीं दिखाया, तब (क्यों) उन्हें फिर से कप्तान नियुक्त किया गया? एक खिलाड़ी के तौर पर हमने कभी बाबर की आलोचना नहीं की, बल्कि सिर्फ उनकी कप्तानी की आलोचना की। एक नेता

का निर्णय बहुत मायने रखता है। यह कई बार मैच के नतीजे को बदल सकता है, एक कप्तान को खिलाड़ियों के साथ जुड़ने में सक्षम होना चाहिए।

स्तेपान अवज्ञान मेमोरियल ग्रांड मास्टर शतरंज –अर्जुन एरीगैसी की एकल बढ़त कायम

जेरमुक ,अर्मेनिया। भारत के नंबर एक शतरंज खिलाड़ी और दुनिया के नंबर चार शतरंज खिलाड़ी अर्जुन एरीगैसी नें स्तेपान अवज्ञान मेमोरियल ग्रांड मास्टर शतरंज के छठे राउंड में एक और जीत दर्ज करते हुए अपनी एकल बढ़त को कायम रखा है, अर्जुन नें छठे राउंड में जर्मनी के ग्रांड मास्टर मथियस ब्लूबम को पराजित करते हुए टूर्नामेंट में अपनी तीसरी जीत दर्ज कर ली है। अर्जुन नें क्यूजीडी एक्स्चेंज ओपनिंग में सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए ब्लूबम को 43 चालों में पराजित किया। इस जीत के साथ अर्जुन अब लाइव रेटिंग में 2777 अंको के साथ और बेहतर स्थिति हासिल कर ली है अब विश्व नंबर 3 यूएसए के फबियानों करूआना और उनके बीच 18 अंको का फासला बाकी है। अर्जुन नें पहले दो राउंड में अर्मेनिया के रोबर्ट होवनाशियन और सर्गस्यन शांत को पराजित किया था और उसके बाद उन्होने ईरान के अमीन तबातबाई, यूएसए के सेवियन सेमुयल और अर्मेनिया के मरतिरोसयान हैक से लगातार तीन बाज़ियाँ ड्रॉ खेल चुके है। छह राउंड के बाद अर्जुन फिलहाल 4.5 अंक बनाकर सबसे आगे चल रहे है तो अन्य खिलाड़ियों में ईरान के अमीन तबातबाई, यूएसए के सेवियन सेमुयल, रोमानिया के बोगदान डेनियल 3.5 अंक, अर्मेनिया के मरतिरोसयान हैक, रोबर्ट एच 3 अंक। सर्गस्यन शांत और मेनुएल पेट्रोस्यन 2.5 अंक, फीडे के मुरजिन बोलोदर और जर्मनी के मथियस ब्लूबम 2 अंक बनाकर खेल रहे है।

टी20 क्रिकेट में हालातों पर नियंत्रण करना आना चाहिये : ब्रेट ली

सिडनी(एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली का मानना है कि आजकल जिस प्रकार से टी20 प्रारूप में तेजी से रन बन रहे हैं। ऐसे में बल्लेबाजों को रोकने के लिए गेंदबाजों को चीजें पर नियंत्रण करना आना चाहिये। इसके लिए

ज्यादा से ज्यादा यॉर्कर गेंदें फेंकनी चाहिये। साथ ही कहा कि इसी प्रकार से बल्लेबाजों पर अंकुश लगाया जा सकता है। ली ने एक कार्यक्रम में कहा कि खेल पर आजकल बल्लेबाज हावी हो रहे हैं पर उनका मानना है कि संतुलन लाने के लिए मुकाबले में गेंदबाजों के लिए कुछ होना चाहिए। उन्होंने कहा कि टी20 क्रिकेट में गेंदबाजों को अपने ऊपर अधिक गर्व न करते हुए ये मान लेना चाहिये कि विकेट लेने के क्रम में उनपर चौके और छक्के भी लग सकते हैं।

साथ ही कहा कि यही टी20 क्रिकेट है। इसमें आपको चीजें पर नियंत्रण करना आना चाहिये।

उन्होंने कहा कि बल्लेबाजी अब पहले से बेहतर हो गयी है। इसलिए मैं चाहता हूं कि तेज गेंदबाज अधिक यॉर्कर गेंद का इस्तेमाल करें। आखिरी ओवरों में यॉर्कर का प्रभावी इस्तेमाल होना चाहिए। अगर आप आईपीएल को भी देखे तो यॉर्कर पर आम तौर पर एक ही रन बनता है। उन्होंने यॉर्कर के प्रभावी इस्तेमाल के लिए जसप्रीत बुमराह का जिक्र करते हुए कहा कि मैं बुमराह के अलावा आज के दौर में किसी अन्य गेंदबाजों को अधिक यॉर्कर डालते नहीं देखता हूं। ऑस्ट्रेलिया के लिए तीनों प्रारूपों में मिलाकर 700 से ज्यादा विकेट लेने वाले ली ने कहा कि उन्हें टी20 मैच में चौके और छक्के देखना पसंद है पर यहां गेंदबाजों के लिए कुछ मदद होनी चाहिए।

साथ ही कहा कि मैं घास वाली पिच की मांग नहीं कर रहा, जहां टीम 110 रन पर आउट हो जाए लेकिन 185 से 200 रन के आसपास का स्कोर अच्छा होता है। उन्होंने कहा कि हम अब 260 और 270 रन से ज्यादा रन बनते देख रहे हैं। ऐसे में ज्यादातर गेंदबाज 4 ओवर में 40 से 50 से ज्यादा रन दे रहे हैं। अच्छी प्रतिस्पर्धा के लिए गेंदबाजों के लिए मदद होना चाहिए।

वसीम अकरम ने क्यों कहा.. अब कोच को नहीं पूरी टीम को बदलने का समय

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप के पहले दौर में शर्मनाक हार के बाद से पाकिस्तान क्रिकेट टीम ट्रोल के निशाने पर है। बारिश के चलते यूएसए-आयरलैंड मैच रद्द होने से पाकिस्तान टूर्नामेंट से बाहर हो गया। पाकिस्तान टीम को इस बार यूएसए ने हरा दिया। इसके बाद भारतीय टीम ने भी करीबी मैच में पाकिस्तान को पटखनी दे दी। पाकिस्तान ने एकमात्र जीत कनाडा के खिलाफ हासिल की। इस बीच पाकिस्तान के पूर्व कप्तान वसीम अकरम ने पाक क्रिकेटरों के खराब प्रदर्शन पर निशारा जाहिर की है। अकरम ने यूएसए के सुपर आठ चरण के लिए क्वालीफाई करने की खबर पर प्रतिक्रिया दी। जहां उन्होंने मोनांक पटेल की टीम को बधाई दी, वहीं अकरम ने पाकिस्तानी टीम को भी दो टूक संदेश दिया। अकरम ने कहा कि अमेरिका को बधाई, उन्होंने आश्चर्यजनक रूप से अच्छा प्रदर्शन किया है। अमेरिका ने सुपर-8 के लिए क्वालीफाई किया, वे वहां रहने के हकदार हैं। उन्होंने अपने ग्रुप मैच में पाकिस्तान को हराया। पाकिस्तान के लिए अब आगे की क्या योजना है, सवाल पर अकरम ने कहा कि दुबई के लिए ईके 601 (एयरप्लेन)। उसके बाद, हम देखते हैं कि क्या होता है। इसके पहले अकरम ने टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन के लिए चयनकर्ताओं को जिम्मेदार ठहराया था। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी खिलाड़ी सोचते हैं कि अगर वे अच्छा प्रदर्शन नहीं करते हैं, तब कोच बर्खास्त कर दिए जाएंगे और उन्हें कुछ नहीं होगा। यह कोचों को बनाए रखने और पूरी टीम को बदलने का समय है। इस तरह पूर्व खिलाड़ी कामरान अकमल ने कहा कि शादाब खान को खेलने के लिए इसलिए चुना गया क्योंकि वह कप्तान बाबर आजम के करीबी हैं और इसका मतलब इस साल के पाकिस्तान सुपर लीग में शीर्ष विकेट लेने वाले लेग स्पिनर उसामा मीर को बाहर करना है।

टेस्ट क्रिकेट को आगे बढ़ाने के लिए भारत को नेतृत्वकर्ता की भूमिका निभानी होगी: जॉनी ग्रेव

ब्रिजटाउन (एजेंसी)। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जॉनी ग्रेव ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट खतरे में है और वेस्टइंडीज जैसे छोटे क्षेत्रों में खेल के पांच दिवसीय प्रारूप के अस्तित्व को बचाये रखने के साथ-साथ इसके विकास को सुनिश्चित करने में भारत जैसे देश को 'नेतृत्वकर्ता की भूमिका' निभानी होगी।

सीडब्ल्यूआई से 2017 में जुड़ने वाले ग्रेव ने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद टेस्ट क्रिकेट के प्रति बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) की अटूट प्रतिबद्धता की सराहना की, लेकिन कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के स्तर पर तीन बड़े देशों (भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया) के बाहर भी इस प्रारूप को बचाने के लिए अधिक प्रयास करने की जरूरत है।

आईसीसी के नौ प्रतिस्पर्धी पूर्ण सदस्यों में से केवल तीन बड़े सदस्य ही 2023-2025 विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र में पांच मैचों की श्रृंखला खेलेंगे। तीन अन्य पूर्ण सदस्य आयरलैंड, अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे 2019 में शुरू की गई चैंपियनशिप का कभी हिस्सा नहीं रहे। ग्रेव वर्तमान में टी20 विश्व कप की सह-मेजबानी में व्यस्त हैं। उन्होंने खेल के भविष्य और बीसीसीआई द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका पर अपने मन की बात साझा की।

उन्होंने कहा, 'भारत को नेतृत्वकर्ता की भूमिका निभानी है। ताकत, प्रभाव और संसाधनों के मामले में वे अब नंबर एक बोर्ड हैं। उन्होंने जिस तरह से खेल के तीनों प्रारूपों को खेलना जारी रखा है, वह शानदार रहा है। टेस्ट क्रिकेट के प्रति उनकी प्रतिबद्धता मुझे नहीं लगता कि यह कभी इतनी मजबूत रही होगी जितनी अब है।' ग्रेव ने कहा कि आईसीसी में भारत के रुख का काफी प्रभाव रहता है।

उन्होंने कहा, 'आईसीसी द्वारा लिए जाने वाले प्रमुख निर्णयों में उनकी भूमिका काफी अहम रही है। पिछले 12 महीनों में आईसीसी द्वारा हासिल की गई सबसे बड़ी चीजों में से एक में बीसीसीआई ने काफी समर्थन किया, जो कि क्रिकेट को ओलंपिक में वापस लाना है।' उन्होंने ओलंपिक में क्रिकेट की 128 साल के बाद हुई वापसी पर खुशी जताते हुए कहा, 'क्रिकेट के ओलंपिक में शामिल होने से बहुत बड़ा प्रभाव पड़ा है। खासकर एसोसिएट सदस्य देश अब इस खेल के विकास के लिए सरकार और ओलंपिक संघों से धनराशि प्राप्त कर सकते हैं।'

उन्होंने कहा कि मौजूदा टी20 विश्व कप से क्षेत्र में 300 मिलियन डॉलर की आर्थिक वृद्धि होगी। वेस्टइंडीज ने इससे पहले 2010 में टी20 विश्व कप की मेजबानी की थी। ग्रेव ने

कहा, 'हम 14 साल के बाद किसी वैश्विक टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहे हैं। यह काफी मायने रखता है। विश्व कप के लिए हमने छह स्टेडियमों को अपग्रेड किया है। स्टेडियम बेहतर होने का फायदा वहां के घरेलू क्रिकेट बोर्ड और क्रिकेट वेस्टइंडीज को आने वाले कई वर्षों तक होगा।'

बालिका छात्रावास में कमरे निर्माण की घोषणा

तेज | जगदीश सोनी. चूरू

महर्षि दयानन्द सरस्वती छात्रावास विकास समिति डूंगरगढ़ 50 कमरों के 23625 वर्गफुट में हो रहा है आधुनिक बालिका छात्रावास का निर्माण बैठक में शिक्षा व्यवस्था पर मंथन महर्षि दयानंद सरस्वती छात्रावास विकास समिति श्रीडूंगरगढ़ की बैठक छात्रावास में आयोजित की गई। बैठक में मंत्री सुशील सेरडिया ने आय व्यय एवं छात्रावास में चल रहे विकास कार्यो की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। जिसकी समीक्षा की गई। सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया। बैठक में पुलिस उप अधीक्षक हरिराम जाखड़ ने शिक्षा के क्षेत्र में सुधार हेतु किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति की इस सामाजिक संस्था में भागीदारी होनी चाहिए। बैठक में कमरों की घोषणाएं स्वर्गीय केशरराम नेण रिड़ी की स्मृति में उनके पुत्रगण सुगनाराम, हरिराम, हीरालाल, अन्नाराम पौत्र रामरतन, श्रवण कुमार, संतोष नेण ने कमरा निर्माण, स्व बालूराम जी जाखड़ एवं स्व कानी देवी जाखड़ बेनीसर की स्मृति में हरीराम जाखड़ ने कमरा निर्माण, स्वर्गीय नथाराम, स्व रेवंतराम पुत्र स्व जवानाराम जी खिलेरी जैतासर की स्मृति में उनके पुत्रगण आशुराम, भंवरलाल, श्रवणराम, गोपालराम, कालुराम, संतोष कुमार, गिरधारीलाल खिलेरी ने बालिका छात्रावास में कमरा निर्माण की घोषणा की है। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने दानदाताओं का आभार प्रकट किया।

क्रय विक्रय सहकारी समिति के अध्यक्ष तुलछीराम गोदारा, पूर्व सरपंच लक्ष्मणराम खिलेरी, भंवरलाल खिलेरी, कोडाराम भादू, कुम्भाराम गोदारा, प्रभूराम बाना, गणेश पोटलिया, ओमप्रकाश भादू, रामचंद्र गिला, हरिराम सारण, जैसाराम कुलड़िया, सहीराम सायच, हनुमान महिया, चरण सिंह सारण, प्रमोद गोदारा सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। छात्रावास अधीक्षक श्रवण कुमार भामू ने सभी का आभार प्रकट किया।

पेड़ लगाएं और उनका संरक्षण-पोषण करें, पर्यावरण संरक्षण के लिए मिलकर कार्य करना होगा: राज्यपाल

» राज्यपाल कलराज मिश्र ने प्रदान किए 'वृक्ष मित्र सम्मान'

तेज | रिपोर्टर जयपुर

राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि प्रकृति और पर्यावरण की भारतीय संस्कृति का संरक्षण जरूरी है। उन्होंने अधिकाधिक पेड़ लगाए जाने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रकृति के आंतरिक संतुलन को क्षति पहुंचाए बगैर विकास की सोच को मूर्त रूप दें। उन्होंने कहा कि वृक्ष एवं वनस्पतियां भूमि को उन्नत और उर्वरा ही नहीं बनाते बल्कि सबका भरण पोषण भी करते हैं। मिश्र रविवार को कल्पतरू संस्थान की ओर से आयोजित 'वृक्ष मित्र सम्मान समारोह' में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने संस्थान की ओर से वृक्ष मित्र के रूप में सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक सम्मान के रूप में प्रतिदिन एक पौधा लगाकर उसे संरक्षित करने वाली उमा व्यास को सम्मानित किया। उन्होंने वृक्ष मित्र के रूप में पर्यावरण कार्यकर्ता के.पी. कनाल, अशोक थोरात, गौतमराज शर्मा, रेणु राष्ट्रदीप, संदीप, उषा, अंजू चौधरी, ऋषि, रितेश दुबे को सम्मानित किया। उन्होंने वहीं परिंदो के लिए परिण्डा अभियान की भी शुरुआत की। उन्होंने कहा कि भारतीय सनातन दृष्टि प्रकृति पूजक रही है। इसके पीछे बड़ा वैज्ञानिक तथ्य यही है कि पारिस्थितिकी संतुलन बना रहे। उन्होंने राजस्थान में खेजड़ली में शमी वृक्ष 'खेजड़ी' के लिए किए गए बलिदान को स्मरण करते हुए कहा कि हमारे यहां पेड़ बचाने के लिए लोगों ने अपनी जान की भी परवाह नहीं की है। उन्होंने प्रकृति के पंचभूत तत्वों का उल्लेख करते हुए पेड़ लगाने और उनके संरक्षण के लिए भी सभी को कार्य करने पर जोर दिया। राज्यपाल ने पेड़ों को धरती का श्रृंगार बताते हुए हरी-भरी धरा के लिए सबको मिलकर कार्य करने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि इतने पेड़ लगे कि पर्यावरण का अपने आप संरक्षण हो। अधिक से अधिक लोग वृक्ष मित्र बनें। इससे पहले कल्पतरु संस्थान के 'ट्री मैन ऑफ इण्डिया' के रूप में चर्चित विष्णु लाम्बा ने संस्थान की गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। राज्यपाल ने जयपुर एनवायरमेंट फेस्टिवल-प्री लांचिंग के पोस्टर का विमोचन किया। आरंभ में उन्होंने संविधान की उद्देशिका और मूल कर्तव्यों का वाचन करवाया।

सूरतगढ़ जिला बनाओ अभियान समिति की बैठक: नए जिलों की समीक्षा के लिए बनाई गई कमेटी को देंगे प्रतिवेदन

सूरतगढ़। राजस्थान सरकार द्वारा हाल ही में उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा के नेतृत्व में गहलोत सरकार के कार्यकाल में बनाए गए नए जिलों की समीक्षा के लिए बनाई गई पांच सदस्यीय मंत्रिमंडलीय उप समिति को प्रतिवेदन देने और अन्य आंदोलनात्मक रणनीति बनाने के लिए शनिवार देर शाम सवा 7 बजे सूरतगढ़ के सेन मंदिर में सूरतगढ़ जिला बनाओ अभियान समिति की बैठक की गई। पूर्व विधायक राजेंद्र भादू की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में सर्वसम्मति से सूरतगढ़ को जिला बनाने की मांग का ज्ञापन मंत्री मंडलीय उप समिति एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को बुधवार को एसडीएम के जरिए दिए जाने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा सूरतगढ़ जिला बनाओ अभियान समिति की कार्य समिति को भी जिलों की समीक्षा हेतु बनाई गई मंत्रिमंडलीय उप समिति को प्रतिवेदन देने के लिए 11 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल तय करने का अधिकार दिया गया। बैठक में सभी वक्ताओं ने एक स्वर में सूरतगढ़ को जिला बनाने के लिए पार्टीगत भेदभाव भुलाकर एकजुट होने और जिला बनाने के लिए सभी को सम्मिलित रूप से प्रयास करने का आह्वान किया गया। इस दौरान वक्ताओं ने सभी वर्गों, सभी व्यापारिक, सामाजिक संस्थाओं का सहयोग लेकर आंदोलन को चलाए रखने एवं इसमें सूरतगढ़ के आसपास के इलाके जैतसर, श्रीविजयनगर आदि को भी साथ रखने और अन्य सहयोग को लेकर विचार विमर्श किया गया। बैठक में पूर्व पालिकाध्यक्ष और कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष परसराम भाटिया, हरविंदर सिंह फौजी, लेखराज छाबड़ा, पूर्व पार्षद सुनील छाबड़ा, पूर्व अधिशासी अधिकारी पृथ्वीराज जाखड़ मौजूद रहे।

श्रीगंगानगर के विकास कार्यों के लिए हर संभव प्रयास करूंगा: विधायक बिहाणी

तेज | रिपोर्टर श्रीगंगानगर

सेवा भाव मुझे विरासत में मिला है मेरा उद्देश्य श्री गंगानगर के विकास के लिए प्रयास करना रहा है। 3 ई पंचायत द्वारा मेरे जन्मदिन पर किये गए सेवा कार्यों के लिए सरपंच, संयोजक, आयोजक, सहयोगी व उपस्थित जनो को साधुवाद, यह उद्गार विधायक जयदीप बिहाणी ने वीडियो कॉल द्वारा 3 ई पंचायत में रखे कार्यक्रम में कहे। उनके द्वारा ग्राम पंचायत के विकास के लिए हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। विधायक जयदीप बिहाणी के जन्मदिन को ग्राम पंचायत 3 ई के द्वारा सेवा प्रकल्प दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक प्रतिनिधि व सेठ जीएल बिहाणी शिलान्यास के सचिव हिमांशु बिहाणी, विधायक पुत्री अंकिता बिहाणी व नगरपरिषद सभापति गगनदीप कौर रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच सुनीता सिगड़ ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में स्व. पुष्पा देवी बाघला चेरिटेबल ट्रस्ट अध्यक्ष राजकुमार बाघला व रंजु बाघला, रज्जीराम सिगड़ व ग्राम पंचायत के पंच रहे। कार्यक्रम संयोजक 3 ई छोटी के एडवोकेट सुमेश शर्मा के अनुसार की इस दिन को सेवा प्रकल्प दिवस के रूप मे मनाया गया। जिसमे गर्मी को देखते हुए ठंडे पानी की छबिल पंचायत घर के बाहर लगाई गई, पशुओं के लिए मनीष गोयल व सोनू के द्वारा पानी की टंकी रखवाई गई गोयल के अनुसार ग्राम पंचायत मे 50 से अधिक टंकी रखवाई जायेगी, पक्षियों के लिए पिरण्डे लगाए गए। स्व श्री मती पुष्पा देवी बाघला चेरिटेबल ट्रस्ट के द्वारा पक्षियों के लिए दाना घर का निर्माण का उद्घाटन किया गया। इसके अलावा ग्राम पंचायत के सेवाभावी नागरिकों को भी सम्मानित किया गया।

प्रथम पेज का शेष...

जनता का मिजाज...

एसटी आरक्षण खत्म होने का प्रचार किया। उसका समय पर जवाब नहीं दे सके। जब तक उसे काउंटर करना शुरू किया, तब तक देर हो चुकी थी। कांग्रेस के इस नरेटिव से एससी-एसटी वोटर में बहुत नुकसान हुआ। इसे काउंटर करने की कोशिश वोट में नहीं बदली।

ओवर कॉन्फिडेंस भी बना हार की वजह: स्थानीय नेताओं ने तर्क दिया कि ओवर कॉन्फिडेंस भी हार का बड़ा कारण रहा। ग्राउंड पर बड़े-बड़े नेता नहीं भांप सके कि इस बार का चुनाव 2014 और 2019 से अलग था। पहले के दो चुनावों में माहौल अलग था। इस बार का माहौल बदल चुका था। चुनाव लड़ने वालों से लेकर ग्राउंड पर रणनीति बनाने वाले ओवर कॉन्फिडेंस में रहे, यह हार की बड़ी वजह रही। सीकर लोकसभा सीट पर हार के कारणों को लेकर आए फीडबैक में पूर्व सासंद और हारे हुए उम्मीदवार सुमेधानंद सरस्वती ने कई स्थानीय नेताओं की भूमिका पर सवाल उठाए। उन्होंने यहां तक कहा-जिन नेताओं को बड़े पद बांट दिए, वे भी वोट दिलवाने में नाकाम रहे। कोई तो बात है कि वोट नहीं मिले। लाल बत्ती वाले नेता समय पर फील्ड में निकलते और मन लगाकर काम करते तो हालात दूसरे होते।

जातीय समीकरण बिगड़ना बड़ा कारण: ज्यादातर नेताओं ने जातीय नाराजगी को हार का बड़ा कारण बताया। चूरू, सीकर, झुंझुनूं, नागौर और बाड़मेर के नेताओं ने माना कि एससी-एसटी के अलावा अब तक साथ रही जातियां भी इस बार नाराज थीं। पिछले चुनावों में जिन बड़ी जातियों का वोट बीजेपी को मिला। इस बार वे नाराज थीं। जातीय समीकरण साध नहीं पाए, यह नाराजगी धीरे-धीरे बढ़ती ही रही। पूर्वी राजस्थान की दौसा और टोंक-सवाई माधोपुर सीट के नेताओं ने फीडबैक बैठक में तर्क दिया कि खुद की कमजोरियां भी हार की बड़ी वजह रही हैं। एससी-एसटी के वोटर्स ने कांग्रेस की ही क्यों सुनी, इस पर विचार करना होगा। इसका मतलब है कि काम नहीं हुआ। ग्राउंड पर जाकर लोगों के बीच काम करने में और कागजों में प्लानिंग करने में फर्क होता है। जो यहां साफ दिखा है।

आरोपी के घर...

चल पाया है कि उसे चलाने में क्या समस्याएं सामने आ सकती हैं। बता दें कि नए तीन कानून भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) हैं। ये ब्रिटिश काल से चले आ रहे भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), इंडियन एविडेंस एक्ट और दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) कानून की जगह लेंगे। पुलिस महकमे में वीडियो रिकॉर्डिंग की बात चर्चा का विषय बना हुआ है। थानों को इसके लिए अलग से कोई कैमरा भी नहीं दिया गया है। ऐसे में पुलिसकर्मियों को मोबाइल से ही वीडियो बनाकर मौके से ही एप पर अपलोड कर स्टेट क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एससीआरबी) व नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) को भेजनी होगी। साथ ही 7 साल से ज्यादा की सजा के मामलों की फॉरेंसिक जांच करवानी होगी। लेकिन प्रदेश में सभी जिलों में एडवांस फॉरेंसिक लैब ही नहीं है। धारा-302 अब धारा-101 कहलाएगी; अंग्रेजों के जमाने से हत्या के लिए लगाई जाने वाली आईपीसी की धारा-302 अब धारा-101 कहलाएगी। ठगी के लिए लगाई जाने वाली धारा-420 अब धारा-316 होगी। हत्या के प्रयास के लिए लगाई जाने वाली धारा-307 अब 109 कहलाएगी। दुष्कर्म के लिए लगाई जाने वाली धारा-376 अब 63 होगी।

लू के थपेड़े...

की चपेट में रहा, जबकि भरतपुर, करौली, धौलपुर के एरिया में उमस वाली गर्मी से लोग परेशान रहे। रविवार को हनुमानगढ़, गंगानगर, अलवर, भरतपुर, धौलपुर, झुंझुनूं के एरिया में दिन में तेज गर्मी रहने के साथ हीटवेव चलने से जन जीवन प्रभावित हुआ। प्रतापगढ़, कोटा, झालावाड़, चित्तौड़गढ़, बूंदी, भीलवाड़ा, बारां, बांसवाड़ा और अजमेर के आसपास दोपहर बाद मौसम में बदलाव होने के साथ धूलभरी आंधी चल सकती है। बादल छा सकते हैं।

तीर्थ स्थलों...

की सुरक्षा पर रहा। पिछले साल 4.28 लाख से ज्यादा तीर्थ यात्री अमरनाथ यात्रा पर आए थे। इस बार यह आंकड़ा पांच लाख तक जा सकता है। यह कहा जा रहा है कि इस बार सभी तीर्थ यात्रियों को स्पेशल कार्ड दिए जा सकते हैं, ताकि उनकी असली लोकेशन का पता लगाया जा सके। इसके अलावा सभी को 5 लाख रुपए का बीमा कवर दिया जा सकता है। सूत्रों ने कहा कि तीर्थ यात्रियों को ले जाने वाले प्रत्येक जानवर के लिए भी 50 हजार का बीमा कवर होगा। शाह ने एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन से बेस कैंप तक सभी तीर्थ यात्रियों की सुरक्षा पर जोर दिया।

यात्रा के लिए 500 कंपनियां तैनात होंगी: अमरनाथ यात्रा 29 जून से शुरू हो रही है। इस बार अमरनाथ यात्रा 52 दिन की होगी। यात्रा से पहले केंद्र ने जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बढ़ाने के लिए केंद्रीय सुरक्षाबलों की 500 कंपनियों को घाटी में तैनात करने का फैसला लिया है। सूत्रों के मुताबिक सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी और सीआईएसएफ समेत केंद्रीय सशस्त्र सुरक्षा बल की 500 कंपनियों को अमरनाथ यात्रा के रूट पर तैनात किया जाएगा।

सोशल मीडिया...

भी हैरान हो गई। फिर बस से उतरने के बाद वहीं युवक 'लेडिस फर्स्ट' कहकर खिल्ली उड़ाता है। तृतीय श्रेणी शिक्षकों के करीब 27 हजार पद खाली पड़े हैं। अब तक महिला अभ्यर्थियों को 30 फीसदी आरक्षण मिल रहा था। आगामी बजट में राज्य सरकार की ओर से शिक्षक भर्ती की बड़ी घोषणा होना भी संभव है। उसी नई भर्ती में महिलाओं को 50 फीसदी आरक्षण मिलेगा क्योंकि भर्ती आने से पहले ही सरकार ने महिलाओं को 50 फीसदी आरक्षण देने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस बार की भर्ती में बड़ी संख्या में महिलाएं शिक्षिकाएं बनेंगी।

सरकार के फैसले को लेकर युवक जमकर चिढ़ा रहे हैं: भजनलाल सरकार के महिलाओं को 50 फीसदी आरक्षण देने की फैसले को लेकर युवक सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल कर रहे हैं। इस दौरान वीडियो डालकर युवक अपनी नाराजगी भी जता रहे हैं। इस दौरान मनोज नाम के एक यूजर्स ने लिखा कि श्कल जो राजस्थान सरकार ने एक फैसला लिया 'तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती' में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया, सरकार के इस फैसले के तुरंत बाद महिलाएं रुत्ममज की तैयारी करने के लिए जयपुर जाती हुई। इसके साथ यूजर्स ने एक वीडियो भी शेयर किया। जिसमें एक जीप पर कई महिलाएं लटक कर सफर करती हुई दिखाई दे रही हैं।

30 करोड़ रुपए...

थाना प्रभारियों एवं मालखाना प्रभारियों की उपस्थिति में करवाया गया है। इस प्रक्रिया के दौरान जिला औषधि व्ययन समिति सदस्यों के समक्ष निस्तारणशुदा माल का वजन करवाया गया। इसके साथ ही समस्त प्रक्रिया की फोटोग्राफी व वीडियोग्राफी करवाई गई। इस प्रक्रिया के दौरान 12 करोड़ 62 लाख लाख रुपए कीमत का 84 क्विंटल 12 किलोग्राम डोडा पोस्त, 7 करोड़ 95 लाख रुपए कीमत की 34 लाख 56 हजार 717 नशीली टेबलेट, 9 करोड़ 25 लाख रुपए कीमत की 4.626 किलोग्राम हेरोइन (चिट्टा), 12 लाख 50 हजार रुपए कीमत का 25 किलोग्राम गांजा व 1 लाख 50 हजार रुपए कीमत के 8 किलोग्राम अफीम के पौधों का निस्तारण किया गया।

कांग्रेस में भी बदलाव की सुगबुगाहट!

» चुनाव में पार्टी के खिलाफ काम करने वालों की बनेगी सूची, बदले जाएंगे कई जिलाध्यक्ष

जयपुर। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी द्वारा लोकसभा चुनाव के बाद उत्तरप्रदेश में जिस तरह अभी से रोड मैप और विजन के साथ पार्टी को फिर से खड़ा करने पर फोकस किया है। उसी तर्ज पर राजस्थान कांग्रेस भी 2028 के विधानसभा चुनाव को फोकस करके संगठन विस्तार की तैयारी है। सबसे पहले लोकसभा चुनावों में पार्टी के खिलाफ राजनीति करने, प्रचार करने, प्रत्याशियों का विरोध करने वालों पर गाज गिरेगी। पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा का सभी जिलों का दौरा करने का प्लान है। 12 से ज्यादा लोकसभा प्रत्याशियों ने सीधे दिल्ली आलाकमान और पीसीसी को शिकायतें की थी, उनके दिए नामों की जांच कर कार्रवाई की जानी है। यह फैसला आसान नहीं होगा, लेकिन प्रदेश कांग्रेस अभी रिस्क लेने के मूड में दिख रही है। दिल्ली तक चर्चाएं बढ़ गई है कि राज्य स्तर पर बड़ा बदलाव होगा। लोकसभा चुनावों में युवा नेताओं के प्रचंड प्रचार अभियान को देखते हुए पार्टी कमान किसे देंगे, अभी स्पष्ट नहीं है। लेकिन डोटासरा के नेतृत्व में कांग्रेस अलायंस द्वारा लोकसभा की 11 सीटें जीतने से पार्टी में जोश फिर जाग चुका है।

इस फॉर्मूले को अपना सकती है पीसीसी

निष्क्रिय कई जिलाध्यक्षों की छुट्टी होगी। प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय व प्रदेश अध्यक्ष अजय राय विभिन्न जिलों का दौरा करेंगे। निष्क्रिय पदाधिकारियों को चिह्नित करने का काम होगा। विधानसभा चुनाव से पहले संगठन को और मजबूत बनाने की रणनीति बनेगी। प्रदेश कार्यकारिणी का विस्तार चुनाव जीतने के ब्लूप्रिंट के साथ करेंगे। सभी जिलों में बूथ स्तर पर अपने एजेंटों की नियुक्ति की प्रक्रिया दोबारा करेंगे। सक्रिय कार्यकर्ताओं को जोड़ने के साथ ही पार्टी की गतिविधियों को बढ़ाएंगे। प्रदेश प्रभारी व प्रदेश अध्यक्ष जल्द वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। बेहतर काम करने वाले कुछ नेताओं को प्रदेश कार्यकारिणी में स्थान देंगे। नए कार्यकर्ता जोड़ने के विभिन्न स्तर पर अभियान चलेंगे। संगठन के सक्रिय व निष्क्रिय प्रकोष्ठों की समीक्षा करेंगे।

बिजली संकट से निपटने में पवन ऊर्जा की होगी प्रभावी भूमिका

- दिल्ली में हुआ कार्यक्रम, एसीएस आलोक ने की शिरकत

जयपुर। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय भारत सरकार के तत्वाधान में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी 'ग्लोबल विंड डे' के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नई दिल्ली में आयोजित इस कार्यक्रम में राजस्थान सरकार की तरफ से ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आलोक ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार रखे। वैश्विक पवन ऊर्जा दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में भारत में पवन ऊर्जा अपनाने में तेजी लाने के संभावित तरीकों पर चर्चा का केंद्रीय विषय 'पवन-ऊर्जा' पावरिंग द फ्यूचर ऑफ इंडिया' रखा गया। इस दौरान भारत में पवन ऊर्जा की प्रगति, तट से दूर पवन ऊर्जा विकास, पवन ऊर्जा उत्पादन पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत बनाने पर गहन चर्चा हुई। कार्यक्रम में आलोक ने 'बढ़ती हुई ऊर्जा की मांग को पूरा करने में पवन ऊर्जा की भूमिका' पर आयोजित कार्यक्रम के प्रथम सत्र में अपना वक्तव्य रखा। जहां केंद्रीय मंत्री से लेकर सरकार के शीर्ष अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में राजस्थान ने किस तरह पवन ऊर्जा के क्षेत्र में नया आयाम स्थापित किया है इसकी भी तारीफकी गई। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने बताया कि राजस्थान ने पवन ऊर्जा के क्षेत्र में अन्य राज्यों की अपेक्षा लगातार बहुत अच्छा काम किया है और इस उपलब्धि के लिए पूर्व में राजस्थान सरकार को केंद्र की ओर प्रथम पुरस्कार से सम्मानित भी किया जा चुका है। कार्यक्रम में राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर नथमल डिडेल भी मौजूद रहे।

भक्ति भाव के साथ मनाया गंगा दशहरा

तेज | जगदीश सोनी. चूरू

जिला मुख्यालय पर रविवार को गंगा दशहरा भक्तिभाव के साथ मनाया गया। शहर के मंदिरों में श्रद्धालुओं ने मां गंगा का पूजन कर मनौतियां मांगी। स्थानीय सफेद घंटाघर के पास स्थित गंगा माई मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला शुरू हो गया। मंदिर में मातृ शक्ति ने मां गंगा के अवतरण की कहानी सुनी व सुनाई। श्रद्धालुओं ने गांगा मंदिर में गंगाजल से भगवान शिव का जलाभिषेक किया और मां गंगा की पूजा अर्चना की। श्रद्धालु महिलाओं ने मां गंगा का पूजन कर अपने परिवार, समाज व देश की खुशहाली की कामना की। पुजारी मोहित दीक्षित ने गंगा अवतरण की कथा सुनाई और गंगा के पवित्र जल की महिमा का वर्णन किया। दीक्षित ने बताया कि आज के दिन ही मां गंगा धरती पर अवतरित हुई। आज के दिन गंगा का धरती पर प्रकाट्य होने पर इस दिन को गंगा दशहरा आध्यत्मिक पर्व के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि देव भूमि भारत में गंगा का अवतरण ऋषि-मुनियों के तप का प्रताप है। पुजारी ने मां गंगा की महाआरती की। इस अवसर पर मोहित, रोहित, अश्विनी, विजय कसेरा, प्रभु भालेरीवाला, देवकी तंवर, हरि सांखला, सुभाष, शुभम, यश, गणेश, राघव, सावी आदि श्रद्धालुओं ने गंगा मां का पूजन कर देश के लिए समृद्धि की कामना की।

ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत

चूरू। सीकर से चूरू आने वाली ट्रेन की चपेट में आने से घायल महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई है। ट्रेन की चपेट में आने से महिला का एक हाथ और एक पैर कट गया था। जिसको एम्बुलेंस से डीबी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां हालत गंभीर होने पर प्राथमिक इलाज के बाद घायल महिला को जयपुर रेफर किया गया। इलाज के लिए ले जाते समय जयपुर के पास रास्ते में महिला की मौत हो गई। हादसे के बाद अस्पताल में महिला के परिवार और गांव के लोग पहुंच गए थे। कमला (55) पत्नी नन्दलाल परिवार के साथ खेत में रहती थी। रविवार सुबह बकरियों को चराने के लिए गई थी। इसी दौरान सीकर से चूरू आने वाले डेमो ट्रेन की चपेट में वह आ गई। जिससे कमला के एक हाथ और एक पैर कट गया। हादसे के बाद ट्रेन मौके पर ही रुक गई। रेलवे जीआरपी के राजेश कुमार ने बताया कि हादसे के बाद घायल महिला कमला को एम्बुलेंस के द्वारा डीबी अस्पताल पहुंचाया गया था। यह हादसा सीकर रेलवे क्षेत्राधिकार में आता है। सूचना मिलने पर तुरंत घायल महिला को एम्बुलेंस के द्वारा डीबी अस्पताल भेजा गया। हादसे में खून अधिक बह जाने से प्राथमिक इलाज के बाद जयपुर रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में जयपुर के पास महिला की मौत हो गई।

एनडीपीएस एक्ट के मामले आरोपी गिरफ्तार

तेज | रिपोर्टर श्रीगंगानगर

जिले की दूधवाखारा पुलिस ने रविवार दोपहर एनडीपीएस एक्ट में करीब दो साल से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस की ओर से गिरफ्तार किया गया आरोपी दूधवाखारा थाने का टॉप 10 बदमाश है और आरोपी पर पांच हजार रुपए का इनामी है। दूधवाखारा थानाधिकारी रतनलाल ने बताया कि एसपी जय यादव के निर्देश पर जिले में इनामी अपराधी, स्थायी वारंटी और भगौड़ों के लिए चलाए गए ऑपरेशन शिकंजा के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस ने साल 2022 के एनडीपीएस एक्ट में फरार चल रहे संगरूर पंजाब निवासी लखविन्द्र सांसी (33) को पंजाब से गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार लखविन्द्र सांसी पर पुलिस मुख्यालय की ओर से पांच हजार रुपए का इनामी भी रखा गया था। वह दूधवाखारा थाने का टॉप 10 में शामिल बदमाश है। थानाधिकारी रतनलाल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी से पुलिस फरारी के बारे में पूछताछ करेगी। आरोपी पर वर्ष 2022 में मामला दर्ज हुआ था। इसके बाद से ही वह लगातार फरार चल रहा था।

पुलिस को सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई करते हुए उसको गिरफ्तार कर लिया गया।

कार्यालय उपतहसीलदार (भूअ) फेफाना, जिला हनुमानगढ़

क्रमांकः भूअ/2024/193 दिनांकः 14.06.2024

सार्वजनिक सूचना

आम व खास को सूचित किया जाता है कि वसीयतकर्ता शांति देवी धर्मपत्नि रामनारायण जाति जाट साकिन किशनपुरा उतरादा तहसील संगरिया जिला हनुमानगढ़ ने अपनी कृषि भूमि चक 20जेएसएन के मुरब्बा नम्बर 15 व 17 में स्थित 1.349 है. नहरी तथा चक 15 जेएसएन-ए के मुरब्बा नं. 38, 39, 46, 47, 48, 49 की कुल 20.999 है. नहरी मय गै.मु. में से अपने हिस्से 13 बीघा 10 बिश्वा की वसीयत विजयकुमार पुत्र रामकुमार जाति जाट साकिन चक 20 जेएसएन तहसील नोहर के पक्ष में दिनांक 08.04.2016 को करवाई गई है। यह वसीयत उप पंजीयक/नोटेरी पब्लिक नोहर के द्वारा दिनांक 01.05.2016 को तस्दीकशुदा है। वसीयतकर्ता का देहान्त दिनांक 05.03.2020 को हो चुका है। वसीयत मुताबिक नामान्तकरण हेतु प्रार्थी विजयकुमार पुत्र रामकुमार का प्रार्थना-पत्र कार्यालय में विचाराधिन है अगर किसी को इस वसीयत के सम्बन्ध में कोई एतराज हो तो अपना पक्ष मय सबूत के निम्नहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर प्रस्तुत करें। बाद मियाद गुजरने कोई एतराज नहीं सुना जायेगा एक तरफा कार्यावाही की जावेगी। आज दिनांक 14.06.2024 को यह विज्ञप्ति मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालय मुद्रा से जारी की गई है।

उपतहसीलदार (भू.अ.), फेफाना, हनुमानगढ़

कार्यालय उपतहसीलदार (भूअ) फेफाना, जिला हनुमानगढ़

क्रमांकः भूअ/2024/198 दिनांकः 14.06.2024

सार्वजनिक सूचना

आम व खास को सूचित किया जाता है कि वसीयतकर्त्ता ओमप्रकाश पुत्र पतराम जाति जाट साकिन फेफाना तहसील नोहर जिला हनुमानगढ़ ने अपनी कृषि भूमि चक 7 जेएसएन खाता संख्या 77/72 (सं. 2066) की 1.771 है. नहरी में से 1/8 हिस्सा, चक 8 जेएसएन खाता सं. 47/96 (सं. 2066) की 3.036 है. में से 1/4 हिस्सा, चक 8 जेएसएन खाता सं. 31/24 (सं. 2066) की 21.247 है. में से 2.6558 है. व चक 8 जेएसएन के मुरब्बा नं. 24 में स्थित 4.046 है. भूमि की वसीयत अभिषेक पुत्र सज्जन कुमार जाति जाट साकिन फेफाना तहसील नोहर के पक्ष में दिनांक 9.5.2011 व 17.5.2013 को करवाई गई है। यह वसीयत उपपंजीयक/नोटेरी पब्लिक नोहर के द्वारा दिनांक 9.5.2011 व 17.5.2013 को तस्दीकशुदा है। वसीयतकर्त्ता का देहांत दिनांक............ को हो चुका है। वसीयत मुताबिक नामान्तकरण हेतु प्रार्थी 17.04.2023 को प्रार्थना पत्र कार्यालय में विचाराधीन है। अगर किसी को इस वसीयत के सम्बंध में कोई एतराज हो तो अपना पक्ष मय सबूत के निम्नाहस्ताक्षरकर्त्ता के समक्ष सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर प्रस्तुत करे बाद मियाद गुजरने कोई ऐतराज नहीं सुना जायेगा एक तरफा कार्यवाही की जावेगी। आज दिनांक 14.06.2024 को यह विज्ञप्ति मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालय मुद्रा से जारी की गई है।

उपतहसीलदार (भू.अ.), फेफाना, हनुमानगढ़

कार्यालय उपतहसीलदार (भू.अ.) फेफाना, जिला हनुमानगढ़

क्रः भू.अ./2024/204 दि : 14.06.2024

सार्वजनिक सूचना

आम व खास को सूचित किया जाता है कि वसीयतकर्त्ता हजारीराम पुत्र राजूराम जाति जाट साकिन फेफाना तहसील नोहर जिला हनुमानगढ़ ने अपनी कृषि भूमि चक 5-ए बारानी के मु.नं. 103, 122, 102,123,101,124 की कुल 6.0704 है. बारानी मय गै.मु. भूमि में से अपने हिस्से की कुल 8 बीघा 10 बिस्वा भूमि सोहनलाल, देवीलाल, संतलाल व विनोद कुमार पि. मनफूल जाति जाट साकिन फेफाना तहसील नोहर के पक्ष में दिनांक 07.10.2004 को करवाई गई है। यह वसीयत उपपंजीयक/नोटेरी पब्लिक नोहर के द्वारा दिनांक 07.10.2004 को तस्दीकशुदा है। वसीयतकर्त्ता का देहान्त दिनांक 09.05.2008 को हो चुका है। वसीयत मुताबिक नामान्तकरण हेतु प्रार्थी सोहनलाल वगैरहा का प्रार्थना पत्र कार्यालय में विचाराधीन है। अगर किसी को इस वसीयत के सम्बंध में कोई एतराज हो तो अपना पक्ष मय सबूत के निम्नाहस्ताक्षरकर्त्ता के समक्ष सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर प्रस्तुत करे बाद मियाद गुजरने कोई ऐतराज नहीं सुना जायेगा एक तरफा कार्यवाही की जावेगी। आज दिनांक 14.06.2024 को यह विज्ञप्ति मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालय मुद्रा से जारी की गई है।

उपतहसीलदार (भू.अ.), फेफाना, हनुमानगढ़

नि:शुल्क मानसिक स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श शिविर आयोजित

तेज. रिपोर्टर | संगरिया

निष्काम फाउंडेशन एवं निष्काम सेवा समिति संगरिया द्वारा 187 वां नि:शुल्क मानसिक स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन संत आश्रम, जोहड़ी फकीरांवाली, नाथवाना रोड़, संगरिया में किया गया। यह शिविर स्वर्गीय सुगनलाल धारणियां एवं उनकी धर्मपत्नी शायरी देवी धारणियां की पुण्यस्मृति में उनके सुपुत्रों डॉक्टर ज्ञान प्रकाश धारणियां, आनंदप्रकाश धारणियां व प्रेम प्रकाश धारणियां के वित्तीय सहयोग से आयोजित किया गया। शिविर का उद्घाटन करते हुए भामाशाह श्रीमती सुमन धारणियां ने कहा कि निष्काम फाउंडेशन की मानसिक रोगियों की सेवा का बखान शब्दों में नहीं किया जा सकता है। हमारे बुजुर्गों ने जो संस्कार हमें दिए हम उन पर चलने की कोशिश कर रहे हैं। निष्काम फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ धनेश गुप्ता ने उनके अध्यापक रहे स्वर्गीय श्री सुगनलाल जी के संस्मरण सुनाए। उन्होंने कहा कि गुरु जी हमेशा बच्चों की पढ़ाई के साथ-साथ समाज सेवा पर भी जोर देते थे। इस अवसर पर आश्रम के संचालक महंत माधोदास उदासीन, मुक्ति सहप्रभारी रविंद्र पूनियां ने भी संबोधित किया। संयोजक महावीर गोस्वामी ने बताया कि वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉक्टर धनेश गुप्ता, डॉक्टर गिरीश चंद्र बनिया एवं डॉ विजय चौरोटिया ने 158 मरीजों को परामर्श दिया। शिविर में निष्काम सेवा समिति के सेवक रविंद्र सिंह रामगढ़िया, कुलदीप सिंह, सुभाष चंद्र गिला, हिमांशु, केवल कृष्ण अरोड़ा, रजनीश धारणियां, राजहंस कादियान, महावीर गुज्जर, विनोद कुमार खीचड़, सुमित तेतरवाल, चंद्रशेखर, पूर्ण सिंह सिद्धू, गणेश कुमार, रुद्र साइच, माधव, नवीन बागला, भूपेंद्र कांवलिया ने सेवाएं दी। शिविर में एमजेडी ढाणियों की अन्नपूर्णा सेवा समिति ने लंगर सेवा प्रदान की।

निर्जला एकादशी के उपलक्ष्य में गौशाला में की चारे और दाना की 35 सवामणियों की सेवा

तेज | रिपोर्टर श्रीगंगानगर

अग्र सेवा समिति, युवा अग्र सेवा समिति व महिला अग्र सेवा समिति सदस्यों ने रविवार सुबह निर्जला एकादशी के उपलक्ष्य में सुखाड़िया सर्किल श्री गौशाला प्रांगण में गौवंश के लिए हरे चारे की 33 और केलों की दो सवामणियों तथा पक्षियों के लिए दाना चुग्गा के रूप में पनीर, भुजिया व बिस्कुट की सेवा कर पुण्य कमाया। समिति अध्यक्ष किशन खारीवाल ने बताया कि सेवा कार्यों की कड़ी में हरे चारे की ग्यारह सवामणियां सुमन-पवन जिन्दल और बाईस सवामणियां गुप्तदान स्वरूप प्राप्त हुई। इनके अलावा केलों की दो सवामणियों में से एक सवामणी दिनेश-रितु गोयल व एक सवामणी गुप्त दान स्वरूप प्राप्त हुई। इसी क्रम में समिति की ओर से पक्षियों को पनीर, भुजिया व बिस्कुट खिलाए गए। खारीवाल ने बताया कि 18 जून, मंगलवार सुबह आठ बजे निर्जला एकादशी के उपलक्ष्य में पुरानी आबादी स्थित सिद्धपीठ श्री झांकी वाले बालाजी मन्दिर में बालाजी महाराज को आइसक्रीम, लैमन,जीरा और नींबू पानी का भोग लगाकर भक्तों को प्रसाद वितरित किया जाएगा। रविवार को गौशाला में समिति सदस्य योगेश मंगल, नितिन खारीवाल, दिनेश गोयल, राकेश सिंगल, जयप्रकाश गुप्ता, जगत गोयल, अनमोल सिंगल, प्रिंस गोयल, मनीष बाजोरिया, दिनेश यादव, भावेश मित्तल, संतोष खारीवाल, सत्या बंसल, अनिल वालिया, सरिता गुप्ता, रितु गोयल व लावण्या खारीवाल उपस्थित थे।

बिजली-पानी की समस्या से परेशान युवक ने भीषण गर्मी में किया सत्याग्रह

तेज. रिपोर्टर | भादरा

एक तरफ जहां इस भीषण गर्मी में आमजन के साथ-साथ पशु पक्षी हाल-बेहाल है वर्तमान में तापमान 50 डिग्री के इर्द-गिर्द घूम रहा है। उसी भीषण गर्मी के दौरान एक युवा ग्रामीण गुलशन सोनी रविवार 16 जून को दोपहर को प्रात: 11 बजे से लेकर दोपहर एक बजे के मध्य शहीदे आजम भगत सिंह चौक पर बिजली पानी जैसी मूलभूत सुविधा उपलब्ध करवाने हेतु सरकार के खिलाफ सत्याग्रह पर बैठकर उपयुक्त दोनो समस्या के स्थाई समाधान की मांग की। गुलशन सोनी ने पत्रकारों को बताया कि जो सरकार आमजन को बिजली पानी दे ना सके वो सरकार निकम्मी है। वर्तमान समय में ग्रामीण इलाकों में इस भीषण गर्मी के मध्य ना तो समय पर विद्युत सप्लाई हो रही है। बिजली नहीं होने से पीने के पानी की समस्या बनी हुई है। विभाग के कर्मचारियों की लापरवाही और मनमानी का खामियाजा उपभोक्ताओं को भुगतना पड़ रहा है। उपभोक्ताओं का आरोप है कि बिजली विभाग के अधिकारी समस्या का समाधान नहीं करते। अधिकारी उपभोक्ताओं के फोन नहीं उठाते हैं। हालात ये बने हुए हैं कि कब बिजली गुल हो जाए कुछ नहीं पता। इन दिनों 24 घंटों में मात्र चार से पांच घंटे बिजली की आपूर्ति उपलब्ध हो रही है। उसी की तर्ज पर पेयजल के लिए भी दर-दर भटकना पड़ रहा है। गुलशन ने बताया कि हमारे उपखंड के गांवों में पानी और बिजली की विकट समस्या से ग्रामीण और छोटे छोटे बच्चे बिलख रहे है उस दर्द की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। इस समय पानी के टेंकरो की कीमत आसमान को छू रही है। जो आम ग्रामीण की पहुंच से बाहर है तो अनेकों ग्रामीणों के पास तो पानी स्टोर हेतु टंकिया का भी अभाव है। बिजली की कमी के कारण किसान भी अपनी खेती को बढ़ावा नही दे पा रहे है। फिलहाल सरकार के मंत्री और विभागीय अधिकारी वाताअनुकूलित ऑफिस में बैठकर उनके दर्द को नही समझ पा रहे है। उन्होंने बताया की मैने इस भीषण गर्मी में बिलखते हुए लोगो को देखा है और उनके दर्द को समझकर इस भीषण गर्मी में शहीद भगतसिंह की प्रतिमा के आगे सत्याग्रह का आयोजन किया है ताकि सरकार प्रशासन इन मुख्य समस्या का निवारण कर सके।

चयनित खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय कोच के निर्देशन में लगेगा प्रशिक्षण शिविर

» प्रतिभा खोज शिविर के चौथे चरण के तहत हनुमानगढ़ में ट्रायल शुरू

तेज. रिपोर्टर | हनुमानगढ़

जिला क्रिकेट संघ हनुमानगढ़ के तत्वावधान में चल रहे प्रतिभा खोज शिविर के चौथे चरण में रविवार को हनुमानगढ़ जंक्शन के जिला क्लब में शिविर लगाया गया। शिविर की शुरुआत में जिला क्रिकेट संघ अध्यक्ष पवन अग्रवाल, सचिव अर्जुन बेनीवाल, कोषाध्यक्ष संदीप भूपेश, आशीष विजय, यश अग्रवाल, मोहित बंसल, अनुराग छाबड़ा, गुरप्रीत सिंह, विशाल मुद्गिल, संजय कौशिक ने खिलाड़ियों का परिचय लिया। जिला क्रिकेट संघ अध्यक्ष पवन अग्रवाल ने बताया कि चौथे चरण के तहत हनुमानगढ़ में विभिन्न आयु वर्ग के 120 से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन सोमवार को होगा। पहले दिन शेष रहे खिलाड़ी सोमवार को शिविर में हिस्सा लेंगे। सचिन अर्जुन बेनीवाल ने बताया कि भादरा, संगरिया, पीलीबंगा में सफल प्रतिभा खोज शिविर का आयोजन किया जा चुका है। अब तक 300 से अधिक खिलाड़ी शिविर में अपनी प्रतिभा दिखा चुके हैं। कोषाध्यक्ष संदीप भूपेश ने बताया कि चयनित खिलाड़ियों के लिए 7 से 10 दिवसीय विशेष शिविर अंतरराष्ट्रीय कोच नवेंदु त्यागी के मार्गदर्शन में जल्द ही लगाया जाएगा ताकि जिले के क्रिकेट खिलाड़ियों की प्रतिभा को और निखारा जा सके। रविवार को आयोजित हुए ट्रायल में चयनकर्ता नवीन जोइया, मोहन सिंह, कोच सुनील गोदारा, मनसुख, संजय चौहान, विक्रम सिंह मौजूद रहे। ग्राउंड पर मौजूद खिलाड़ियों के अभिभावकों ने बताया कि इस तरह के तहसील स्तर पर प्रतिभा खोज शिविर से खिलाड़ियों को प्रोत्साहन तो मिलता है साथ ही उनका आत्मविश्वास भी बढ़ता है। पिछले 10 से 12 वर्षों में पहली बार इस तरह के शिविरों का आयोजन हो रहा है। उम्मीद है कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जल्द ही हनुमानगढ़ के खिलाड़ी जिले का नाम रोशन करेंगे। खिलाड़ियों के लिए गर्मी से बचाव के लिए जलजीरा, शरबत, फल व ठंडे पानी की व्यवस्था ग्राउंड पर जिला क्रिकेट संघ की ओर से की गई।

खेजड़ी की लकड़िया जब्त की

तेज. रावतसर (ओम पारीक)। क्षेत्र में हरे पेड़ों की कटान के विरुद्ध वन विभाग की सक्रियता आज जाहिर हुई। वन विभाग के बीकानेर रेंज के डीएफओ इकवाल सिंह मान की कार्यवाही में पल्लू क्षेत्र से चार पिकप जिनमे ताजा काटी खेजड़ी की लकड़ियां भरी थी को राजसात कर उनके विरुद्ध वन अधिनियम1980 की धारा के अंतर्गत कार्यवाही की है। ज्ञात रहे अरसे से वन विभाग नोहर रावतसर पल्लू क्षेत्र में खेजड़ी के कटान के विरुद्ध वन विभाग की सक्रियता बढ़ी है। लेकिन उतने ही माफियाओं के हौसले कम होने का नाम नहीं ले रहे।

माहेश्वरी समाज ने धूमधाम से मनाई महेश नवमी

तेज. रावतसर | ओम पारीक

महेश्वरी समाज सेवा समिति रावतसर द्वारा शिव मंदिर से माहेश्वरी भवन तक सुबह प्रभात फेरी और भगवान शिव के आगे पूजा अर्चना कर व सुंदरकांड का पाठ कर महेश नवमी का पर्व धूमधाम से मनाया। प्रभात फेरी में जगह जगह अग्रवाल समाज ब्राह्मण समाज ने फूलो से स्वागत किया। रात्रि 8 बजे समाज के वरिष्ठ लोगों को व हनुमानगढ़ जिला महेश्वरी समाज के जिला अध्यक्ष रवि शंकर मूंधड़ा अपनी पूरी कार्यकारिणि सहित उपस्थित हुए जिनको भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया महेश्वरी महिला मंडल हनुमानगढ़ जिला अध्यक्ष संजू बिहानी ने भी रावतसर महिला मंडल को समय समय पर समाजहित में कार्य करने व महिलाओं को आगे बढने के लिए प्रेरित किया। रावतसर अध्यक्ष नरेश सोमानी ने बताया कि आज ही के दिन प्रसिद्ध लोहागल तीर्थ स्थल पर भगवान महेश के आशीर्वाद से माहेश्वरी समाज की उत्पत्ति हुई थी। माहेश्वरी समाज के लोगों ने सपरिवार पूजन उत्सव में भाग लिया और शहर सहित राष्ट्र के कल्याण हेतु प्रार्थना की साथ ही लोगों में सत्यविचार और दूसरे के प्रति सम्मान का भाव हो। कार्यक्रम में प्रदेश कार्य करिणी के रतन लाल लाहोटी, सुरेंद्र बिहानी, पवन बिहाणी मनोज करवा, जय किशन ढूंढानि, हेमंत बिहानी, राहुल मूंधड़ा, अजय अगीवाल, उम्मेद बागड़ी,नथमल लखोटिया लक्ष्मी नारायण महिला मंडल अध्यक्ष उषा जाजु सहित कई अन्य कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे इस अवसर पर सामूहिक भोजन का भी आयोजन किया गया था।

महेश नवमी पर समारोह का आयोजन

तेज नोहर। गांव महाजन मे शनिवार को सायं श्री माहेश्वरी सभा महाजन की ओर से वार्ड संख्या 3 में आयोजित महेश नवमी समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मंचासीन अतिथियों के द्वारा भगवान महेश के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन और पुष्प अर्पित कर की गई।समस्त समाज बंधुओं ने सामूहिक रूप से महेश वंदना करके भगवान शिव की पूजा अर्चना की।समारोह को संबोधित करते हुए समाजसेवी मालचंद झंवर ने विचार व्यक्त करते हुए कहा की माहेश्वरी समाज ने श्रीमद्भागवत गीता में उल्लेखित कर्मयोग को अपने जीवन का ध्येय बनाते हुए संस्कारों और संस्कृति को बचाने के लिए उल्लेखनीय कार्य किया है। इस मौके पर श्री माहेश्वरी सभा महाजन के अध्यक्ष रमेश कुमार राठी ने कहा कि माहेश्वरी बंधुओं को आर्थिक क्षेत्र के साथ-साथ राजनैतिक प्रशासनिक और जीवन के अन्य क्षेत्रों में अपनी सक्रिय भूमिका का निर्वहन करना होगा। कार्यक्रम में जिला माहेश्वरी सभा के उपाध्यक्ष डॉ मदन गोपाल लढ़ा ने समाज की दशा और दिशा के संबंध में विस्तार से चर्चा की और संस्कृति की श्रेष्ठ विरासत को बचाने के लिए जरूरी बिंदुओं पर ध्यानाकर्षण किया। माहेश्वरी सभा के मंत्री जगदीश बिहाणी ने कहा कि माहेश्वरी समाज ने सेवा को परम धर्म मानते हुए प्राणी मात्र के हित में यशस्वी कार्य संपादित किए हैं। अतिथि के रूप में बोलते हुए श्रीडूंगरगढ़ के पवन कुमार सोमानी ने कहा कि राष्ट्रीय विकास में माहेश्वरी समाज का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। माहेश्वरी सभा महाजन की ओर से उपाध्यक्ष संजय राठी ने आगंतुकों का स्वागत करते हुए संस्था का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व सरपंच बजरंग लाल नाढानी ,भंवर लाल चांडक, बजरंग लाल लखोटिया, प्रभु दयाल झंवर आदि ने भी विचार व्यक्त किए। संस्था के कोषाध्यक्ष सुशील लखोटिया ने सभा की आगामी योजनाओं पर प्रकाश डाला और गत 3 वर्षो का लेखा जोखा प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में शैक्षणिक क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों का प्रतीक चिह्न और प्रमाण पत्र से सम्मान किया गया। समारोह में बच्चों ने मनमौहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जिन पर उपस्थित लोगों ने खूब वाहवाही की। कार्यक्रम के अंत में सामूहिक भोज का आयोजन किया गया। इस मौके पर अवनी लखोटिया, पूर्वा राठी, मयंक राठी, मौलिक लढ़ा, अंशु बिहाणी, दिशांत लढा, हेंमत राठी,आराध्या चाण्डक, कृष्णा बिहानी, नेहा लखोटिया को सम्मानित किया गया। सम, क्विज में पूछे गए रोचक सवाल कार्यक्रम में माहेश्वरी सभा की ओर से श्रीमती सोनू लखोटिया, मयंक राठी व वैभव बिहानी ने क्विज कंपटीशन और विभिन्न गेम्स का आयोजन किया गया जिसमें माहेश्वरी समाज से संबंधित प्रश्न पूछे गए। सही उत्तर देने वाले विजेताओं को मौके पर ही गिफ्ट हैंपर से पुरस्कृत किया गया।

गायन प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर किया सम्मानित

तेज रिपोर्टर. नोहर। जयपुर के होटल रायल आर्किड में अखिल भारतीय स्तर पर रक्तदान विषय पर आयोजित गीत गायन प्रतियोगिता में नोहर निवासी सुश्री शालू मिश्रा को द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर जयपुर जिला कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित, रक्तकोष फांउडेशन के संस्थापक डॉ जितेंद्र सोनी द्वारा सम्मानित किया गया। शालू मिश्रा वर्तमान में राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय सराणा में अध्यापिका के पद पर कार्यरत है । इन्होने बहुत सी कविताए लिखकर बेहतरीन लेखनी के माध्यम से अपनी विशिष्ट पहचान कायम रखते हुए विभिन्न स्तर से पुरस्कार भी प्राप्त किए है। शालू मिश्रा नोहर के वरिष्ठ पत्रकार विद्याधर मिश्रा की पुत्री है। शालू मिश्रा के सम्मानित होने पर कस्बे के विभिन्न धार्मिक, सामाजिक संस्थाओं ने खुशी जताई है।

तहसीलदार राजस्व एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट ने 23 एनटीआर में खुलवाया विवादित रास्ता

तेज. रिपोर्टर | चारणवासी

प्रार्थीगण सोहनलाल एवम् बद्री प्रसाद द्वारा पेश प्रार्थना पत्र पर हल्का पटवारी चक 22 एनटीआर द्वारा पेश की गई मौका रिपोर्ट के आधार पर दिनांक 13 जून 2024 को तहसीलदार एवम कार्यपालक मजिस्ट्रेट नोहर भार्गवी सांदू ने विवादित रास्ता खुलवाया। हल्का पटवारी की रिपोर्ट के अनुसार चक 23 एन.टी.आर. के मुरब्बा नंबर 33 के किला नंबर 1 ता 5 में स्वीकृत शुद्धा गैर मुमकिन रास्ते को अप्रार्थीगण भागचंद पुत्र मदनलाल सैनी द्वारा दक्षिण दिशा में तारबंदी एवम् मुन 34 के किला न. 1 ता 5 के दोनो तरफ कच्चा खाला अप्रार्थीगण मनीराम, सन्तलाल पुत्र पीघाराम, लालचन्द पुत्र पीधाराम द्वारा रास्ता को अवरूद्ध पाया गया था। स्वीकृत शुद्धा गैर मुमकिन रास्ते को खुलवाने बाबत भू-अभिलेख निरीक्षक चक सरदारपुरा अभिषेक शर्मा के नेतृत्व में नवीन टीम का गठन किया जाकर रास्ता खुलवाने हेतु निर्देशित किया गया। अभिषेक शर्मा के नेतृत्व में साहबराम हल्का पटवारी 22 एनटीआर जसवंत हल्का पटवारी बडबिराना, रविंद्र हल्का पटवारी सोती बड़ी को सदस्य नियुक्त किया गया। इसी कड़ी में थानाधिकारी फेफाना को राजस्व टीम के साथ मौके पर पुलिस जाब्ता उपलब्ध करवाने हेतु निर्देशित किया गया, साथ ही प्रार्थीगण सोहनलाल एवम् बद्री को निर्देशित किया गया कि भू-अभिलेख निरीक्षक चक सरदारपुरा के निर्देशानुसार मौके पर संसाधन उपलब्ध करवाएं। आदेश की पालना में आज तहसीलदार की मोजूदगी में राजस्व टीम ने पुलिस जाब्ते के साथ रास्ता खुलवाकर तहसीलदार को पालना रिपोर्ट पेशी की।

अखबार मालिकों, पत्रकारों और मैनेजमेंट के लिए खतरे की घंटी

भारत सरकार ने एक सोची समझी रणनीति के तहत एक नई पालिसी को तैयार किया है। लोकसभा चुनाव से पहले इस पालिसी को इसलिए लागू नहीं किया गया क्योंकि सरकार को इसके दुष्परिणाम भुगतने पड़ सकते थे। अगर ये पालिसी चुनाव से पहले लागू की जाती तो ज़मीन पर काम करने वाले अख़बार मलिक सरकार को उसकी ज़मीन दिखा देते। हो सकता है कि सत्ता परिवर्तन भी हो जाता। इस पालिसी के लागू होने के बाद देश में सिर्फ़ 2 प्रतिशत अख़बार ही जीवित रहेंगे। छोटे अख़बार जिनकी प्रसार संख्या 25000 से कम होगी उन्हें कोई विज्ञापन नहीं मिलेगा। ऐसा इसलिए क्योंकि 98 प्रतिशत अख़बार इसी केटेगरी में आ जाएँगे। सरकार एक रणनीति के तहत पहले मझोले अख़बारों को मारेगी। फिर नीचे वालों को। छोटे अख़बारों की हैसियत से सरकार बखूबी वाक़िफ़ है। वह जानती है कि ये कभी एक नहीं हो सकते। रही बार मीडिया ऑर्गेनाइज़ेशनों की तो वह पहले से ही निष्क्रिय है। सब अपनी अपनी राजनीति चमकाने में व्यस्त है। भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित इस पालिसी में एक से एक नये नये बिंदु डाले गये हैं कि कहीं से भी कोई निकल ना पाए। मिसाल के तौर पर सर्कुलेशन वेरिफिकेशन के लिये

- अपनी स्वयं की प्रेस होने के अलावा अब कोई विकल्प नहीं रहेगा।
- प्लेस ऑफ़ पब्लिकेशन अगर एक वर्ष के बीच में बदला गया है तो आप अपने अख़बार की वेरिफिकेशन नहीं करा सकते।
- अख़बार वितरण से होने वाली आय 24-48 घंटों के भीतर बैंक खाते में जाम की जानी चाहिए।
- अब से सिर्फ़ डेस्क ऑडिट होगा। अब से आप अख़बार छापो या मत छापो। सिर्फ़ काग़ज़ पूरे करके डिपार्टमेंट में जमा कर दो। फिजिकल वेरफ़िकेशन नहीं की जाएगी।
- मशीन रूम रिटर्न का प्रारूप प्रस्तावित आरऐनआई के हिसाब से ही होना चाहिए। मिनट तो मिनट रिपोर्ट करना होगा। कब प्लेट लगाई, कब मशीन का बटन दबाया, कब पेपर फटा, कितनी स्पीड पर मशीन चली, मशीन पर 8 घंटे में कितने अख़बार छपते हैं। मशीन का मेक और मॉडल कौन सा है। रील का वज़न कितना है, उसमें से पेपर कितना निकला, गत्ता कितना निकला, वेस्टेज कितनी हुई। हर चीज़ का वजन आरऐनआई द्वारा प्रस्तावित प्रारूप में भरना होगा।
- प्रिंटिंग प्रेस में काग़ज़ का स्टॉक कितना है। उसे रील टू रील, प्रति ग्राम के हिसाब से लिखना होगा। कुल मिलाकर 4 कर्मचारी प्रेस वाला इसी में लगाएगा की वह हर डिटेल भरे। हर चीज़ का वजन करे। उसे MRR - Machine Room Return में अंकित करे।
- अगर आपकी स्वयं प्रेस नहीं है तो मान के चलिए आप इस प्रक्रिया को पूरा करना तो दूर, इस प्रक्रिया से गुज़र भी नहीं पायेंगे। ऐसा इसलिए क्योंकि प्रिंटिंग प्रेस वाले के पास आरऐनआई द्वारा एक पत्र भेजा जाएगा। जिसमें छपाई से जुड़ा प्रारूप होगा। इसमें छपाई के जीएसटी बिल, प्रिंटिंग शेड्यूल, मशीन की क्षमता, प्रेस का मासिक बिजली बिल अथवा जनरेटर और डीजल बिल, प्रेस पर छपने वाले सभी अख़बारों के नाम, उनकी प्रसार संख्या, काग़ज़ पार्टी द्वारा उपलब्ध करवाया गया है या प्रेस द्वारा, काग़ज़ के बिल, पूरे महीने में इस्तेमाल की जाने वाली इंक (शाई) की कुल खपत के अलावा कई और पैरामीटर शामिल किए गए हैं। और ये सारी जानकारी एक प्रेस वाले को बाक़ायदा एफिडेविट पर देनी होगी। अब आप स्वयं हो सोच लीजिए कि कितने प्रिंटर इसके लिए राज़ी होंगे।
- इसके अलावा आपको ये भी जानकारी देनी होगी कि अख़बार में कुल लागत जैसे काग़ज़, प्लेट, इंक, बिजली बिल, स्टाफ सैलरी, डिस्ट्रीब्यूशन कॉस्ट, अन्य ख़र्चों के बाद आपका अख़बार फ़ायदे में है या नहीं। अख़बार बेचने के लिए आपने गिफ्ट दिया तो कितने का दिया। एक रेश्यो निकाला जायेगा जिससे ये पता चलेगा कि आपका अख़बार फ़ायदे में है या नहीं। अगर फ़ायदे में नहीं है तो आप अख़बार चला कैसे रहे हैं।
- ये तो भारत सरकार की प्रस्तावित पालिसी के कुछ अंश भर है। एक बार आप स्वयं बढ़ लें।

हम सभी लोग समाचार पत्रों के व्यवसाय से लगभग 30-40 सालों से जुड़े हुए हैं। यक़ीन मानिए की अगर ये पालिसी लागू हो गई तो देश में सिर्फ़ 2 प्रतिशत ही अख़बार बचेंगे। वह भी सिर्फ़ हिंदुस्तान टाइम्स या टाइम्स ऑफ़ इंडिया जैसे। ये पूरी इंडस्ट्री ख़त्म हो जाएगी। कुछ लोग अगर ये सोच रहे हैं कि हम तो अपने अख़बार स्मॉल केटेगरी में रख लेंगे। तो आप ये मत भूलिए कि पालिसी कभी किसी एक व्यक्ति या संस्था विशेष के लिए नहीं बनती। ये एक सोची समझी रणनीति के तहत लोकतंत्र को ख़त्म करने की ओर बढ़ाया गया एक और कदम है। एक पुरानी कहावत है कि बकरा कब तक खैर मनाएगा।

इसके अलावा ग़ौर करने योग्य पहलू

- कौन सा प्रिंटर आपका अख़बार छापने को तैयार होगा?
- न्यूज़पेपर इंडस्ट्री से लाखों लोग रातों- रात सड़क पर आ जाएँगे।
- पीआईबी- डीआईपी कार्ड सहित पत्रकारों को मिलने वाली सभी सुविधाएँ समाप्त हो जायेंगी।
- देश भर के प्रेस क्लब सहित पत्रकारों के हितों के लिए बनी संस्थाएँ, एडिटर्स एसोसिएशन इत्यादि अपने आप ही समाप्त हो जायेगी।
- अभी आरऐनआई की एनुअल रिटर्न ही नहीं भरी जा पा रही। इसके लिए हर पब्लिशर धक्के खा रहा है। इसके साथ ही सरकार एक और कुठाराघात करने की तैयारी कर चुकी है। सिर्फ़ ऊपर के आकाओ से निर्देश मिलने का इंतज़ार है।
- सरकार अख़बार के काग़ज़ की खपत के बिल माँगे, इंक के बिल माँगे। ये सब समझ में आता है लेकिन इतनी सारी फ़ॉर्मैलिटीज लगाना, असल में अख़बार वालों का मनोबल तोड़ने का उद्देश्य है। ज़्यादातर अख़बार वाले इतनी सारी काग़ज़ी कार्यवाही से ही डरकर हथियार डाल देंगे। यही सरकार चाहती है। बहरहाल, अगर इस पालिसी को लागू होने से नहीं रोका गया तो अख़बारों को इतिहास का हिस्सा बनते देर नहीं लगेगी।

गर्मी और उमस ने आम जनमानस का जीना मुहाल किया, लगातार बढ़ रही गर्मी

तेज. ऐलनाबाद | रमेश भार्गव

ऐसा लगता है कि जून माह भूनकर रख देगा। भयंकर गर्मी के मौसम ने ए सी और कुलर सबको फैल कर दिया है। प्रशासन के दावों को झूठलाते हुए बिजली के कट कोड में खाज के हालात पैदा कर रहे हैं। गर्मी और उमस ने आम जनमानस का जीना मुहाल कर दिया है, लगातार बढ़ रही गर्मी का संकट अभी कम होने के आसर नहीं है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार इस वर्ष मानसून 2024 के सामान्य रहने की संभावना है। इस बार अनुमान के दो दिन पहले ही 30 मई को मानसून केरल में दस्तक दे चुका है, आशा है कि इस बार 20 जून तक देश के अधिकांश इलाकों में मानसून आ जाएगा। मौसम विभाग के मुताबिक इस वर्ष पूरे देश में दीर्घाबदी ओस्तका 104 प्रतिशत बारिश की संभावना है। वर्तमान में भूमध्य रेखाएं प्रशांत क्षेत्र पर अल नीनो की मध्य स्थिति बनी हुई है, अगर परिस्थितिया अनुकूल रही तो इस वर्ष 106 प्रतिशत तक बारिश हो सकती है लेकिन उत्तर भारत में पड़ रही भीषण गर्मी ने लोगों को बुरी तरह से परेशान किया हुआ है। हरियाणा की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि यह दो तरफ से राजस्थान के साथ लगता है ऐसे में मरुस्थली गर्मी यहां के मौसम को पोषण बनाकर रखती है बीच-बीच में वेस्टर्न डिस्टरबेंस के कारण हवाए चलने से तापमान में कुछ गिरावट आई थी लेकिन हालात बाद में फिर गर्मी वाले ही बने रहे।

ठंडी चीजों का प्रयोग करें

इस मौसम में गर्मी और हीट स्ट्रोक से बचने के लिए ठंडी चीजों का प्रयोग करें बार-बार पानी पिए ,नींबू ,नारियल पानी पिए, तरबूज, खरबूजे का सेवन करें सुबह सवेरे खीरे खाएं बाजार की तलिबनी चीजों से परहेज रखें अच्छी क्वालिटी की आइसक्रीम ही खाएं। ग्लूकोन-डी प्रयोग करें और शरीर को डिहाइड्रेशन से बचा कर रखें। बच्चों और बुजुर्गों को बाहर निकलने से रोके क्योंकि हीट स्ट्रोक हो सकता है। पानी की कमी, बिजली के लग रहे कट, एक तरफ भयंकर गर्मी है तो दूसरी और नहरों में पानी की कमी है जिसके चलते खेतों में पानी नहीं है और जहां तक की पीने के पानी की किल्लत भी आई हुई है। लोग पानी को मोल लेकर पी रहे हैं, क्योंकि करें भी तो क्या करें गर्मी के कारण बिजली के कट भी लग रहे हैं। बिजली घरों में बिजली कर्मचारी बड़े ट्रांसफार्मर पर पानी छिड़कते भी देखे जा सकते हैं। बिजली व पानी के कारण भी लोग त्राहि त्राहि कर रहे हैं ।लोग जाते हुए भी गर्मी से निजात नहीं पा रहे हैं क्योंकि पर बहुत है और प्रबंधों में कमी आ रही है 48 पार तक पारा पहुंच गया था ।पर सिरसा में पहली बारऐसा हुआ जब तापमान 48 डिग्री के पार चला गया यह भी पहली बार हुआ है कि पूरे देश में सिरसा का तापमान सर्वाधिक रहा अब जबकि जून का उत्तरार्ध आने को है तापमान 43 डिग्री के आसपास है। लेकिन स्थिति यह है कि गर्मी लोगों की सांस फुल रही है और गर्मी सहन नहीं हो रही है बाहर निकलते ही आग के शोले स्वागत करते हैं। दिहाड़ीदार और श्रमिकों के लिए यह मौसम किसी आफत से काम नहीं है ।दिनभर बाजारों में सन्नाटा पसरा रहता है। व्यापार भी गर्मी के कारण बहुत प्रभावित हो रहा है।

बचपन

बायां कान छू लिया तो हो गया एडमिशन

बहुत साल पहले की बात है। उस समय में जन्मदिन तिथियों के तौर पर याद रखे जाते थे। तिथियां बदलती थीं तो बच्चे की ठीक-ठीक आयु बता पाना मुश्किल होता था। अब स्कूल कब भेजें, किस उम्र में, यह सवाल उठा, तो हमारे ज्ञानी गुरुजनों ने इसका एक तरीका निकाला। स्कूल में दाखिले के समय बच्चे से कहा जाता कि अपने दाएं हाथ को सिर के ऊपर से ले जाते हुए बायां कान छुओ। अगर बच्चा ऐसा कर पाता तो उसे दाखिला मिल जाता। यह मामूली टेस्ट नहीं है। समझदारी का बिलकुल सरल परीक्षण है।

बच्चे की समझ और उसके शरीर व मस्तिष्क की परिपक्वता को देखते हुए ही उसका किसी स्कूल में दाखिला कराया जाता था। समझ को देखते हुए विद्यार्थियों के लिए अलग-अलग क्लासेस होती हैं। केजी 1, केजी 2, फिर पहली कक्षा और इसी तरह दूसरी, तीसरी और आगे की तमाम कक्षाएं।

दरअसल, कक्षाओं पर आधारित शिक्षा का मकसद होता है कि विद्यार्थी जो भी सीखें उसे एक सिलसिलेवार तरीके से सीखें। अलग-अलग कक्षा के होने से हमें उसी के अनुरूप या फिर यूं कहें कि समकक्ष संगी-साथी मिलते हैं। सोचो, अगर आपको पहली कक्षा में न बैठाकर सीधे आठवीं या दसवीं कक्षा के विद्यार्थी के साथ बैठा दिया जाए तो कैसा लगेगा? विभिन्न कक्षाओं के होने से कोई भी बच्चा क्रमश धीरे-धीरे चीजों को सीखता है। कक्षाएं होने से विद्यार्थी की समझने की क्षमता के अनुरूप ही विषय सामग्री बनाई जाती है, ताकि उस विषय सामग्री यानी किताबें, कोर्स आदि उस दरे के बच्चे को समझने में दिक्कत न करें। कक्षाओं के होने से आपको एक फायदा भी है। आपके पड़ोस में रह रहे राहुल को भी वहीं चीजो पढ़नी होती हैं। भले ही वो आपसे पढ़ने में कितना ही तेजी से क्यों न हो। इस तरह आप अपनी ही आयु के अन्य बच्चों से काफी कुछ सीख भी सकते हैं। अपनी ही आयु के बच्चों के साथ एक क्लास में बैठने से खुद को सहज भी महसूस करते हैं। यानि क्लास रूप वो स्थान है जहां सभी एक आयु के, एक-सा कोर्स पढ़ने वाले और एक सी ही परीक्षा देने वाले, कोई बड़ा-छोटा नहीं, कोई भेदभाव नहीं।

पेड़ पौधे भी देते हैं सीख

प्रकृति में पेड़-पौधे, सूरज, हवा, हिमकण और सितारें सब शामिल हैं। ये सभी हमें जीवन देते हैं। इनका वजूद हम सबके अस्तित्व के लिए बहुत जरूरी है। इस बात से तो आप भी इत्तेफाक रखते ही होंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये भी हमें बहुत कुछ सिखाते हैं। बिना कुछ कहे ही ये हमें सब कुछ बताते हैं बस जरूरत है तो उन्हें समझने की।

धरती को हरी-भरी बनाने के साथ हमें ऑक्सीजन की सौगात देते हैं, जिसे हम प्राणवायु कहते हैं।

पेड़-पौधे अपने भोजन की स्वयं ही व्यवस्था करते हैं। मिट्टी से पोषक तत्व और पानी को सोखते हैं और फिर सूर्य के प्रकाश से ऊर्जा लेकर, भोजन बनाते हैं। आप इनसे आत्मनिर्भर बनने की सीख ले सकते हैं।

पेड़ की छांव तेज धूप में आपको शीतलता प्रदान करती है। वहीं इसके फल बहुत मीठे और रसीले होते हैं। पेड़ के फल तो आपके और हमारे लिए ही होते हैं। इस तरह से ये हमें सुरक्षा और परोपकार की सीख देते हैं।

इनकी सबसे बड़ी खासियत यह होती है कि ये चाहें कैसे भी टेढ़े-मेढ़े हों, दूसरे पेड़ ही तरह नहीं बनने की कोशिश करते। यानी इन्हें खुद पर और अपनी काबलियत पर नाज होता है। यानि आप जो भी हो जैसे भी हो, वही रहना चाहिए। आत्मविश्वास से भरपूर बने रहना चाहिए। ये कुछ भी बर्बाद नहीं करते, अपने पोषक तत्वों को धरती से सोख लेते हैं। समय को बिना गंवाए अपने विकास के लिए लगातार लगे रहते हैं। पेड़ो से आप ये चार चीजें और भी सीख सकते हैं। ऑक्सीजन आपको जीवन देती हैं परन्तु यदि आपमें आत्मनिर्भता, सुरक्षा जैसे गुण आ जाएं तो आप अपने जीवन को सफल बना सकते हैं।

पहेलियां

1. मूझमें भार सदा ही रहता
   जगह घेरना मुझको आता
   हर वस्तु से गहरा रिश्ता
   हर जगह मैं पाया जाता।
2. ऊपर से नीचे बहता हूं
   हर बर्तन को अपनाता हूं
   देखो मुझको गिरा न देना
   वरना कठिन हो जाएगा
   भरना।
3. लोहा खींचू ऐसी ताकत है
   पर रबड़ मुझे हराता है
   खोई सूई में पा लेता हूं
   मेरा खेल निराला है।

उत्तर

1. गैस, 2. द्रव्य, 3. कांच

जैरी भाग, टॉम आया, टॉम बच, जैरी आया

टॉम हो या जैरी, दोनों एक-दूसरे के पीछे पड़े रहते हैं। दोनों किसी का कुछ बिगाड़ना नहीं चाहते, बस, छीनना चाहते है, तो एक-दूजे का सुकून। यानि बस तंग करना ही मकसद है। इनके खेल बड़े मज़ेदार होते हैं।

आपको भी पंसद हैं न। तो चलिए, कुछ जानते हैं इनके बारे में

-

गर्मी के दिन थे। जैरी अपने घर में चादर ओढ़े आराम से सो रहा था। तभी उसके नाक में पनीर की खुशबू ने प्रवेश किया। पनीर उसे बहुत पसंद था, वह पलंग से उछल पड़ा और उस दिशा में चल पड़ा, जहां से खुशबू आ रही थी। अपने घर के छोटे-से दरवाजे से निकलते ही उसे सामने पनीर का एक बड़ा टुकड़ा दिखाई दिया। वह खुशी से उछल पड़ा, हुररर्र..। उसके मुंह से लार टपकने लगी। जैसे ही उसने टुकड़े की ओर हाथ बढ़ाया, वैसे ही पीछे से टॉम ने उसे पकड़ लिया। जैरी समझ गया था कि टॉम ने ही उसे पनीर का लालच देकर फंसाया है। टॉम ने जैसे ही जैरी को खाने के लिए अपना मुंह खोला, जैरी ने उसके मूंछों के बालों को ज़ोर से खींच दिया। दर्द के कारण जैरी के हाथों से टॉम छूट गया। जैरी भागा और टॉम भी उसके पीछ-पीछे भागा। इस तरह फिर से शुरू हो गया चूहे-बिल्ली का वह खेल, जिसके करोड़ो बच्चे दीवाने हैं।

टॉम एंड जैरी का जन्म

जोसफ बारबेरा बैंकिंग हमेशा कागज़ों पर आड़ी-तिरछी लकीरें खींचकर लोगों का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश किया करते थे। हालांकि, उनका मकसद बैंकिंग के क्षेत्र में काम करने का था लेकिन उनको काटरून बनाने का भी काफी शौक था। उनके काटरून जल्द ही पत्र-पत्रिकाओं में छपने भी लगे। 1930 के दशक के आखिरी में मैट्रो गोल्डवेन मेयर फिल्म स्टूडियो में उनकी मुलाकात हाना से हुई। इसी मुलाकात में दोनों ने एक ऐसा कार्टून सीरियल बनाने का सोचा, जो एक घरेलू बिल्ली और एक चूहे के बीच लगातार चलने वाली दुश्मनी पर केन्द्रित हो। इसी सोच के साथ उन्होंने टॉम एंड जैरी काटरून पात्रों को छोटे पर्दे पर साकार किया।

जोसेफ-हाना की जोड़ी ने 17 साल के सफर में टॉम एंड जैरी सीरीज़ के लिए सात ऑस्कर पुरस्कार हासिल किए और कुल 14 बार इन्हें पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया।

मज़ेदार है चूहे-बिल्ली की यह खेल

एक शरारती चूहा और एक खुराफाती बिल्ली, अगर एक ही घर में हों, तो दिलचस्प घटनाओं की भरमार हो जाती है। टॉम एंड जैरी के द्वारा एक दूसरे का पीछा करने और आपसी लड़ाई में हास्यास्पद भिड़ंत शामिल है। इसी कारण 70 सालों से लेकर आज तक यह दुनियाभर में न केवल बच्चों द्वारा बल्कि उनके अभिभावकों द्वारा भी पसंद किया जाता है। भारत में इसकी लोकप्रियता का अंदाज़ा इस बात से लगाया जा सकता है कि टॉम एंड जैरी के कार्यम हिंदी के साथ ही अंग्रेजी, तमिल और तेलुगू भाषाओं में भी प्रसारित किए जाते हैं।

आखिर यह भाग-दौड़ क्यों?

प्रत्येक कार्टून फिल्म की कहानी आमतौर पर जैरी को पकड़ने के लिए टॉम के अनगिनत प्रयासों और उसके कारण हुई हाथापाई और दौड़ा-भागी पर आधारित होती है। इनको देखकर यह समझना मुश्किल है कि आखिर ?यों टॉम, जैरी का इतना अधिक पीछा करता है। काटरून को देखकर जो अंदाज़ा लगाया जा सकता है, उसके हिसाब से कुछ कारणों में एक बिल्ली का एक चूहे के साथ बैर, अपने मालिक के आदेश का पालन, टॉम को सौंपे गए कार्यों को जैरी द्वारा बिगाड़ने की कोशिश, जैरी द्वारा टॉम के मालिक का भोजन खा जाना, जिसकी निगरानी का जिम्मा टॉम को सौंपा गया है, दूसरे को चिढ़ाने की भावना, जेरी द्वारा टॉम के अन्य संभावित शिकारों (जैसे कि बतख, चिड़िया या मछली) को खाए जाने से बचाना, दूसरी बिल्ली से प्रतिस्पर्धा आदि शामिल हैं।

थोड़ी तकरार-थोड़ा प्यार

ऐसा नहीं है कि यह जोड़ी हमेशा लड़ाई ही करती रहती है, कभी-कभी ये दोनों वास्तव में एक-दूसरे के साथ अच्छी तरह व्यवहार करते भी दिखाई देते हैं। 'जैरी एंड द लॉयन' में जब जेरी को एक शरारत सूझती है और वह मरने का नाटक करने लगता है, जिससे कि टॉम यह सोचे कि उसने जैरी को गोली मार दी है। जैरी को लेटा देखकर टॉम प्राथमिक चिकित्सा किट लेकर दौड़ता हुआ आता है। इससे पता चलता है कि टॉम और जैरी में तकरार के बाद भी प्यार छिपा हुआ है। साथ ही दिलचस्प बात यह है कि कई सारे चित्रों में भी टॉम तथा जैरी एक दूसरे पर मुस्कुराते हुए दिखाए गए हैं, जो प्रत्येक काटरून में दूसरे पर प्रदर्शित अत्यधिक झुंझलाहट के बजाय प्यार-तकरार का रिश्ता अंकित करता है।

जैरी की चालाकी और किस्मत की वजह से टॉम शायद ही कभी जैरी को पकड़ने में सफल हो पाएगा, लेकिन इतना तो अवश्य है कि इन दोनों के दौड़-भाग का यह खेल हमेशा लोगों को गुदगुदाता रहेगा।

टॉम एंड जेरी कौन हैं?

टॉम का असली नाम थॉमस है, जो कि नीली-स्लेटी आंखों वाला ब्रिटिश घरेलू बिल्ला है। जैरी भूरे रंग का छोटा-सा चूहा है। शुरुआती कहानियों में टॉम का नाम जैस्पर और जैरी का जिंक्स था। टॉम को गुस्सा जल्दी आता है, जबकि जैरी अवसरवादी और खुशदिल है। वैसे तो कहा जाता है कि बिल्लियां बड़ी चालाक होती हैं, लेकिन टॉम और जैरी की कहानी में टॉम की हर फुर्ती को जैरी का दिमाग बड़ी आसानी से हरा देता है। हालांकि, हर कहानी में जीत जैरी की होती है लेकिन कहीं अगर जैरी अपनी सीमाएं तोड़ देता है, या कहीं किसी बुराई का साथ दे बैठता है, तो टॉम की विजय भी होती दिखाई देती है।

मनोविज्ञानी कहीं-कहीं इस चूहे-बिल्ली की कहानी को महज़ शरारत नहीं मानते। यह दूसरे को नुकसान पहुंचाने की कहानी भी बन जाती है। उनका कहना है कि बच्चों को सिर्फ शो का मज़ा लेना चाहिए। किसी भी तरह से ऐसे खेलों को अपने दोस्तों या बच्चों के साथ नहीं खेलना चाहिए। टॉम एंड जैरी के खेल काल्पनिक हैं, इनकी नकल करना घातक हो सकता है।

जाने डॉल्फिन के बारे में

डॉल्फिन को हम अक्सर मछली कहते है परन्तु वास्तव में डॉल्फिन एक मछली नहीं है। वह तो एक स्तनधारी प्राणी है। जिस तरह व्हेल एक स्तनधारी प्राणी है वैसे ही डॉल्फिन भी इसी कैटेगरी में आती है। यह एक छोटी व्हेल की ही तरह है। डॉल्फिन का रहने का ठिकाना संसार के समुद्र और नदियां हैं।

डॉल्फिन को अकेले रहना पसंद नहीं है यह सामान्यतः समूह में रहना पसंद करती है। इनके एक समूह में 10 से 12 सदस्य होते हैं। हमारे भारत में डॉल्फिन गंगा नदी में पाई जाती है लेकिन गंगा नदी में मौजूद डॉल्फिन अब विलुप्ति की कगार पर है। डॉल्फिन की एक बड़ी खासियत यह है कि यह कंपन वाली आवाज निकालती है जो किसी भी चीज से टकराकर वापस डॉल्फिन के पास आ जाती है।

इससे डॉल्फिन को पता चल जाता है कि शिकार कितना बड़ा और कितने करीब है। डॉल्फिन आवाज और सीटियों के द्वारा एक दूसरे से बात करती हैं। यह 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तैर सकती है। डॉल्फिन 10-15 मिनट तक पानी के अंदर रह सकती है लेकिन वह पानी के अंदर सांस नहीं ले सकती। उसे सांस लेने के लिए पानी की सतह पर आना पड़ता है।

वार्ड 13 में पेवर कारपेट सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ

तेज | रिपोर्टर हनुमानगढ़

जंक्शन के वार्ड 13 में रविवार को पेवर कारपेट सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ नगर परिषद सभापति सुमित रणवां, पार्षद प्रतिनिधि गुरप्रीत सिंह, जनस्वाभिमान एकता मंच के प्रदेशाध्यक्ष नारायण नायक, सतीश कुमार ने किया। इस मौके पर सभापति सुमित रणवां ने बताया कि वार्ड 13 में सड़क क्षतिग्रस्त होने के कारण राहगीरों को समस्या का सामना करना पड़ रहा था। अब इस सड़क के निर्माण से वार्डवासियों व राहगीरों को राहत मिलेगी। उन्होंने तकनीकी अधिकारियों की टीम को गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए ताकि सड़क का लाभ आमजन लम्बे समय तक ले सके। सभापति के अनुसार शहर में विकास कार्यों को गति दी जाएगी। पार्षद प्रतिनिधि गुरप्रीत सिंह ने बताया कि वार्ड 13 की विभिन्न सड़कों का पेवर तकनीक से निर्माण करवाया जा रहा है। इस पर करीब 16 लाख रुपए लागत अनुमानित है। इस मौके पर सुपरवाइजर महेन्द्र मीणा, दिनेश कुमार सहित कई अन्य वार्डवासी मौजूद थे।

टॉपर बेटियों का किया अभिनन्दन

» अतिथि बोले, किसी गली-मोहल्ले की मोहताज नहीं प्रतिभा

तेज | रिपोर्टर हनुमानगढ़

पढ़ने की ललक हो तो छोटी-छोटी गलियों व बस्तियों के विद्यार्थी भी जिला टॉपर कर सकते हैं। ऐसा ही जीवंत उदाहरण जंक्शन के खुंजा की बेटियों ने करके दिखाया है। खुंजा में निवास करने वाली बेटियों ने कक्षा 12वीं में जिले में टॉपर रहकर खुंजा के साथ-साथ जिले का नाम रोशन किया है। रविवार को टॉपर बेटियों का पार्षद मोहनलाल बड़सीवाल के निवास पर बेबी हैप्पी मॉडर्न पीजी कॉलेज के निदेशक तरुण विजय, पार्षद प्रतिनिधि मनोज बड़सीवाल की ओर से अभिनंदन किया गया। बेबी हैप्पी मॉडर्न पीजी कॉलेज के निदेशक तरुण विजय ने कहा कि प्रतिभा किसी गली या मोहल्ले की मोहताज नहीं है। खुंजा की बेटियों ने जिले में टॉपर रहकर लोगों में फैली खुंजा के प्रति भ्रांति को समाप्त करते हुए पूरे शहर में खुंजा क्षेत्र का नाम शिक्षा की दृष्टि से रोशन किया है। उन्होंने अन्य विद्यार्थियों को भी अव्वल रहे बच्चों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। पार्षद प्रतिनिधि मनोज बड़सीवाल ने कहा कि बेटियां बेटों से कम नहीं हैं, यह सिद्ध किया है कि खुंजा की बेटियों ने। इन बेटियों ने कक्षा 12वीं में 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर परिवार, गुरुजनों व जिले का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि आशा हीं नही बल्कि पूरा यकीन है कि इन बेटियों ने अव्वल रहने की जो परम्परा शुरू की है, यह हर वर्ष बढ़ती जाएगी और खुंजा के विद्यार्थी शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेंगे।

थप्पड़ की गूंज कसूती

लगे हाथ

रूपसिंह राजपुरी
मो. 99283-31870

पिछले दिनों कंगना रानौत के थप्पड़ कांड की चर्चा भी उतनी रही जितनी मोदी जी के तीसरी बार शपथ ग्रहण करने की रही। फिल्म अदाकारा से सांसद बनने के बाद दिल्ली जा रही कंगना गांव भाँभला, मंडी हिमाचल प्रदेश से सड़क मार्ग द्वारा नजदीकी हवाई अड्डे चंडीगढ़ आई थी आगे विमान द्वारा जाना था। हवाई अड्डे पर पेचा अड़ गया। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की सिपाही कुलविंदर कौर ने उसे जोरदार थप्पड़ जड़ दिया। उसे गुस्सा था कि किसान आंदोलन में धरने पर बैठी उसकी मां समेत अन्य औरतों के लिये कंगना ने कहा था कि ऐसी औरतें सौ सौ रुपयों में मिल जाती हैं ।तब से कंगना किसान वर्ग के मन से उतर गई थी। पंजाब से चुनाव लड़ती तो जमानत राशि भी न बचती।
एक बाल बच्चेदार महिला एक हम उम्र लेकिन कमसिन दिखने वाली औरत के चांटा जड़ कर शेरनी कहलाई। थप्पड़ मारते हुए कोई वीडियो नहीं दिखा पर नथुने फुलाकर पंजाबी लहजे की हिंदी बोलकर खुलासा करते कुलविंदर का वीडियो बार बार दिखा। गोरी गाल पर हाथ का प्रायोजित निशान भी दिखाया गया। जो रानी झांसी के रोल में भी दिखी थी वह सरदारनी के आगे पिद्दी दिखी और पंजाबन शेरनी बन गयी। उसके लिये नकद लाखों रुपयों और एक लाख रुपये माहवार तक की नौकरी के ऑफर आने लगे जबकि सीआईएसएफ में पैंतीस चालीस हजार की नौकरी होगी।उसे विदेशों से धन देने की घोषणा हुई। जब बात की पकड़ हो जाती है तो पैसा मायने नहीं रखता। फिल्मी लोगों ने भी उसे वधाई देते हुए इनाम देने की बात की। संकट के समय अपने वाले भी दुश्मन का साथ नहीं देंगे यह कोई गारंटी नहीं है। उसे विधानसभा के उप चुनावों में जिताकर विधायक बनाने की जोरदार गारंटी दी गयी। तब लगा यह काम हो सकता है, जब जेल में बैठा अमृतपाल सिंह जिताया जा सकता है तो पंजाब की बेटी कुलविंदर कौर क्यों नहीं, बस नौकरी बचाने और पुलिस टार्चर से बचने के लिये गिड़गड़ाये नहीं। कल को वह विधायक या सांसद बन कर कंगना के बराबर बैठ जाये तो मानना पड़ेगा कि जरूरी नहीं जनसेवा ही की जाये कुछ अलग प्रकार का ऊटपटांग करके भी राजनीति में पैर जमाये जा सकते हैं। विमान हाइजेक करने वाले, बसों को आग लगाने वाले विधायक सांसद बनते देखे हैं। कोयला खदानों में बठ्ठल ढोते ढोते बाहुबली बनकर हफ्ता वसूली करने वाले केंद्र में मंत्री बने रहे हैं। कत्ल के आरोपी भी लोकसभा के सदस्य रह चुके हैं। भारत की राजनीति ने साइकिल पर चलने वालों को इतना बड़ा बना दिया कि वे अपने आवास सरकारी बंगले की सजावट पर ही करोड़ों रुपये फूंकने से गुरेज नहीं करते थे। कंगना ने भी महाराष्ट्र सरकार से मुम्बई महा नगरपालिका के थ्रू पेचा लिया था, अड़ी रही उसका घर व ऑफिस ढहा दिया था। तबसे वह मोदी जी की नजरों में आ गयी उसे जरूरत से ज्यादा सरकारी सुरक्षा दी गई। पदम् पुरस्कार देकर रुतबा बुलन्द किया गया जबकि इंडस्ट्री में हीरोइनें तो और भी थीं। अब उसे सांसद की टिकिट दे दी गयी और वह जीत भी गयी। उसने राजघराने के राजकुमार को हराया है। कुलविंदर कौर ने भी अलग किस्म का काम किया है उसने सांसद को थप्पड़ मारा है। बताया जाता है उसकी ड्यूटी किसी और विंग में थी वहां से कंगना के रास्ते में आई और काम को अंजाम दिया। अब वह इंटरनेट पर सर्वाधिक खोजी जा रही है। पहले भी दिल्ली में एक पत्रकार जरनैल सिंह केंद्रीय मंत्री पर जूता उछालने की एवज में विधायक बन चुका है।
एक किस्सा इसी संदर्भ में याद आ रहा है कि पुराने समय में जब जमीनों की इतनी कीमत नहीं होती थी बल्कि अकाल में जमीन जी का जंजाल हो जाती थीं, एक किसान का पेचा पटवारी जी से पड़ गया। किसान ने थप्पड़ मार दिया और पटवारी जी ने खीझ उतारते हुए उठाकर कई मुरब्बे जमीन उसके नाम चढ़ा दी कि फिरेगा तहसील के चक्कर काटता मामला कहां से भरेगा। पटवारी जी ने यह काम किया तो था बदला लेने के लिये किसान की संतानों के लिये वह कृत्य वरदान हो गया। अब किसान के परिवार को मलाल है कि हमारे बढऊ ने ढंग से थापा मुक्की की होती तो आज हमारे पास दो चार मुरब्बे और होते।
वैसे थप्पड़ खाना या मारना संस्कृति का हिस्सा रहा है ऐसा कोई गरीब अमीर नहीं होगा जिसने जीवन में कभी थप्पड़ नहीं खाया हो। मां की मार को बाद में याद करके रोया जाता है कि काश आज मां होती चाहे कितना भी कूट लेती। गुरुजनों की मार भी कब भूलती है। पिताजी कभी कभी हाथ साफ करते थे पर तसल्ली करवा देते थे। जिनके थप्पड़ मारने वाले माँ बाप नहीं होते वे ज्यादातर बच्चे बड़े होकर मवाली बनते हैं। कई बार एक थप्पड़ जिंदगी की भटकन खत्म कर देता है और सही रास्ता दिखा देता है। कंगना के लिये भी यह नसीहत है कि सांसद बन कर लोगों के काम न किये तो जनता बाद में घसीटती बहुत है। पंजाब में भाजपा उम्मीदवारों को गांवों में घुसने नहीं दिया था। दूसरी तरफ कुलविंदर कौर को भी जानना चाहिये कि काठ की हांडी हर बार नहीं चढ़ती। आपने सत्ताधारी पार्टी की व मोदी जी की चहेती सांसद को जरकाया है किसी साधारण औरत को नहीं। राज प्रकोप सहना पड़ सकता है।

नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को दिलाई शपथ

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी आंचलिक सभा का शपथ ग्रहण कार्यक्रम सम्पन्न

तेज | रिपोर्टर हनुमानगढ़

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी आंचलिक सभा हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, अबोहर, फाजिल्का, ऐलनाबाद आंचल की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण कार्यक्रम रविवार को डॉ मुनिश्री अमृत कुमार के सानिध्य में जंक्शन स्थित अरिहंत भवन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में तेरापंथ महासभा के आंचलिक प्रभारी देवेंद्र बांठिया ने जैन संस्कार विधि के माध्यम से नवनिर्वाचित अध्यक्ष जैन प्रकाश जैन, महामंत्री ऋषभ चौरड़िया, उपाध्यक्ष रविंद्र जैन व विजय राज बोथरा, कोषाध्यक्ष मालचंद पुगलिया, सहमंत्री रोहित जैन व डॉ. मुकेश जैन, संगठन मंत्री भरत ऋषि रांका के अलावा कार्यकारिणी में आंचलिक के सभी पूर्व अध्यक्ष, सभी तेरापंथी सभाओं व उपसभाओं के पदेन अध्यक्ष, मंत्री व कोषाध्यक्ष सदस्यों को शपथ दिलाई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि चौधरी भूपेंद्र कुमार, अतिथि पूर्व आंचलिक अध्यक्ष कृष्ण कुमार जैन, मांगीलाल रांका, सुरेन्द्र कोठारी, निवर्तमान अध्यक्ष देवेंद्र सावनसुखा, बाबूलाल दुग्गड़, राजेंद्र बैद, सभा अध्यक्ष सुभाष बांठिया थे। डॉ. मुनिश्री अमृत कुमार ने नई कार्यकारिणी को धर्म संघ की सेवा के लिए कार्य करने के लिए प्रेरित किया। नवनियुक्त अध्यक्ष जैन प्रकाश जैन ने भावी योजनाओं की जानकारी देते हुए गोलूवाला में तेरापंथ सभा भवन के लिए सभा को जमीन सुपुर्द की। मंच संचालन आनंद जैन व पंकज तातेड़ ने किया।

श्री अमरनाथ यात्रा हेतु मेडिकल टीम का चयन

तेज. रिपोर्टर. हनुमानगढ़। श्री

अमरनाथ यात्रा हेतु मेडिकल टीम में चयन इस साल होने वाली श्री अमरनाथ यात्रा में हनुमानगढ़ से खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी हनुमानगढ़ डॉक्टर ज्योति धींगडा और फार्मासिस्ट संजय मंडिया का चयन मेडिकल टीम हेतु हुआ है। फार्मासिस्ट एसोसिएशन के सन्नी ग्रोवर ने बताया कि हर साल केंद्र सरकार द्वारा राज्य सरकार से श्री अमरनाथ यात्रा में मेडिकल टीम हेतु आवेदन मांगे जाते है जिसमे इस साल हनुमानगढ़ से डॉक्टर ज्योति धींगरा और फार्मासिस्ट संजय मांडिया का चयन होना हम सब के लिए खुशी का विषय है। ये अपनी सेवाएं 14 जुलाई से 2 अगस्त तक गंदरबल में देंगे।

संजय आर्य केन्द्रीय इकाई कट्सैफ में सदस्य नियुक्त

तेज | रिपोर्टर हनुमानगढ़

उपभोक्ता संरक्षण समिति संगरिया के अध्यक्ष एडवोकेट संजय आर्य को वर्ष 2024-25 के लिए भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण की दूरसंचार उपभोक्ता शिक्षा और संरक्षण फण्ड के लिए गठित समिति (कट्सैफ) का सदस्य नियुक्त किया गया है। यह समिति राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण में दूरसंचार उपभोक्ताओं के शिक्षा एवं संरक्षण के लिए गठित कोष में से विभिन्न मदों में वित्त निर्धारण तथा आवंटन का कार्य करती है। इस समिति के अध्यक्ष, सचिव भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण हैं तथा सदस्य मुख्य सलाहकार (सीए) भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण, मुख्य सलाहकार (एफ एंड ईए) भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण, सलाहकार (सीए) भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण, पदीय हैसियत से सदस्य हैं। इसके अतिरिक्त इस वर्ष के लिए पश्चिम बंगाल से जी मुस्तफा, राजस्थान से संजय आर्य, सिक्किम से बिकास थापा, दूरसंचार कंपनियों की ओर से रिलायंस जियो इनको फेम लिमिटेड के अनुराग जैन, वोडाफोन के अजय मेहता तथा वर्ल्ड फोन इंटरनेट सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के वैकंटरमन को सदस्य नियुक्त किया गया है।

एकता मंच ने लगाया अठारहवां निशुल्क शुगर जांच शिविर

46 ने करवाई निशुल्क शुगर जांच

तेज | रिपोर्टर हनुमानगढ़

स्वयंसेवी संस्था एकता मंच की ओर से चलाए जा रहे शुगर जागरूकता अभियान के तहत रविवार को जंक्शन की दुर्गा कालोनी स्थित चिल्ड्रन पार्क में निशुल्क शुगर जांच शिविर लगाया गया। शिविर में 46 महिला और पुरुषों ने शुगर की जांच करवाई और उन्हें मौके पर ही निशुल्क जांच रिपोर्ट दी गई। शिविर सुबह साढ़े छह बजे से आठ बजे तक लगाया गया। एकता मंच के शिविर प्रभारी पारस गर्ग एवं उप प्रभारी हेमन्त गोयल ने बताया कि एकता मंच ने शुगर रोग के बढ़ रहे प्रकोप के मद्देनजर निशुल्क शुगर जांच अभियान शुरू किया हुआ है। इसके तहत प्रत्येक रविवार शहर के एक पार्क में जा कर सुबह साढ़े छह बजे से आठ बजे तक निशुल्क शुगर की जांच की जाती है और शुगर रोग को लेकर जागरूक किया जाता है। इस वर्ष फरवरी माह से किए गए इस अभियान में अब तक सत्रह शिविर लग चुके हैं। इस कार्य में हनुमानगढ़ जंक्शन की नेशनल लैब एवं टाउन की रिलायबल लैब और निदेशक दिनेश गुप्ता का सहयोग रहता है। रविवार को चिल्ड्रन पार्क में आयोजित शिविर में अरोडवंश सभा के पदाधिकारी अशोक नारंग, डॉ. अनिल गोयल, भारत विकास परिषद के अध्यक्ष विकास जुनेजा, नीलकंठ महादेव सेवा समिति के सचिव महावीर शर्मा, अंकुर बंसल, जुगनू बंसल, जितेन्द्र गर्ग, सुशान्त डोडा, अनिल अरोड़ा, महावीर बंसल, पार्षद सुरेश धमीजा मौजूद रहे। अतिथियों ने एकता मंच के सामाजिक सरोकारों को सराहनीय बताया। शिविर में एकता मंच के कोषाध्यक्ष आशीष गोयल, विजय बलाडिया, हरपाल राय गर्ग, सतीश गोयल, श्रीप्रकाश शर्मा, गणेश सोलंकी, गुरदीप सिंह, राजेन्द्र ग्रोवर, अरूण खुराना बॉबी, मनीष अरोड़ा, मनीष अग्रवाल, विजय मित्तल, मनोज प्रजापत, शंकर सिंह नरुका, आकाश शर्मा, अशोक नंदा, रविन्द्र डालमिया, चिमन लाल ढढई, संजीव गोयल, आदि शामिल हुए।

एक रुपए में मिलेगी डॉक्टर की सेवाएं

टास्कर कंपनी की अनूठी पहल

तेज | रिपोर्टर हनुमानगढ़

भारत की नंबर वन हेल्थ केयर टास्कर कंपनी के मॉल का शुभारंभ हनुमानगढ़ टाउन नई धान मंडी आइसीआइसीआई बैंक के पास डॉं पारस जैन एमडी फिजिशियन के द्वारा गणमानय नागरिकों की उपस्थिति में रिबन काटकर हुआ। इस अवसर पर कंपनी के एच आर कपिल शर्मा, स्टोर मैनेजर जगजीत सिंह, फार्मासिस्ट धर्मेंद्र, दानाराम, कमल, मार्केटिंग मैनपाल आदि उपस्थित थे। मॉल में डाइटिशियन के रूप में रुखसार बानो, डॉ पवन यादव अपनी सेवाएं देंगे कंपनी के कपिल शर्मा ने बताया कि इससे पूर्व राजस्थान में दो स्टोर ओपन किया जा चुके हैं। कंपनी का हेल्थ केयर मॉल को ओपन करने का उद्देश्य है मरीज को एक ही छत के नीचे बीमारी का इलाज कर उसे निजात दिलाने का प्रयास करना व मरीज का चिकित्सा उपचार चाहे वह किसी प्रकार की जांच हो, दवाइयां उपलब्ध करवाना आदि के संबंध में राहत देना है। हमारे यहां पर 24 घंटे दवाइंयो के साथ-साथ डॉ की सुविधा भी मिलेगी। यदि डॉक्टर द्वारा उसे कोई जांच लिखी जाती है तो वह भी सीआरएल लैब से बाजार से डिस्काउंट रेट पर की जाएगी। डॉ पारस जैन ने बताया कि कि यहां पर 365 रुपए का शुल्क देकर साल भर डॉक्टर की सुविधा निशुल्क पा सकेंगे। बेबी केयर, आयुर्वेदिक, जनरल मेडिसिन बाजार से काफी उचित रेट पर मिलेंगी। होम डिलीवरी की सुविधा निशुल्क रहेगी।

न्यू नेशनल ड्राईक्लीनर्स
106, भगतसिंह चौक, हनुमानगढ़ जंक्शन
मो. 90905-03210
यहां पर साड़ी चरक की जाती है।

Reg. No. 8144
P.C. क्लिनिक
Hi-Tech Homeopathic Unit
बिना ऑप्रेशन के ईलाज
बवासीर, भगन्दर, फीशर त्वचा रोग एवं पुराना रोग
हर रविवार को सुबह 11 से 2 बजे फ्री चैकअप
Dr. Mukul Sarkar BHMS, B.Sc
सम्राट होटल के पीछे, श्रीगंगानगर रोड, हनुमानगढ़ जंक्शन
मो. 85030-03303

200+ विद्यार्थियों के डिग्री में 80% देने के साथ विगत वर्षो में सर्वाधिक सरकारी सेवा चयन देने वाली टीम
द साइंस एकेडमी, रावतसर
रावतसर (बेसिक) कॉलेज
B.A. - English Medium
B.A. - हिन्दी माध्यम
B.Sc. - Maths
B.Sc. Biology
WITH + FOUNDATION
RAS
Bank SSC
Defence
State Govt. Jobs
नई पीढ़ी, नई सोच
अब करें डिग्री के साथ सरकारी नौकरी की तैयारी
91169-89362, 94601-02099, 63751-93607
रावतसर (बेसिक) कॉलेज, कोर्ट रोड, नजदीक पंचायत समिति, रावतसर

किसी भी कंपनी का
जीवन स्वास्थ्य
गाड़ी प्रोपर्टी
बीमा कम से कम रेट
पर करवाने के लिए
सम्पर्क करें
99585-95529

शोक-सन्देश
बड़े दुःखी हृदय के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारी पूजनीया माताजी

श्रीमति रेवन्ती देवी
पत्नी स्व. श्री हेतराम सहारण का स्वर्गवास दिनांक 9.6.2024 को हो गया है। इनका द्वादशा दिनांक 19.6.2024 को होगा।
नोट: ऊढावणी एवं अन्य नकदी लेनदेन प्रतिबंधित है।
शोकाकुल: श्रीमति मन्जु चौधरी-अमीलाल सहारण (उपरजिस्ट्रार सहकारिता), श्रीमति गीता-राकेश कुमार सहारण (व्यवस्थापक न्यौलखी), श्रीमति पुष्पा-स्व. श्री राजेन्द्र कुमार सहारण (पुत्र-पुत्रवधू), मोहित, सुनील कुमार, अनिल एवं निखिल सहारण एवं समस्त सहारण परिवार।
निवास: स्थान 43 कचहरी रोड़, पुलिस थाना के सामने, सेक्टर 9/1 हनुमानगढ़ जं.

दीपक सैनी
मो. 82339-47047
श्रीगंगानगर वाले
रेवाड़ी बर्फी स्वीट्स
रेवाड़ी वालों की सुप्रसिद्ध बर्फी
दुकान नं. 05, शॉपिंग सैंटर
बस स्टैण्ड से भगत सिंह चौक रोड़, हनुमानगढ़ जंक्शन

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

आत्मा अजर अमर और शाश्वत है, यही जीवन है
आपको सूचित करते हुए अत्यधिक दुःख हो रहा है कि हमारी पूजनीय माता जी
श्रीमती विमला रानी
धर्मपत्नी स्व. श्री बलदेव राज त्रेहन
दिनांक 11 जून, 2024, मंगलवार को अपनी सांसारिक यात्रा पूर्ण कर स्वर्गलोक सिधार गई हैं। उनकी आत्मिक शांति के लिए जिनकी आत्मिक शांति हेतु अंतिम अरदास (रस्म दहाका) 21 जून 2024, शुक्रवार को 12.00 बजे से 1.00 बजे तक अरोड़वंश धर्मशाला, नजदीक एलआईसी ऑफिस, रायसिंहनगर में होगा।
शोकाकुलः डॉ. रवि त्रेहन-श्रीमती नीलम त्रेहन (पुत्र-पुत्रवधू), विजय त्रेहन-श्रीमती पूनम त्रेहन (पुत्र-पुत्रवधू), संजीव त्रेहन-श्रीमती दिव्या त्रेहन (पुत्र-पुत्रवधू), हरीश खेर-श्रीमती सुमन खेर (दामाद-पुत्री)

स्वामी दैनिक तेज के लिए प्रकाशक व मुद्रक देवेन्द्र शर्मा द्वारा नजदीक भगत सिंह चौक, हनुमानगढ़ जंक्शन से प्रकाशित एवं शर्मा प्रिन्टिंग प्रेस नजदीक भगत सिंह चौक, हनुमानगढ़ जंक्शन (राजस्थान) से मुद्रित। सम्पादक देवेन्द्र शर्मा। आरएनआई रजि. नं. 23549/71, पोस्टल रजि. नं.गंगानगर/29/2024-2026, पोस्ट बॉक्स नं-26 फोन : 269443, 9414095543, फैक्स : 01552-268442